

PUBLISHED BY AUTHORITY

Fo 36]

61

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 6, 1980 (भाद्रपव 15, 1902)

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 6, 1980 (BHADRA 15, 1902)

भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग Ш—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च ग्यायालयों, नियम्ब्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं [Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा श्रायोग

ली-110011, दिनांक 26 जुलाई 1980

़ 19014/10/60 प्रणा०-I---स्वास्थ्य और परिवार रालय के संबर्ग मे के० स० से० के अनुभाग अधि-चिसा राम को राष्ट्रपति द्वारा 8 जुलाई, 1980 के पुर्वाह्म से श्रागामी श्रादेशो तक मंघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में अवर सचिव के पद पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 31 जुलाई 1980

सं० ए०-19014/4/77-प्रशा०-I--भारतीय साख्यिकी सेवा के श्रधिकारी तथा संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय मे उप मचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्यरन श्री एस० सी० शर्माको राष्ट्रपति द्वारा [†]31-7-1980 (श्रयराह्न) से निवर्तन श्राय हो जाने के पश्चात् सरकारी सेवा से निवृत हो जाने की महर्ष अनुमति प्रदान की जाती है।

ए०-32014/1/80-प्रणा०-I---संघ लोक सेवा ग्रायोग के संबर्ग में निग्नलिखित चयन ग्रेड वैयक्तिक सहायकों (ग्रेड ग का चयन ग्रेड) वैयक्तिक सहायको (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ग) की राष्ट्रपति द्वारा 2-8-1980 से 1-11-1980 तक तीन माम की अवधि के लिए अरथवा श्रागामी आयेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग मे पूर्णतः अनंतिम, अस्थायी

(9707)

कम सं०	नाम	धारित नियमित पद	पद जिस पर तदर्थ नियुक्ति की गई है		ग्रभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6
1. श्रो	एस० पी ० मे हरा	ग्रेड ग स्टेनोग्राफर का स्थाना- पक्ष चयन ग्रेड तथा स्थायी	वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के०	2-8-1980 से	श्र०जा० के लिए ग्रा रक्षित रिपोर्ट की गई चयन सुर्च

2. उपर्युक्त ध्यक्तियों को यह श्रवगत कर लेना चाहिए कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः ग्रस्थायी और तदर्थ ग्राधार पर है और उन्हें के० स० स्टे० से० के ग्रेड ख में विलियन का श्रथवा उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का कोई हक नही होगा। उपर्युक्त तदर्थ नियुक्तियां कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के श्रमुमोदन से है।

दिनांक 5 ग्रगस्त 1980

मंत ए०-19014/13/80-प्रणा०-I—इस्पात और खान मंत्रालय के संवर्ग में के० स० से० के प्रनुभाग ग्रिधिकारी तथा उक्त विभाग में कार्यरत डेस्क ग्रिधिकारी श्री के० मी० रतवाल को राष्ट्रपति हारा 26 जुलाई, 1980 के पृषक्ति से ग्रागामी ग्रादेशों तक संघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय में ग्रवर सचिव के पद पर नियुक्त किया जाता है।

> ण्स० बालचन्द्रन् उपसचित्र संघ लोक सेवा श्रायो**ो**

Acc. No. Date of

DIVISION. IUD

िस्कृतिल्लीय 10011, विन**िक्षा कूर्य** 1980 Date of Transfer

सं० ए०-11016/1/76-प्रशा०-144—सघ लाक सेवा श्रामोग के निम्नलिखित स्थायी श्रनुभाग श्रिधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट श्रवधि के लिए, श्रयवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में डेस्क ग्रिधिकारों के पद पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता हैं:—

ऋम० सं० नाम	पदोन्नति की श्रवधि	शाखा का नाम जहां नियुक्ति की गई।
1. श्री बी० सुन्दरेसन	10-6-80 से	
2. श्री धनीण चन्द्र	1-8•80 तक 10•6-80 से 30-6-80 तक	भर्ती नियम

2. उपर्युक्त श्रधिकारियों को कार्मिक श्रीर प्रशासनिक मुधार विभाग के का॰ जा॰ सं॰ 12/1/74-सो॰ एस॰ (i) दिनांक 11-12-75 की गर्नों के श्रनुसार प्रति माह २० 75/-की दर में विशेष वेतन स्वीकृत किया जाएगा।

दिनांक 15 जुलाई 1980

सं० ए०-32013/3/76-प्रणा०-I—संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक श्रिधिसूचना दिनांक 22-2-1980 के श्रमुकम में संघ लोक सेवा श्रायोग के संवर्ग में के० स० से० के स्थायी ग्रेड I श्रिधिकारी श्री एम० श्रार० भागवत को राष्ट्रपति द्वारा 24-5-80 से तीन माम की श्रितिरिक्त श्रवधि के लिए श्रथवा श्रामामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में उप मचिव के पद पर तदर्थ श्राधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए०-32013/3/76-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा श्रायोग की समसंख्यक श्रिधसुचना दिनांक 22-2-1980 के

-ग्रनुत्रम में संघ लोक सेवा ग्रायोग के सवर्ग में के० स० से० के स्थायी ग्रेड-I ग्रिधिकारी श्री एस० के० बोस को राष्ट्रपति श्रीरा 19-5-1980 से ग्रागामी श्रादेशी तक सघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में उप मिचब के पद पर नियुक्त किया जाता है।

> एम० बाल श्रवर स

गृह मत्नालयं

का० एव प्र० सु० विभाग

केन्द्रीय प्रन्वेषण ब्यूरो

नई दितला, दिनाक 11 श्रगस्त 1980

सं० ए०-19027/2/79-प्रशासन-5—दिनाक 15-2-1980 की समसंख्या प्रधिसुचना के प्रधिक्रमण में, राष्ट्रपति प्रयने प्रसाद से श्री एम० सी० मित्तल, स्थायी वैज्ञानिक सहायक, केन्द्रीय ग्याय-वैद्यक विज्ञान प्रयोगणाला, केन्द्रीय श्रन्वेषण व्यूरो, नई दिस्ली जो केन्द्रीय न्याय-वैद्यक विज्ञान प्रयोगणाला में तदर्थ श्राधार पर वरिष्ठ वैज्ञाकि श्रधिकारी (दस्तावेज) के रूप में कार्यरत हैं, को दिनाक 31-5-80 से श्रागे श्रादेश तक के लिए नियमित श्राधार पर स्थानापन्न वरिष्ठ वैज्ञानिक श्रधिकारी (दस्तावेज), केन्द्राय न्याय-वैद्यक विज्ञान प्रयोगणाला, केन्द्राय श्रन्वेषण व्यूरों के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनाक 12 श्रगस्त 1980

मं० पी० एफ०/एम०-52/65-प्रशा०-5—निवर्तन की भ्रायु प्राप्त कर लेने पर, भारतीय पर्यटन विकास निगम में सतर्कना श्रिधकारी के रूप में प्रतिनियुक्त, श्री एम० एम० नरेन्द्रनाथ, पुलिस उप-भ्रधीक्षक, केन्द्रीय श्रन्थेषणब्यूरो दिनाक 31-7-1980 के अपराह्न में सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

सं० ए०-19036/10/77-प्रशासन-5—निवर्तन की श्रायु प्राप्त कर लेने पर, महाराष्ट्र पुलिस से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों मे प्रतिनियुक्त श्री श्रार० एस० नरवेकर, पुलिस उप-श्रधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों ने दिनाक 31-3-1980 के अपराह्म में पुलिस उप-प्रधीक्षक के पद का नार्य-भार त्याग दिया।

दिनांक 14 ग्रगस्त 1980

सं० ए०-19036/4/76-प्रणा०-5—निवर्तन की ग्रायु प्राप्त कर लेने पर, श्री शरीफुल हसन, पुलिस उप-ग्राधीक्षक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरों ने दिनाक 31-7-80 के श्रपराह्न से पूलिस उप-ग्राधीक्षक के पद का कार्य-भार त्याग दिया।

> की० ला० ग्रोवर, प्रकासनिक श्रधिकारी (स्था) केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो

महानिरोक्षक का कार्यालय केन्द्राय अधिगिक सुरक्षा बल नईदिल्लो-110019,दिनाक 14 जुलाई 1980

सं० ई०-38013/(3)/9/80का० कि—उद्योग मंडल को स्थानातरित होने पर श्री पी० बालाकृष्णन्न पिल्लइ ने 30 जूग, 1980 के अपराह्म से० के० औ० सु० ब० यूनिट, सी० पी० टो० कोचीन, के सहायक कमाडेट के पद का कार्यभार छोड़

प्रकाश सिह महानिरोक्षक

भारत के महापजीकार का कायलिय नई दिल्ली-110011, दिनाक 6 श्रगस्त 1980

स० 11/1/80-प्रशा०-I— राष्ट्रपति, केरल मिविल सेवा के प्रधिकारी श्री जे० के० बालकृष्णन् निम्बयर को, केरल, त्निवेन्द्रम में जनगणना कार्य निदेशालय में ताराख 11 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से, ग्रंगले प्रादेशों तक, प्रतिनिधुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, उप जनगणना कार्य निदेशक के पद पर, महर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री नम्बियर का मुख्यालय त्रिवेन्द्रम मे होगा।

स० 11/1/80-प्रशा०-1---राष्ट्रपति, केरल सिविल सेवा के श्रधिकारी श्री के० एस० वेलोदी को केरल, त्रिवेन्द्रम मे जनगणना कार्य निदेशालय मे तारोख 6 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्म से, ग्रगले श्रादेशो तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण बारा उप-निदेशक जनगणना कार्य के पद पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

- 2 श्री त्रेलोदी का मुख्यालय त्रिवेन्द्रम मे होगा।
- 3 यह श्रधिसुचना इस कायलिय की तारंख 2 जलाई 1980 की समसंख्यक ग्रधिसुचना को ग्रधिकान्त करके जारी की जाती है।

दिनाक 11 श्रगस्त 1980

म० 10/29/78-प्रशा०-I—सघ लोक सेवा द्यायोग का मिफारिश पर राष्ट्रपति, नई दिल्ला में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में श्री बीठ के० चौबे को ताराख 31 जुलाई, 1980 के पूर्वीह्म से प्रगले श्रावेशों तक एयर फोटों इन्टरप्रेटर के पद पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

🕹 श्रो चौबे का मुख्यालय नई दिल्लो मे होगा।

स० 11/8/80-प्रणा०-I—राष्ट्रपति, महाराष्ट्र सिविल मेवा के प्रधिकारी श्री एमं० एमं० माखे को महाराष्ट्र, बम्बई में जनगणना कार्य निदेणालय में तारीख 14 जुलाई, 1980 के अपराह्म से, अगले आदेशों तक, प्रतिनियनित पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर, महर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री साखे का मुख्यालय पूणे मे होगा।

सं० पी० कि० (बी०) प्रशा०- I -- संयुक्त राष्ट्र संध विकास कार्यक्रम के ग्रधीन ईराक सरकार में सैम्पिलिंग परामर्शदाता के पद पर विदेश सेवा की श्रविध की समाप्ति पर श्री लाल कृष्ण में, जिन्हें इस कार्यालय की तारीख 19-9-78 की श्रधिसूचना संख्या 2/1/75-श्रार० जी० (प्रशा०- I) के द्वारा तारीख 26 जून, 1978 से उप निदेशक जनगणना कार्य के ग्रेड में प्रोकार्मा पदोन्नति दी गई थी, उत्तर प्रदेश, लखनऊ में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 14 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्म से, उप निदेशक जनगणना कार्य के गर्वाह्म से, उप

श्री भाज का मुख्यालय लखनऊ में होगा।

पो० पद्मनाभ, भारत के महापंजीकार

वित्त मंत्रालय श्रार्थिक कार्य विभाग बैंक नोट मुद्रणालय देवास, दिनांक 30 जुलाई 1980

सं० बो० एन०पी०/सिं०/5/80—इस कार्यालय की श्रधि-सूचना क्रमांक बी० एन०पी०/सी०/5/79 दिनांक 7-12-79
एकं बी० एन०पी०/सी०/5/80 दिनांक 1-4-80 के श्रनुकम
में निम्निलिखित श्रधिकारियों की नियुक्तियों की श्रवधि उनके
नाम के सम्मुख दर्शाई गई दिनांक तक बढ़ाई जातो हैं।

	٠,		
क्रम सं०	नाम	पद जिस पर तदर्थ नियुक्ति की गई	तक तदर्थ नियु- क्ति बढ़ाई
			गई।

	11914 11 11	क्ति बढ़ाई गई।
सर्वश्री		
1. एम० पोन्नुथुराई	तकनोको स्रधिकारी (मुद्रण व प्लेट निर्माण)	30-6-80
2. डी० भ्रार० कोंडावर	यथा	यथा
 ह्वायजनार्धनराव 	यथा	यथा
 रामपाल सिंह 	यथा	वथा
 एन० ग्रार० जयराम 	न —यथा	यथा
 समरेन्द्र दास 	—-यथा -	—-यथा
7. वी० वेंकटरमणी	यथ ॉ	[यथा
8. मूदुल दत्ता	तकनीकी ग्रधिकारी (ग्रभिकल्पन एवं उत्कीर्ण	—-यथा न)
9. ध्ररुण कुमार इंगले	तकनीका घधिकारी (स्याही कारखाना अनु एवं प्रयोगशाला)	16-5-80 • (मध्याह्न)
10. जे० एन० गुप्ता	तकनीकी श्रधिकारी (स्याही कारखाना उत्पादन)	—-य ध ां—

दिनांक 10 श्रगस्त 1980

सं० बी० एन० पी०/सी०/5/80—श्री जी० एल० डामोर स्थायी नियन्त्रण निरीक्षक को, बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में उप नियंत्रण श्रिधकारी (समूह ''ख'') राजपित्रत के पद पर दिनांक 23-6-1980 (पूर्वीह्र) से नियमित रूप से श्रागामी श्रादेशों तक नियुक्त किया जाता है।

> पी० एस० शिवराम महाप्रवन्धक

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा

रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली-110001, दिनांक 11 अगस्त 1980

सं० 1966/ए/प्रणासन/130/79-80----निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं प्रधीनस्थ लेखा सेवा के स्थायी श्री टी० हलाप्पा को लेखा परीक्षा ग्रधिकारों, रक्षा सेवाएं, इलाहाबाद, में दिनांक 5-7-80 (पूर्वाह्म) से स्थानापन्न लेखा परीक्षा ग्रधि-कारी के रूप में श्रगले श्रादेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० 1965/ए०-प्रणासन/130/79-80—निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं, श्रधीनस्थ लेखा सेवा के स्थायी श्री बी० एम० रामकृष्णन को संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं, दक्षिण कमान, पूणे में दिनांक 24-7-80 (पूर्वाह्म) से स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में, श्रगले श्रादेश पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं।

ए०पो० सिन्हा संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा रक्षा रोबाएं,

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 6 श्रगस्त 1980

सं० 18249/प्रणा०-I—-राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा से दिया गया श्री ए० वी० निरंजन राव का त्यागपत्न, दिनांक 30 जून, 1980 (श्रपराह्न) से सहर्ष स्वीकार करते हैं।

दिनांक 7 स्रगस्त 1980

सं० 18409/प्रणा०-I—58 वर्षकी स्नायु प्राप्त कर लेने पर, श्रो ए० के० घोष, रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक को दिनांक 31-1-81 (अपराह्म) से पेंशन स्थापना की भ्रन्तरित कर दिया जाएगा तथा तदनुसार दिनाक 31-1-81 (श्रपराञ्च) से उनका नाम रक्षा लेखा विभाग के मख्या बल से हटा दिया जाएगा।

सं० 68012(6)/79/प्रशा०-I—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के नियमित संवर्ग के कनिष्ठ समयमान (रुपये 700—1300) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए श्री दुलारे लाल कन्नीजिया, स्थायी लेखा श्रधिकारी की दिनाक 30 जून 1980 (पूर्वाह्म) से, श्रागार्मा श्रादेण पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्रार०एल० बर्ध्या रक्षालेखाश्रपर महानियक्षक (प्रशा०)

रक्षा मंत्रालय

हो० जो० श्रो० एफ० मुख्यालय मिविल सेवा श्रार्डनैन्स फैक्टरी बोर्ड कलकत्ता-69, दिनाक 1 श्रगस्त 1980

स० 17/80/ए०/ई०-I—वार्धक्य निवृत्ति स्रायु प्राप्त कर, श्री मणीन्द्र नाथ गुहा, मौलिक एव स्थायी महायक, स्थानापन्न ए० एस० स्रो०, दिनाक 31-7-1980 (स्रपराह्म) से सेवा निवृत्त हुए।

डी० पी० चक्रवर्ती सहायक महानिदेशक/प्रशासन कृते महानिदेशक, श्रार्डनैन्स फैक्टरिया

उद्योग मंत्रालय (आँद्योगिक विनास विभाग) विकास भ्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनाक 18 श्रगस्त 1980

सं० ए० 19018/33/73-प्रशासन (राज०)—-राष्ट्रपति जी, औद्योगिक विस्तार केन्द्र, कोटा के श्री बी० एम० गोयल, सहायक निदेशक, ग्रेड-I (यातिक) को दिनाक 31 जुलाई 1980 (पूर्वाह्म) से ग्रगले भादेशो तक लघु उद्योग सेवा संस्थान, इलाहाबाद में तदर्थ आधार पर उप निदेशक (यातिक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

> महेन्द्र पाल गुप्त उपनिदेशक (प्रशा०)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन श्रनुभाग-1)

नई दिस्ली, दिनाक 11 श्रगस्त 1980

सं० प्र०-1/3(26)—-राष्ट्रपति, महायक निवेशक ग्रेड I श्री डी॰ के॰ चक्रवर्ती को दिनाक 1-8-80 ण पूर्वीह्न से इसी

महानिदेशालय में उप निदेशक (पूर्ति) (भारतीय पूर्ति सेवाग्रुप ए० के ग्रेंड II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियमित ग्राधार पर नियुक्त करते हैं।

श्रो डी॰ के॰ चक्रवर्ती दिनाक 1-8-80 से 2 वर्ष के लिए परिवीक्षाधीन रहेगे।

> कृष्ण किशोर उप निवेशक (प्रशासन) कृते महानिवे*ग*क पूर्ति तथा निपटान

इस्पात ग्रीर खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण कलकत्ता-700016, दिनाक 5 श्रगस्त 1980

मं 5856बी/ए-19012(4 जी कि के)/78-19बी ०-- खिनिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेणन नार्पोरेशन लि०) में स्थाई स्प से नियुक्ति हो जाने पर श्री जार्ज कुरियन, ड्रिलर ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की सेवाश्री से 24-9-1977 (पूर्वाह्म) में श्रपना पद त्याग दिया है।

दिनाक 7 ग्रगस्त 1980

स 5950बीं । ए०-19012 (4-जे० प्रार० ग्रो०) | 78-19बीं ० — खिनिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लो-रेशन कार्पोरेशन लि०) में स्थायी रूप से नियुक्ति हो जाने पर श्री जे० ग्रार० ग्रोहरी, ड्रिलर ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की संवाग्रों से 1-10-1977 (पूर्वाह्म) से अपना पद त्याग दिया है।

> वो० एम० कृष्णस्वामी महानिदेशक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग महासर्वेक्षक का कायलिय देहरादून, दिनाक 14 ग्रगस्त 1980

सं० स्था-1-5650/881-ग्रधिकारी— डाक्टर कुलदेव सिंह नेगी, एम० बी० बी० एस०, जिन्हे भारतीय सर्वेक्षण विभाग, हाथीबड़कला डिसपेसरी, देहरादून में सामान्य सिविल सेवा ग्रुप ''बी'' में चिकित्सा ग्रधिकारी के पद पर ग्रधिसूचना सं० स्था-1-5615/881-ग्रधिकारी दिनौंक 8 अप्रैल, 1980 के अधीन पूर्णतया ग्रस्थाई ग्राधार पर नियुक्त किया गया था, श्रब उक्त पद पर नियमित चिकित्सा ग्रधिकारी के कार्यभार ग्रहण करने के कारण दिनाक 10-7-80 (पूर्वीह्म) से उनकी सेवाएं समाप्त की जाती है।

के० एल० खोसला मेजर जनरल भारत के महामर्वेक्षक

सूचना एवं प्रमारण मंत्रालय

(फिल्म प्रभाग)

बम्बई-26, दिनांक 7 ग्रगस्त 1980

मं० ए०-19012/3/80-सीबंदी-I—श्री श्रार० टी० काले, लेखा श्रधिकारी, महालेखाकार, महाराष्ट्र, बम्बई की फिल्म प्रभाग बम्बई में स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी के पद पर दिनाक 29-7-1980 के पूर्वीद्ध से प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया है।

एन० एन० शर्मा एक्टीग प्रशासकीय श्रधिकारी **कृते** प्रमुख निर्माता

राष्ट्रीय श्रभिलेखागार

नई दिल्ली-1, विनांक 11 ग्रगस्त 1980

सं० 11-24/76-ए०-र्-संघ लोक सेवा भ्रायोग की सिफारिण पर श्रभिलेख निदेशक भारत सरकार एतद् द्वारा छा० गुरमीत सिंह को नियमित श्रस्थायी श्राधार पर भ्रागामी आदेशों तक दिनांक 28 ज्ञुलाई 1980 (म०प्र०) से वैज्ञानिक श्रिधकारी (द्वितीय श्रेणी राजपत्रित) नियुक्त करते हैं।

एस० ए० श्राई० तिरमिजी श्रभिलेख निदेशक

श्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनाक 8 श्रगस्त 1980

मं० 10 (29) /77-एम०-तीन (खण्ड) — मह् निदेशक, श्राफाशवाणी,श्री फारुख भ्रम्मीन का सहायक श्रमियंता, दूरदर्शन केन्द्र, हैदराजाद के पद से त्यागपत्र दिनांक 5 श्रप्रैल, 1980 (भ्रपराह्म) से स्वीकार करते हैं।

सं० 10/16/78-एस०-तीन—महानिदेणक, श्राकाणवाणी, श्री श्रानन्द कुमार को दिनाक 4 जुलाई, 1980 से श्रगले श्रादेशों तक श्राकाणवाणी, वस्बई में श्रस्थायी श्राधार पर सहायक श्रभियंता के पद पर नियुक्त करते हैं।

> एच० एन० बिश्वास प्रशासन उपनिदेशक **कृते** महानिदेशक

ग्रामीण पुर्न निर्माण मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निदंशालय

फरीदाबाद, दिनाक 14 भ्रगस्त 1980

सं० ए० 19025/27/80-प्रणा०-III—-विभागीय पदोन्नति सिमिति की संस्तुतियों के प्रनुसार श्री सी० स्वामीदास वरिष्ठ

निरीक्षक को इस निदेशालय के श्रधीन मद्रास में तारीख 15-7-1980 (पूर्वाह्म) से अगले आदेश होने तक स्थानापक सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग I) निय्क्त किया गया है।

दिनांक 18 अगस्त 1980

सं० ए० 19023/65/78-प्रणा०-III—इस निदेशालय में विपणन अधिकारी (वर्ग I) के पद पर निम्नलिखित अधिकारियों की अल्पकालीन नियुक्ति को 30-9-1980 तक, या जब तक नियमित प्रबन्ध किए जाते हैं, दोनों में जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया गया है:—

- श्री ग्रार० वी० कुरुप
- 2. श्री एस० डी० फड़के।

बी० एल० मनिहार निदेशक प्रशासन **कृते** कृषि विपणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

ऋय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 28 जुलाई 1980

सं० डी० पी० एस० | 23 | 8 | 77 | स्थापना | 12436 — परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने इस निदेशालय के प्रस्थायी। सहायक लेखाकार श्री ए० एम० परुलकर को इसी निदेशालय में रुपये 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में 14 फरवरी, 1980 (पूर्वाह्म) से 15 मार्च, 1980 (प्रपराह्म) तक के लिए स्थानापन्न रूप से तथा तदर्थ आधार पर सहायक लेखा प्रधिकारी नियुक्त किया है। यह नियुक्ति श्री बीं० के० भावे, महायक लेखा प्रधिकारी के स्थान पर को गई है, जिन्हें छुट्टी स्वीकृत की गई है।

के० रवीन्द्रन सहायक कार्मिक ग्रिधकारी

भ्रन्तरिक्ष विभाग इसरो उपग्रह केन्द्र

बेगलूर-560058, दिनाक 11 भ्रगस्त 1980

सं० 020/3(061)/ए०/80—इसरो उपग्रह केन्द्र के नियत्नक ने निम्नलिखित ग्रिधिकारियों को उनके नामों के ग्रागे सृचित पदो पर जनवरी 1, 1980 के पूर्वाह्न में वेतन मान रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 पर नियुक्त किया है:

मं०	नाम	पद	
(1)	(2)	(3)	
ा. श्रीए	स० वेकटाचलम्	सहायक प्रशासन	भ्रधिकारी

1 2	3
2. श्री सी० के० नारायणन	सहायक लेखा श्रधिकारी
3. श्री के० ग्रार० प्रभाकर	सहायक ऋय श्रधिकारी
4. श्रीयू० विठ्ल	सहायक भंडार श्रधिकारी
 श्री एन० रामचन्द्रन नायर 	सहायकः भंडार अधिकारी
6. श्रीवी० के० थॉमस	सहायक भंडार प्रधिकारी

सं० 020/3(061)/ग्राप्र०/80—इमरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक ने श्री एच० बी० रामास्वामी, स्थानापन्न वैज्ञानिक/ श्रमियंता एम० बी० को मेवा से 6 जून, 1980 के पूर्वाह्न से श्रनिवार्य निवृत्ति किया है।

पी० एन० राजप्पा प्रशासन स्रधिकारी

महानिदेशक, नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 7 अगस्त 1980

सं० ए०-19011/37/80-ई०-I—निवर्तन श्रायु प्राप्त कर लेने के फल्स्वरूप, नागर विमानन विभाग के श्री एच० एस० गुलार्टा, निदेशक, ए० श्रार०ए० (पी०) ने दिनांक 31 जुलाई, 1980 श्रपराह्म से क्रपने पद वा वार्यभार त्याग दिया है।

दिनांक 11 भ्रगस्त 1980

सं० ए०-32013/2/79-ई०-I—इस विभाग की दिनांका 14-12-79 की अधिमृचना सं० ए० 32013/2/79-ई०-I के क्रम में, राष्ट्रपति ने श्री आर० नरसिंहम्, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी को दिनांक 31-3-80 से आगे अथवा इस पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, नागर विमानन विभाग मे उप निदेशक, श्रनुसंधान एवं विकास के पद पर तदर्थ आधार पर नियुवत किया है।

चित**र्र्क**न कुमार वत्म सहायक निदेशक, प्रशासन

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेणालय सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन णुल्क, नई दिल्ली, दिनाक 14 श्रगस्त 1980

सं० 27/80—श्री कमल कुमार को, संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा नामित दिए जाने पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में, निरीक्षण एवं लेखां परीक्षा निदेणालय, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नयी दिल्ली के मुख्यालय स्थित कार्यालय में श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क ग्रुप 'ख' (रसायन यन्त्र शास्त्र) के पद पर नियुक्त किया गया है। उन्होंने 2-8-1980 (पूत्राह्म) से, उक्त पद का कार्यभार सम्भाल लिया है।

के० जे० रामन् निरीक्षण निदेशक विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंद्रालय कम्पनी कार्य विभाग कम्पनी विधि बोर्ड कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी श्रधिनियम 1956 की धारा 445(2) के श्रधीन सूचना कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 के मामले में

और कोंकण कन्नड फूड प्रॉडक्टस लिमिटेड के मामले में।

बम्बई-400002, दिनांक 5 भ्रगस्त 1980

सं० कम्पनी नम्बर 13566/लिक्वी०—कम्पनी आवेदन संख्या 13566 वर्ष—में स्थित माननीय उच्च न्यायालय, बम्बई के आदेश दिनांक 14-2-79 के द्वारा कोंकण कन्न फूड प्रॉडक्टस लिमिटेड का परिसमापन करने का आदेश प्रदान कर दिया है।

ह्रं० अपठनीय सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार महाराष्ट्र, **बम्ब**ई

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 और मैसर्स कल्याण इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में। ग्रहमदाबाद,दिनांक 11 ग्रगस्त 1980

सं० 560/296—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के श्रनुसरण में एतत्क्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मैसर्म कल्याण इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृष कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 और मैसर्स जे॰ डीमा फाईनेन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

श्रहमदाबाद,दिनांक 11 श्रगस्त 1980

सं० 560/1814—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसरण में एत्तद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मैसर्स जे० डीमा फाईनेन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिंगत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

जे०गो० गाथा प्रमंडल पंजीयक, गुजरात राज्य, श्रहमदाबाद कम्पनी प्रिधिनियम 1956 भीर मनर्स एसोशियेटेड सर्विम (इण्डिया) लिमिटेड के विषय में शिलोग दिनांक 12 श्रगस्त 1980

सं० जी० पी०/655/560/(5)/1719—कम्पनी स्रधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के स्रनु-सरण में एतत्कारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स एसोशियेटेड साँवस (इण्डिया) लिमिटेड का नाम स्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> एस० के० महाचार्जं कम्पनी का रजिस्ट्रार शिलींग

कम्पनी **म्रिधिनियम** 1956 और मैसर्स रुपमहल शियेटर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में शिलौंग दिनांक 12 म्रगस्त 1980

सं० जी० पी०/1113/560(5)/1721—कम्पनी प्रधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एत्द्द्वारा सूचना दी जाती है कि मैसमें रूपमहल थियेटर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> एस० के० महाचाजँ कम्पनी का रजिस्ट्रार शिलौंग

कम्पनी ऋधिनियम 1956और विशाखा ट्रान्सपोर्ट सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 12 श्रगस्त 1980

सं० 973/टीं० (560) — कस्पनी श्रिधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतब्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के श्रवसान पर विणाखा ट्रान्सपोर्ट सर्विम प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

वी० एस० राजू कम्पनियों का रजिस्ट्रार भ्रान्ध्र प्रदेश, हैदराबाद । कायीलय, भ्रायकर श्रायुक्त नई दिल्ली, दिनांक 5 श्रगस्त 1980

सं० सी० म्राई० टी०-5/जूरि०/80-81/12699—म्राय-कर म्रिधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की घारा 124 की उपधारा (1) भौर (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा इसी विषय पर पहले जारी की गई म्रिधिसूचना में म्रांशिक संशोधन करते हुए, म्रायकर म्रायुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि आयकर अधिकारी, डि०-II (12) नई दिल्ली का भ्रायकर म्राधिकारी डी०-II (4), नई दिल्ली के साथ उनके द्वारा निर्धारिती/निर्धारणयोग्य व्यक्तियों/मामलों के संबंध में समवर्ती म्राधिकारी क्षेत्र होगा।

कार्य-निष्पादन की सुविधा के लिए, श्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली-5, निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्त, रेंज-5ए, नई दिल्ली को श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 124 की उप-धारा (2) में अपेक्षित श्रादेशों को पास करने के लिए प्राधिकृत भी करते हैं।

यह अधिसूचना 24-7-80 मे लागू होगी।

सं० सी० म्राई० टी०-5/जूरि/80-81/13259—म्रायकर म्राधिनियम 1961(1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) भौर (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सथा इसी विषय पर पहले जारी की गई म्राधिसूचनाम्नों में म्रांशिक संशोधन करते हुए म्रायकर म्रायुक्त, दिल्ली-5, नई विल्ली निदेश देते हैं कि म्रायकर म्राधिकारी-II (11), नई दिल्ली का म्रायकर म्राधिकारी डि०-II (15) मई दिल्ली के साथ उनके द्वारा निर्धारित/निर्धारण योग्य व्यक्तियों/मामलों के बारे में समक्ती म्राधिकार क्षेत्र होगा। किन्तु इनमें धारा 127 के अन्तगंत सौंपे गए या इसके बाद सौंपे जाने वाले मामले मामिल नहीं होंगे।

कार्य-निष्पादन की सुविधा के लिए म्रायकर म्रायुक्त, दिल्ली-5 म्रायकर म्रिधिनियम 1961 की धारा 124 की उपधारा-2 में अंबेक्षित म्रादेशों के पास करने के लिए निरीक्षीय सहायक म्रायुक्त, रेंज-5-ए, को प्राधिकृत भी करते हैं।

यह म्रधिसूचना 11-7-80 से 15-7-80 तक लागू होगी।

श्चार० डी० सक्सेना श्रायकर ग्रायुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस० → → →

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कर्यालय, महायक आयकर धामुक्त (निरीक्षण)

धाजन रेंज, एरणाकुलम को चिन-5
को चिन दिनांक 2 अगस्त 1980

निदेश सं० एल० सी० 417/80-81—यतः मुझे बी० मोहनलाल

धायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका खबित बाजार मृहय 25,000/- इपये से अधिक है

ग्रीर जिस की सं श्रमुस् चि के ग्रमुसार है, जो एरनांकुरूलम में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रमुस् में ग्रीर पूण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 7-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत मधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उन्शय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्राधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धव, उनत अधिनियम की घारा 269-न के धनुसरण म, मैं, उनस प्रधिनियम की मारा 269-न की चपभारा (1) के अक्षीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत :—— 2—226 G1/80 (1) श्री के० जी० फान सिस

(भ्रन्तरक)

(2) श्री लयनवरगीज

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ब्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की ध्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त स्रधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को एस सम्याय में दिया गया है।

मन्सूची

6 cints of land with building as per schedule attached to doc: No. 4180/79 of 7-12-79

वी० मोहनलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर कायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक: 2 प्रगस्त 1980

प्ररूप आई०टी०एन०एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 2 श्रगस्त 1980

भादेश संख्या राज/महा० भ्रा० श्रर्जन/102---यत. मुझे, एम० एल० चौहान

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीव सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 121, 122-124 है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण क्य से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रिजर्ट्ट करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 11-4-80 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल कल निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष्म से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त शिध-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (श्व) ऐसी किसी द्याय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ग्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त भ्रांधनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् : (1) श्री कैनाश रूप राय पुत्र श्री केदार रूप राय, बी-रोंड़, सरदारपुरा, जोधपुर

(अ्रन्तरक)

(2) श्री राम किशनब श्री जगदीशचन्द्र पुतानश्री भीकम-चन्द्र, पो-121 फर्स्ट बी रोंड़, सरदारपुरा, जोधपुर

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिम की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस भ्रष्टयाय में विधा गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 121, 122 एवं 124 का भाग, फर्स्ट बी० रोड़, सरदारपुरा, जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 736 दिनांक 11-4-80 पर पजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवर्णात हैं।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रेंज

दिनोक: 2 श्रगस्त 1980

प्ररू≀ शाई ० टी ० एन ० एस ०----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 2 ग्रगस्त 1980

म्रादेश संख्या राज०/सहा० म्रा० म्रर्जन/103---यतः मुझे, एम० एल० चौहान

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- स्पए से प्रधिक है

श्रौर जिस की सं० प्लाट नं० 121 से 124 है तथा जो जोधपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 11-4-1980

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ये कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए धन्तरित की गई है स्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफत्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफत्त का पन्त्रह प्रतिसत से स्रधिक है भीर धन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, भव, उक्त भ्रधिनियम की घारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री कैलाण रूप राय श्री केदार रूप राय, बी-रोड़, सरदारपुरा, जोधपुर (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती हमीवा खानम् पुत्री नूर खां मृसलिम, में हरू रेलवे कालोनी, जोधपुर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इत सूचना के राजान में प्रकाशन की नारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति आदा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकामन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद किती मन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास निम्मित से किये जा सकोंगे।

हरा करगः :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त खिन नियम के भाष्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भार्य होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 121 से 124 पर स्थित सम्पक्ति का भाग, 1-बी-रोड़, सरदारपुरा, जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर, द्वारा क्रम संख्या 738 दिनांक 11-4-80 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में क्रौर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> एम०एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज, जयपुर

दिनांकः: 2 ग्रगस्त, 1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

बायकर क्रिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर सायुक्त (निरीक्षण) भ्रजनरेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 2 मगस्त 1080

म्रादेश सं० राज०/सहा० म्रा० मर्जन/ — यतः मुझे, एम० एल० चौहान

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिस की सं० प्लाट नं० 121, 122, 124 है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्नी श्रिधिकारों के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक 11-4-80 को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्तुह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क्षं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के अभीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नसिखित व्यक्तियों अभीतः— (1) श्री कैलाण रूप राय पुत्र श्री केदार रूप राय, बी-रोंड, सरदारपुरा, जोधपुर (ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती पारो देवी पत्नी श्री श्रमृतलाल जी, पी-121, फर्स्ट बी रोड़, सरदारपुरा, जोधपुर

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को लारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- अष्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वोका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गुया है।

अनुसूची

प्लाटनं ० 121, 122, 124 का भाग, फर्स्ट बी० रोड़, सरदार-पुरा, जोधपुर में जो उप पंजियक , जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 734 दिनांक 11-4-80 पर पंजीबद्ध विक्रय पन्न में श्रौर विस्तृत रूप से बिबरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, जयपुर

दिनांक 1 अगस्त 1980 मोहर: प्रकप आई• टी• एन• एस•----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के समीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेंज, जयपुर जयपुर,दिनांक 2 मगस्त 1980

भादेश संख्या राज०/सहा० भ्रा० भ्रजन/—यतः मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर मिशिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उन्त धिश्वित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- कु से प्रधिक है

श्रीर जिस की सं० प्लाट नं० 121 से 124 है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 11-4-80 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वपापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (श्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (श्रम्तरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, ६कत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतं य आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिनियम, या धन-कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रतोजनार्थ प्रकारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविका के लिए;

अतः अब, उनत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत पश्चिनियम की मारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, वर्षात्।— (1) श्री कैलाश रूप राय पुत श्री केदार रूप राय,
 बी० रोड़, सरदारपुरा,
 जोधपुर ।

(म्रन्तरक)

(1) श्री चन्द्र प्रकाश व रमें श कुमार पुतान श्री ग्रमर चन्द घोषानी रोड़, जो अपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपहरं प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्डीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनत अधि-नियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

कार्नर प्लाट नं० 121 से 124 फर्स्ट बी० रोड़, सरदारपुरा जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 735, दिनांक 11-4-80 परपंजीबद्ध विक्रय पत में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जयपुर

दिनांक : 2 ग्रगस्त 1980

प्ररूप आई• टी• एन० एस•---

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 2 ग्रगस्त 1980

म्रादेश संख्या राज०/सहा० म्रा० म्रर्जन/— यतः, मुझे, एम०

एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्तिस जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिस की संज प्लाट नंज 121 से 124 है तथा जो जोधपुर में स्थित हैं, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दनांक 14-4-80 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुभे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापुर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान श्रीतफल से, ऐसे दृश्यमान श्रीतफल का बन्द्रह श्रीतशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कल निम्नतिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत उक्त अधि-नियम अ अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

क्रा: अबं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, म⁵, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— (1) श्री कैलाण रूप राय पुत श्री केदार रूप राय, बी॰ रोड, सरदारपुरा, जोधपुर ।

(म्रन्तरक)

(2) श्रीमती बदामी देवी पत्नी हीरालाल, पी० 121, फर्स्ट बी० रोड, सरदारपुरा, जोधपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह तुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी बविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्षीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूचीं

कार्नर प्लाट नं० 121 से 124, फर्स्ट बी० रोड, सरदारपुरा, जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 737 दिनांक 14-4-80 द्वारा पंजीबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जयपुर

दिनांक: 2 ग्रगस्त 1980

प्रस्त प्राई०टी• एन० एस०.....

आयकर भिर्मितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रिधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, जमपुर

जयपुर, विनांक 2 प्रगस्त 1980

निर्देश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/र—यतः मुझे, एम० एस० चौहान,

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन समाम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से धिमक है

श्रीर जिसकी मं० मकान है तथा जो बीकानेर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बीकानेर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के, श्रिधीन, दिनांक 17-12-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्म से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त मधि-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रिष्टिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिष्टिनियम, या घन-कर प्रिष्टिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में मुनिधा के लिए;

भतः श्रबं, उक्तं प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण मैं, उक्तं प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों ग्रांचीत :---

- (1) श्री गोपालदास, चन्द्र मोहन पुत्रान श्री गोविन्द दास एवं श्रीमती ग्रमर देवी विधवा स्वर्गीय श्री गोविन्द दाम मून्दड़ा, बीकानेर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सहादरा देवी पत्नी श्री बुलाकीदास एवं श्रीमती रुकमिणि देवी पत्नी श्री दुर्गादःस झंवर, गंगा मार्ग, बीकानेर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा स्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्वष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो सकत प्रधिनियम के प्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

मकान जो मोहल्ला बगजियान, बीकानेर में स्थित है तथा उप पंज्यिक, बीकानेर द्वारा क्रम संख्या 1340 दिनांक 17-12-79 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जयपुर

दिनांक: 2 ग्रगस्त 1980

नोहर:

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०⊸-

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रायीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रजंन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 2 ध्रगस्त 1980

निर्देश सं० राज०/सहा० थ्रा० अर्जन—यतः मुझे, एम० एल० चौहान,

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-ह० से श्रधिक है

श्रीर जिमकी सं० फैक्ट्री है तथा जो किशनगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकरा अधिकारी के कार्यालय किशनगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 22-12-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारग है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पण्दह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त प्रधितियम के मधीन कर देने के भन्तरक के वाधित्य में कमो करते या उपने बंबते में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या म्रन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय म्राय-कर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रधिनियम, या धन-कर म्रधिनियम, या धन-कर म्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मृन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात :--

- (1) मैसर्प श्रोसवाल साईजिंग इण्डस्ट्रीज द्वारा इसके भागीदारश्री मोडूलाल श्रीमती प्रेम देवी, श्रीमती श्रीयादेवी, राजकुमार, श्रमरचन्द, निहालचन्द, धर्मीचन्द निवासी मदनगंज किणनगढ़, जिला श्रजमेर । (श्रन्तरक)
- (2) मैसर्भ गौरी गंकर साईजिंग इण्डस्ट्रीज द्वारा भागीदार प्रेमसुख, श्री बल्लभ, गौरीशंकर, महेशचन्द, मंतीयकुमार पुत्र रामेश्वर लाल बियाणी (जयपुर) द्वारा श्रानन्दनगर किशनगढ़, जिला श्रजमेर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भ्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कीई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजगत्न में प्रकागन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में
 हितबद्ध किमी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगें।

श्यक्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वही मर्थ होगा, जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्राजाद नगर, किशनगढ़ में स्थित एक फैक्ट्री जो उप पजियक, किशनगढ़ द्वारा कम संख्या 1133 दिनांक 2-8-80 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम०एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जय**पुर**

दिनांक: 2 भ्रगस्त 1980

प्ररूप आई • टी॰ एम॰ एस॰----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के अधीन सूचना भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 धगस्त 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/1688----मतः, मुझे, विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं:

श्रीर जिस की सं० मकान है, तथा जो ईदगाह हिल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीवकारी के कार्यालय, भीपाल में रिजस्ट्रीकरण श्रीवित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाँक 4/1/1980 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किश्वत नहीं (क्या गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबब, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के सुविधा के लिए; और√या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सविभा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम का भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्निविधित व्यक्तियों, अर्थात्:——
3—226GI/80

(1) श्री नन्द लाल ग्ररोरा पिता स्वर्गीय श्री करम चन्द जी, निवासी पंजाब नेशनल बैंक कलोनी भोपाल

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती प्रसन्ना यैंकची पत्नी मेजर एस० राम चन्द्रन द्वारा श्री थामस निवासी एम० श्राई० जी० कालोनी नं० 1 जमालपुरा, भोपाल (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्परित के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो 'ज़क्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

धनुसूची

पंजाब नेशनल बैंक कालोनी में प्लाट नं० 3 पर श्रध बना एक मंजिला मकान जो कि ईदगाह हिल भोपाल में स्थित है। खसरा नं० 16।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: ७ मगस्त 1980

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा 269-च(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 ग्रगस्त 1980

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/ श्रर्जन/भोपाल 80-81/1689— श्रतः, मुझे, विजय माथुर,

धायकर ध्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ध्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर जिस की मं० प्लाट है, तथा जो महेश नगर कालोनी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 17-12-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिष्ठक है श्रीर भन्तरक (अन्तरकों) भीर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अनिफल निम्निविधन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामे में स्विधा के लिए;

ब्रतः धव, उक्त धिविनयम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त धिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के धिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्णात्:—— (1) श्रीमती ब्रिज बाला चक्रवर्ती पति श्री गोकलेश चक्रवर्ती निवासी साउथ यशवंतजंग, इन्दौर

(मन्तरक)

(2) श्री हरीदास पिता श्री किशन चन्द जी मोहता 6, महेश नगर, इन्दौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिध-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रथं होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गथा है।

अनुसूची

2650 वर्ग फीट का प्लाट जो कि गली नं० 6, महेश नगर कालोनी में स्थित है।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, भोपाल

दिनांक : 7 भगस्त 1980

प्ररूप आई. टी. एन., एस.-----

अगयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक ७ घ्रगस्त 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल 80-81/1690— ग्रतः मुझे विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

प्रीर जिस को सं० प्लाट है, तथा जो साउथ तकीगंज में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रांकर्ती अधिकारों के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रांकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 21-12-79 को पूर्वोक्त संपत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तर्ण निस्तुत में वास्त्विक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क), अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त अधिक नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बुजुने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सृविभा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसुरण में, में, उक्त अधिमियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सुधीन, निम्नुलिखितु व्यक्तित्यों सुधृत्ः— (1) डा॰ श्रोमती सुषमा बांदा, पत्ना सुर्देणन कुमार बांदी निवासो 15/7 हाउथ तुकीगंज इंदौर

(म्रन्तरक)

(2) श्री केवल कृष्ण 2. श्री राजीय कुमार पिता श्री भगत राम जो निवासी 76 रानापुरा मेन रोड, इन्दीर

(ग्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सुम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारां स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र ने प्रकाशन की तारीय से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- सब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

3600 वर्गफुट का प्लाट नं० 52/5 जोकि माउथ (तुर्क,गज इन्दौर में स्थित है।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारः निरीक्षां सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन रेंज, भोषाल

दिनांक : 7 श्रगस्त 1980 मोहर:

प्ररूप आई • टी ॰ एन • एस • — -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 श्रगस्त 1980

निर्वेश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल, 80-81/1661— म्रतः, मुझे, विजय माथुर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिस की संव जमीन है, तथा जो लसूदिया गोरी नें स्थित हैं (श्रीर इससे इससे उपाबद्ध प्रनुसुनी में श्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रोकती श्रिधकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रोकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 4-12-1979 को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृभे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे खर्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से विध्व हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिख में वास्तिवक कप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत उक्त बहुध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और्./या
- (ख) ऐसी किसी आयुं या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में. में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जन्मीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— (1) श्री धूलजी पिता श्री धीसा लाल जी राजपूत निवासे लसूदिया मोरो इंदौर

(भ्रन्तरक)

(2) श्रो पुलक वर्धन लोहिया पिता श्री नारायण प्रसाव लोहिया नियासो ईस्ट इंडिया एजेंसा हमीर स्ट्रीट कलकत्ता

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथ्वित् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्थव्यकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहों अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया यथा हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि 1.25 एकड़ (54450 वर्गफुट) की लसूदिया भोरी में इंदौर देवाम मार्ग पर स्थित है। खसरा नं० 102/1 रकबा 1.25

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त श्रजैन रेंज, भोपाल

दिनांक: 7 ग्रगस्त 1980

प्ररूप वाहै . टी. एन्. एस. —

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जनक्षेत्र, भोपाल

भोगाल, दिनांक ७ घ्रगस्त 1980

निर्वेश सं० माई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल 80-81/1692— मतः मुझे विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो खजुरी बाजार में स्थित है (भीर इससे उपावक प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 6-12-79 को पर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मत्य से कम के स्थ्यमान

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितियत उच्चेश्य से उक्त अन्तरण निम्त में वास्तिक इस से कि शुतु नहीं किया ग्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की नावत उक्त निध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बच्चने में सुविधा के सिए; बौट्र/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिप्पाने में सूर्विधा के लिए;

वतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरए में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के स्थीन निकासिक क्षितियम विश्वास

- (1) श्रो सागर मल पिता द्वारका प्रसाद परस राम पुरिया निवासी खजुरो बाजार महात्मा गांधी मार्ग इंदौर (ग्रस्तरक)
- (2) श्रो बिज मोहन ग्रंप्रवाल पिता श्रो भोंदू राम ग्रंप्रवाल निवासी मकान नं० 419 खजुरो बाजार इन्दौर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति को वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सक³गे।

स्यव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ट अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यी

मकान नं 168 का ग्राउंड फ्लोर जो कि खजरी बाजार में स्थित है।

विजय कुमार सक्षम प्राधिकारी निरोक्षी सहायक भायकर भायुक्त सर्जन रेंज भोपाल

दिनांक: 7 मगस्त 1980

प्ररूप भाई• टी• एन० एस०---

घामकर नविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 प्रगस्त 1980

निर्देश सं० भ्राई० ए० सो०/ग्रजीन/भोपाल,8 0-8 1/1693----भ्रतः मुझे विजय मायुर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उना प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन नक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-व्यय ने घिषक है

धौर जिसकी सं क्ष्मकान एवं प्लाट है, तथा जो पूर्व कालोनी में स्थित है (श्रीर इससे उपबद्ध अनुसूचो सें और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-12-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के बृश्यमान अविफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य उसके दृश्यमान अविफल से, ऐसे दृश्यमान अविफल का पन्ता उसके दृश्यमान अविफल से, ऐसे दृश्यमान अविफल का पन्ता प्रतिकात अधिक है और मन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफत, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण जिल्ला में गस्तिक कप से कथित नहीं किया वया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के धन्तरक के शियत्व में कभी करने या उससे क्वने में सुविद्या के सिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी मार्य या किसी घन या अन्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या घन-मार घिषियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के किए।

अतः शव, उन्तं भौजिनियम की घारा 269-नं के घनुसरण में, में, उन्तं मिधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) असीन निम्मलिखित न्यन्तियों अर्थात्।— (1) श्रो रघुनाथ पिता श्रो कजजदो मलद्बे, निवासी पूर्व कालोनो इंदौर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री लोकमल पिता श्रो चांदी राम जो निवासी 42-बी प्रेम नगर कालोनो, इंबीर 2 श्री किशोर पिता श्री चांदी राम निवासी 42-बी प्रेमनगर कालोनो, इंदीर

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की घनिध, जो भी घनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, भी उक्त भिवित्यम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही भयें होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है

मनुसूची

ण्लाट नं 13 पर बने मकान का उत्तरी भाग जो कि दूबे कालोनी में स्थित है।

> विजय माथूर सक्षम प्राधिकारी | निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 7 ग्रगस्त 1980 मोहर: प्ररूप भाई० टो० एन० एस०-

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 ग्रगस्त 1980

निर्देश सं० म्राई० ए० सो०/म्रर्जन/भोपाल,8 0-8 1/1694— म्रतः मुझे विजय माथुर

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रूपए से मिधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट एवं मकान है, तथा जो दूबे कालोनों में स्थित है (श्रीर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय इंदौर में रिजस्ट्राकरण श्रधि-

नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधोन 4-12-76
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रम्तरकों) भौर
पन्द्रहिती (प्रम्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण लिखित में
वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब. उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुतरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रपति :-- (1) श्रो रघुनाथ पिता श्रो करोडो मल श्रा निवासी मकान नं 13 दबे कालोनी इंदौर

(भ्रन्तरक)

(2) श्रो किशोर पिता श्रो चांदो राम जा निवासी 42-वी प्रेम नगर, कालोना इंदौर ।

(भ्रन्तरितोः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारी ख से 30 दिन की श्रविध मो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों शीर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं धर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

प्लाट नं० 13 पर बने हुए मकान का दक्षिणी भाग जो कि दुबे कालोनो इंदौर में स्थित हैं।

> विजय मा**णूर** मक्षम प्राधिकारो निराक्षा महायक ग्रायकर ग्रा**युक्**त ग्रजैन रेंज भोपाल

दिनांक 7 मगस्त 1980 मोहर : प्ररूप माई॰ टी॰ एम॰ एस॰---

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर <mark>पायुक्त (निरीक्षण)</mark> श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 ग्रगस्त 1980

निर्देश सं॰ माई॰ ए॰ सी॰/म्रर्जन/भोपाल 8 0-8 1/1695----मतः मुझे विजय माथुर,

बायकर प्रितियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रकात 'छक्त प्रितियम' कहा बना है), की बारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मूस्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

भौर जिसको सं कृषि भूमि हैं, तथा जो लाल बाग रोज बुरहानपुर में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय बुरहानपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रिष्ठीन, 11-12-1679

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिये घन्डरित की वह है और मुझे यह विश्वाम करने का कार म है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत अधिक है और अन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के बिए तय पाया बबा प्रतिफल, निम्नलिखा उद्देश्य से उक्त धन्तरण सिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया प्रया है :--

- (क) अन्तरण सहुई किसो भाग को बाबत, उक्त विकित अम के प्रश्नोत कर देने के भन्तपक के वार्थित में कमी करने या उससे बचने में सुविका के बिए। बौर/वा
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी बन या अन्य धास्तियों को शिक्ष्में भारतीय बायकर धिवियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या धन-कर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बाया किया जाना चाहिए धा. छिपाने में सुविधा के सिए;

बता धन, उनत प्रधिनियम की बारा 269-म के प्रमुसरण में, में, उनत प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बादीन निजनतिब्बत व्यक्तिमों, अर्थात्:—

- (1) 1. श्री बिसन पिता श्री छगन
 - 2. धर्जुन पिता श्रो बिसन
 - 3. पंडित पिता श्री बिसन
 - 4. श्रो रामभाऊ पिता श्रो बिसन
 - 5. श्रा कांत्रों लाल पिता श्रो विमन
 - 6. गोपाल पिता श्रो बिसन

निवासी लाल बाग माल तहसील बुरहानपुर जिला पूर्व निमाण

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विजय ग्रह निर्माण सहकारी समिति मार्फत लालबाग, बुरहानपुर द्वारा श्री हरोश चन्द्र ग्रध्यक्ष,

(मन्तरिती)

को यह सुजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वन के सिए कार्ववाहियां करता हूं।

उपन तमाति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विम की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतप शक्त स्वावप सम्पत्ति में दितवस किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, बिधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्वब्दीकरणः ----इसमें प्रयुक्त नग्दां धीर पदों का, जो उनत प्रधिनियम, के प्रस्याय 20-क में परिभावित है. बड़ी अर्थ होगा, को उस अस्माय में दिया गया है

अनुसूची

कृषि भूमि नं० 23 की जो कि लाल बाग रोड बुरहानपुर जिला, पूर्व निर्माण में स्थित है।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज, भोपाल

विनोक 7 मगस्त 1980 मोहुर : प्ररूप आहे. टी. एन. एस.----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 7 ग्रगस्त 1980

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल, 80-81/1696--म्रतः मुझे, विजय माथुर,

मायकर अधिनियम, 1961 '(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कार्य है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिस की सं० मकान है, तथा जो इंदौर में स्थित है (श्रीर इससे उपबद्ध अनुसूर्वा में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 26-12-79

को पूर्वाकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से विधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तम वास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को सायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, धक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात्:——
4—226G1/80

(1) श्री के॰ राम प्रताप मिह पिता ठाकुर रामसिंह जी, राज, धाई॰ ए॰ एस॰ द्वारा श्री ठाकुर नारायण मिह जी, पिता ठाकुर रामसिंह जी, राज, रिटायर्ड रेबन्यू कमिश्नर 3/9 पलासिया इंदीर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राम चन्द्र पिता श्री मांगी लाल मिश्रा निवासी 16/1 न्यू पलासिया इन्दौर

(भन्तरिती),

को यह सूचना जारी करके पृवांक्स सम्पत्सि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किस्तित् में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मुर्थ होना जो उस मुख्याय में विया यया है।

ग्रनुसूची

मकान सम्पत्ति जो कि इंदौर में स्थित है।

विजय मासुर सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण श्रुजन रेंज, भोपाल

दिनांक: 7 ग्रागस्त 1980

प्ररूप आई०टी०एन०एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनक्षेत्र,भोपाल,

भोपाल, दिनांक 7 श्रगस्त 1980

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल,80-81/1697---श्रतः मुझे, विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000. - रु. से अधिक है

स्रीर जिस की मं० मकान है, तथा जो कुडेलेश्वर वार्ड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय खडेवा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 26-12-79

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित पें वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृतिथा के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—- (1) श्री रामप्रकाश पिता श्री गया प्रसाद निवासी कुडेलेण्यर वार्ड खंडेवा

(भ्रन्तरक)

- (2) 1^{*} श्री नारायण दास पिता श्री दरियानामल राजानी
 - 2. किणन चंद पिता श्री दरियानामल राजानी
 - 3. श्री मूरली घर पिता श्री दरियानामल राजानी
 - 4. श्री ऊधव दास पिता श्री दरियानामल राजानी निवासी कुंडेलेशवर वार्ड खंडेवा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्किरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिशाधित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

मकान जो कि प्लाट नं० 211 पर बना है एवं कुडेलेश्वर रोड खंडेवा मे स्थित हैं।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

विनांक: 7 ग्रगस्त 1980

अक्य बाईं- दी- एन- एस--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा **269-च (1) के** अधीन सूचना

भारत सरकार

भाषां लघ, सहायक स्त्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजंन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 प्रगस्त 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/ भोपाल 80-81/1698— ग्रतः मुझे विजय माथुर

श्रायकर श्रीव्रतियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रवितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/-रुपय से श्रीधक है

मीर जिस की सं० कृषि भूमि है, तथा जो खंडवा जावार रोड़ खंडवा में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खंडवा में रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-12-79 को पूर्वोंक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रतिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, 'असके दृश्यमान प्रतिक्त से, ऐसे वृश्यमान प्रतिक्त के प्रसिक्त प्रतिक्त से प्रतिक्त से प्रतिक्त से प्रतिक्त से प्रतिक्त के विष् तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त- किक स्था से कावत नहीं किया मया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त मधि-नियम के अजीन कर देने के खन्तरक के वायिश्य में कमी करने या उससे बचने में मुविमा के लिए; भौर/या
- (आ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अखिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मया था या किया जाना चाहिए या, खिभाने में सुविधा के लिए;

प्रत: बब, उन्त प्रांधनियम की बारा 269-ग के प्रमुखरन में, में, उन्त प्रांधनियम की धारा 269-म की उपधारा -{1} के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रजीत:---

- (1) भी महेश चंद्र पिता कुंजी लाल कानूनगो
 - 2. राजन कुमार
 - 3. श्री ग्ररुन कुमार पिता श्री महेण चंद्र निवासी जवाहरगंज रामेश्वर रोड खंडवा

(ग्रन्तरक)

- (2) म्रादर्श परिवार ग्रह निर्माण सहकारी समिति मेरियादित खंडवा द्वारा
 - 1. श्री किशोरी लाल पिता कालू राम वर्मा ग्रध्यक्ष
 - 2. श्री देवेन्द्र सिंह पिता गुलाब सिंह तोमर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत संपत्ति के धर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के छार्जन के संबंध में कोई भी धाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशत की तारीख़ से 45 दिन की भविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचता की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ता करी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्तीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पदों का, जो सकत भिवित्यम के भव्याय 20-क में परिभावित हैं. वहीं भयं होगा को उस भव्याय में विया गया है।

अनुसूची

92250 वर्गफुट की खसरा नं० 44/2 की कृषि भृमि खंडवा जावार रोड़ खंडवा में

विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 7 ग्रगस्त 1980

प्रकप आई० डी० एन० एस०------

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 म (1) के सधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्णन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 प्रगस्त 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल 80-81/1699—-ग्रतः, मुझे, विजय माथुर, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), जी धारा 269-ख के श्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने

269-खं के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रुपमें से प्रधिक है ग्रौर जिस की सं० मकान है, तथा जो सतना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्योलय, सतना में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन 27-12-1979 की

पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पण्डाह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के बिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी मान की बाबत उन्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अध्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिश्रिनियम 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धनकर मिश्रिमयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उन्त अधिनियम की बारा 269 में जनु-तरण में, में, उन्त श्रीविषयम की धारा 269 में की उपधारा (1) के बधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात्:—

- (1) श्री सुन्दर लाल पिता भोला दीन भग्नवाल 2. श्री बैज नाथ पिता सुन्दर लाल भग्नवाल 3. डा० हरी भग्नवाल पिता सुन्दर भग्नवाल 4. श्री घनश्यामदास पिता श्री सुन्दर भग्नवाल 5. भ्रष्टन पिता श्री सुन्दर लाल 6. भ्राजन पिता श्री गया प्रसाद भग्नवाल जीवन दास पिता श्री गया प्रसाद भग्नवाल सभी निवासी बागोद हाल सतना (भ्रन्सरक)
- (2) श्री खोम चन्द पिता श्री चेतमल सभी निवासी सतना द्वारा मैं तोता मल बुदा मल क्लाथ मर्चेंट चौक बाजार संतना

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियी करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाकोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी अबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त क्यांकर सम्पत्ति में दितंबद्ध किसी प्रस्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिशक्तरण:--इसमें प्रयुक्त कन्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के ग्रम्थाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

मकान नं० 519/1 का भाग, बार्ड नं० 15 में जो कि मेन मार्किट सतना में स्थित है।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 12 श्रगस्त 1980

प्ररूप बाई॰ डी॰ एन॰ एस॰----

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की भारा 289-म (1) के मंग्रीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 12 ग्रगस्त 198 0

निर्देश सं० श्राई० ए० मी० /म्रर्जन/भोपाल/8 0-81/1700---म्रतः मुझे, विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के धवीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का बारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रु० से धिक है

श्रौर जिसकी सं मकान है तथा जो सतना में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सतना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 21-12-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (अक्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से खन्त धनारन लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसो साम की बाबत सकत अधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के सम्बरक के वासिस्व में कमी करने या उससे बचने के बुविका के सिए। सीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ शस्त्रीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

वतः अन, उन्त बधिनियम की द्वारा 269-ग के सनु-सरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपवारा (1) के अधीन, निम्निधिकात व्यक्तियों, वर्षात्।—

- (1) 1 श्री मुन्दर लाल पिता भोलादीन ग्राग्रवाल
 - 2. श्री बैजनाथ पिता सुन्दर लाल प्रप्रवाल
 - 3. डा० हरी पिता सुन्दर लाल भ्राग्रवाल
 - श्री घनश्याम दास सुन्दर पिता लाल प्रग्रवास
 - श्री अरूण कुमार पिता मुन्दर लाल अग्रवाल
 - 6 श्री प्रार्जन दास पिता गया प्रसाद श्रप्रधाल
 - 7. श्री जीवन दास पिता गया प्रसाद श्रमवाल

समी निवासी नागोद हाल चौक बाजार **स**तना ।

(भ्रन्तरक) बनानी निवासी

(2) श्री गोगन दास पिता छोत् मल सबनानी निवासी सतना द्वारा मैं तोताराम बूदामल क्लाथ भर्चेन्ट चौक बाजार, सतना ।

(श्रन्तरिती)

को यह त्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाधियां करता हुं !

उस्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी पाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की श्रवधि, को भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य क्यन्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिकार में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण !--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर वदों का, जो उक्त अधिनियम के शब्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस शब्याय में दिया गया है!

अनुसूची

मकान नं० 519/1 का भाग वार्ड नं० 15 में, जो कि मेन मार्किट, सतना में स्थित है।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण भ्रजन रेंज, भोपाल

दिनांक : 12 ग्रगस्त 1980

मोहरः

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

ब्रायकर श्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोषाल

भोपाल, दिनांक 12 प्रगस्त 1980

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रिधक है

भ्रौर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो चांटा पारा में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता म्रिधिकारी के कार्यालय, बिलासपुर में रजिस्ट्रीकरण म्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रिधीन 11-1-1980

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐते दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिष्ठ-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिक में कमी करने या उससे चचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर श्रधिनियम या धनकर श्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या खिपाने में सुविधा के लिए;

त्रतः शव, उनत श्रधिनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में; मैं उनत श्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री वया नन्द वर्मा पिता स्वर्गीय श्री देवी प्रसाद वर्मा एडवोकेट चांटा पारा बिलास पुर ।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री आरिवल प्रताप सिंह पिता श्री बलराम सिंह निवासी चांपपारा विलासपुर।
 - 2. बिपेन्द्र सिंह पिता श्री मनोहर सिंह निवासी तिल-सरा बिलासपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्यक्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वष्टीकरणः → -इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही सर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शीट नं० 9, प्लाट नं० 14/1, एरिया 3391 वर्गफुट श्रीर प्लाट नं० 14/12 एरिया 5609 वर्गफुट (कुल एरिया 9000 वर्गफुट) जो कि चांटा पारा में बिलासपुर मुंगेली रोड, बिलासपुर में स्थित हैं।

विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ब्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 12 श्रगस्त 1980

प्रह्म आई० टो० एन० एस०----

भायकर भ्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 श्रगस्त 1980

निर्देण मं० श्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/भोपाल 80-81/1702— श्रतः मुझे, विजय माथुर,

भायकर मिलियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त मिलियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मृ्ख्य 25,000/-रुपए से मिलिक है

स्रोर जिसकी मं० मकान है, तथा जो गांधी वार्ड में स्थित है (स्रौर इससे उपाबढ़ स्रनुमूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता स्रधिकारी के कार्यालय नरसिंहपुर में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 6-12-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
पिषक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रीर प्रन्तरितों (अन्तरितयों)
के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्श्य से उक्त प्रन्तरण विखित में वास्तविक इप में कथित नहीं
किया गया है:—

- (क) बन्दरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को जिम्हें भारतीय भाषकर अग्निनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अग्निनियम, या धन-कर अग्निनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाका चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के किए;

क्षतः वक्त जक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-सक्य में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की छपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित क्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री ईश्वर सिंह पिता संरक्षार गोविन्द सिंह निवासी बैतूल।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पूर्णा प्रसाद पिता माक् लाल जी नीमा निवासी कंदेली तहसील जिला नर्रासहपुर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबढ़. किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गम्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथं होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुसूची

मकान जो कि गांधी वार्ड नरसिंहपुर में स्थित है।

विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ,ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 12 श्रगस्त 1980 मोहर : प्ररूप नाइं. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 ग्रगस्त 1980

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/म्रार्जन/भोपाल 80-81/1703— श्रतः, मुझे विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निरवास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिस की सं० मकान है तथा जो नई श्राबाधी में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री-कत्ती श्रधिकारी के कार्यालय, मंदसौर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 18-1-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फा निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, म¹, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुस्तिखत् व्युक्तियों सुभृतिः— (1) श्री रामगोपाल पिता मिश्रीलाल भ्रम्रवाल नई श्रावादी, मंदसीर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री लीला राम पिता श्री सेवा राम बबानी (शंकर स्टोर्स) मंदसौर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त धब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनूत्वी

मकान जो कि दूत मंदिर के नजदीक गली नं० 1 नई श्राबादी मंदसौर में स्थित हैं।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त, (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, भोपाल

विनोक: 12 भ्रगस्त 1980

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) . श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 ग्रगस्त 1980

निर्देश सं० म्राई० एस० सी०/म्रर्जन/भोपाल 80-81/1704---म्रतः मुमे, विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास अरने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- फ़ा. से अधिक है

भीर जिस की सं० मकान है, तथा जो जमना लाल मार्किट सराफा बाजार लश्कर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूची में श्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय; खालियर रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25-1-80

को पूर्वाकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कम निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों अर्थातः——
5—226GI/80

(1) श्री किशन लाल पिता श्री गनपत लाल जोहरी निवासी सराफा बाजार, ग्वालियर

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती दर्शन रानी चावला पत्नी श्री बाबू राम जी चावला निवासी विवेकानन्द कालोनी फालके की गोठ लक्कर खालियर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्हा सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उपव अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विजा गया है।

अनुसूची

ग्राउंड फ्लोर की दुकान (दुकान नं० बी-1) जो कि जमना लाल मार्किट सराफा बाजार लक्ष्कर में स्थित हैं।

> विजय माधुर सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुवत ग्रर्जन रेंज, भोपास

दिनांक : 12 श्रगस्त 1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

भायकर ग्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्राघीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज I बम्बई

बम्बई, 8 श्रगस्त 1980

निर्वेण सं० ए० ग्रार० I/4369/10/फेंब० 1980 मतर मुझे ए० एच० तेजा हु सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें ध्राके परवान् 'उक्न ग्रिशिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिशीन सभाम प्राधिकारी की, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका हिनत बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से ग्रिधिक है ग्रीर जिस की सं० सी० एस० नं० 1409 है तथा जो लेग्न्यर परेल डिविजन में स्थित है (ग्रीर इमसे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, बावई में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, 12-2-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृण्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पांग गया प्रतिफल, निम्नलिखित चहेंग्य मे उचन अन्तरण निखित में वास्तिविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:—

- (क) घन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत उक्त घ्रधि-नियम के अधीन कर देने के ब्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसपे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें श्रायकर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

मतः, भव, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के धनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के धारीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्री रमेश एन० ठक्कर, राधा बाई एम० ठक्कर (भ्रन्तरक)
- (2) श्रंजली हैंपी जीवन को० हा० सो० लि० (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पर्ध्वोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, को उक्त शिक्ष-तियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

जैसा कि विलेख नं० 1163/76/बम्बई उपरिजस्ट्रार ग्राधि-कारी द्वारा दिनांक 12-2-80 को रिजस्टिई किया गया है।

> ए० एच० तेजाले सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1 बम्बई

दिनांक : 8 ग्रगस्त 1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रार्जन रेंज II एच० बलाक, विकास भवन भ्राई० पी० स्टेट नई दिल्ली

नई दिली 20 श्रगस्त 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/11/एस० ग्रार०-1/12-79/6023—ग्रतः मुझे कं० ग्रार० के० चाहल भायकर ग्राधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्राधिक है ग्रीर जिस की सं० 16 ब्लाक नं० 2 ईस्ट पटेल नगर नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में पूर्व रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रिष्ठिक है ग्रौर ग्रन्तरक (श्रन्तरकों) और श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के धंधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती ब्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः, ग्रब, उक्तं ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के धाधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) शांति प्रताप राय पुत्नी श्री प्रताप राय संत सिंह निवासी 2/16 ईस्ट पटेल नगर नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री स० ग्रतर सिंह पुत्र भगवान सिंह, श्रीमती मोहिन्त्र कौर पत्नी श्रत्तर सिंह वरयाम सिंह, श्रमरजीत सिंह ग्रीर हरपाल सिंह पुत्र श्री ग्रतर सिंह निवासी 45/3 ईस्ट पटेल नगर नई दिल्ली

(भ्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्र**जंन के** लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीत से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण :---इपमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो खकत अधि नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है ही ग्रथं होगा, जो उस अध्याय में दिया गथा है।

अनुसूची

एक दो मंजिला मकान नं० 16 ब्लाक नं० 2-ई ईस्ट पटेल नगर नई दिल्ली में स्थित हैं जिस का क्षेत्र 800 वर्ग गज हैं। जोिक निम्न लिखित प्रकार से घरा हुआ है।

उत्तर: रोड़

दक्षिण: मकान नं० 2-ई/15

पूर्व : रोड

पश्चिम : सर्विस लेन

ग्नार० के चाहल सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II दिल्ली, नई दिल्ली 110002

दिनांक 20 श्रगस्त 1980 मोहर: प्ररूप गाई० टी० एन० एस०---

मायकर म्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-II, एफ ब्लाक, विकास भवन, आई०पी० एस्टेट नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 20 अगस्त 1980

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/II-एस०आर०I-/12-79/6020—अतः मुझे, कु० आर० के० चहल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० डी०-14-ए/13 है तथा जो माडल टाउन विल्ली में स्थित हैं (ग्रेंर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्टीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथानुवीं नेत सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिज्ञत से अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरित (अन्तरितयों) के धीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (का) अप्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रधिनियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत:——

- (1) श्री देवी दयाल ढींगरा पुक्ष श्री राम नारायण ढींगरा निवासी वर्तमान फरीदाबाद (हरयाणा) (भ्रन्तरक)
- (2) श्री गोविन्द लाल ग्ररनेजा, कृष्ण सास ग्ररनेजा श्रीर मोहिन्दर नाथ ग्ररनेजा सी-2/24 माजल टाउन दिल्ली। (ग्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भ्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंतवढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम', के ग्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक मंजिल मकान जो कि (प्लाट न० 13 ब्लाक डी 14-ए माइल टाउन दिल्ली कालोनी जो कि किंग्सवे केम्प में स्थित है। जिस का क्षेत्रफल 474.75 वर्ग गज है।

> कु० श्रार० के० चहल सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II; दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 20-8-1980

प्ररूप आई टी. एन. एस.----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- पृ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज भोपाल

भोपाल विनांक 7 अगस्त 1980

निर्देश सं ० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस०प्रार०-I/12 79/6026—प्रतः मुझे, कु० प्रार० के० पहल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० जी०/81 है तथा जो वाली नगर दिल्ली स्थित है (मौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में मौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्टीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख दिसम्भर, 1979

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके प्रयमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिबे; और/या
- (क) ऐसी किसी आय् या किसी धम या अन्य आस्सियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियमं, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अधृति:——

- (1) श्रीमती विद्याबती धर्मपडिन कप्टन एस० टी०णर्मी 57 पश्चिम पुरी एक्सटेंशन, नई दिल्ली। (मन्तरक)
- (2) मनोहर लाल भाटिया पुत्र श्री श्रमर नाथ भाटिया जी०-81 वाली नगर, नई दिल्ली (श्रन्तरिसी)

को **वह सूच**ना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लि**ड्** कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षे^ऱ

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बची बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितें बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्यव्हीकरणः -- इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, वो उन्सर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याव में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान नं० जी०-81 वाली नगर, गांव के इलाके बसई वारापुर दिल्ली स्टेट दिल्ली में स्थित हैं।

> कु० ध्रार० के० चहल सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II दिल्ली,

तारीख: 20-8-1980

प्रकृष भाई। टी० एन० एस०-----

भावकर ग्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्राघीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-II, एच ब्लाक, विकास भवन, आई०पी० एस्टेट नई दिल्ली

नई विल्ली-110002, विनांक 20 अगस्त 1980

भौर जिसकी सं 26/19-20 है तथा जो बैस्ट पटेल नगर नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपायद अनुसूची में पूर्ण कप हे विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-12-1979

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्ष्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है घौर मुझे यह विक्ष्यास करने का कारण है कि या पूर्वोक्त सम्मित का धिवत बाजार मूल्य, उसके वृक्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्ष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से धिवक है घौर अन्तरक (अन्तरकों) घौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित चहेक्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भवि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी खाय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धनकर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थं भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

श्रतः, श्रवः, उत्ततं श्रविनियमं की धारा 269-गं के अनु-सरण में, में, उत्ततं श्रविनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत्: →- (1) श्री बिहारी लाल पुत्र श्री वजीर भन्द 26/19-20 वैंस्ट पटेल नगर नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री स्रोम प्रकाश साहनी पुत्र श्री सरब दयाल सौर श्रीमती राम प्यारी साहनी धर्मपत्नी सरब दयाल निवासी 281 स्रावाद मार्किट दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिनाध किमी अन्य ध्यक्ति ज्ञारा, अधोत्स्ताक्षरी के पान लिखित म किय जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: --इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाधित है, वही अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसूची

एक मकान जो कि 2½ मंजिला जिसका नं० 26/19-20-वैंस्ट पटेल नगर नई दिल्ली में स्थित है; जो कि निम्न-सिखित प्रकार से घरा हुआ है।

उत्तर: रोड़ दक्षिण: गली पूर्व: गली

पश्चिम: मकान नं० 26/21

कु० घार० के० चहल, सक्षम ग्रिधकारी, सहायक घायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-II, नई विल्ली-110002.

तारीख: 20-8-80

प्रका ब्राई० टी० एन० एस०----

भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II एच ब्लाक, विकास भवन, आई०पी० स्टेट नई दिल्ली

नई दिल्ली तारीख 20 अगस्त 1980

निर्देप्रण० आई० ए० सी०/एकपू०-II/एस० आर०-II/12-79/3022—अतः मुझे, कु० आर० के० चाहल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्भत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० कोठी नं०-I है तथा जो रोड़ नं० 61 पजांबी बाग, नई दिल्ली गांव मावी पुर दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख

दिसम्बर, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य ते अन्त के वृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे क्ष्र विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिल उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है।—

- (क) झम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रिक्त नियम, के भंधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः, सब, उक्त सिंबनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपवारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयोत्।-- (1) श्री दर्शन सिंह पृत श्री रेखा सिंह निवासी कोडी नं व रोड नं व 61, पंजाबी बाग मई दिल्की सिंह है। (अन्तरक)

(2) श्री बलदेव राज, हरीश चन्द पुत्र श्री मोहन लाल मेहरा जे०-123, राजोरी गार्केन, नई विस्ली। (धन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के संजीत के जिए कार्यवाहियां मुक्त करता हूं।

जनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप ५---

- (म) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीब से 48 दिन की भवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की बामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद व समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति ग्रारा;
- (बा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीज से 4.8 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवढ़ किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, महोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्वक्तिकरण: -- इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पर्दों ना, जो सक्त विक नियम के घड़याय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्म होगा, जो उस घड़याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक कोठी नं I रोड़ नं 0 61 पंजाबी बाग, नई विल्ली मादीपुर दिल्ली में स्थित है जिसका सेन्नफल 662.78 वर्ग गज है।

> कु॰ झार॰ के॰ वाह्य सक्षम प्रधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रज-II, नई दिल्ली 110002

तारीख: 20-8-1980

प्ररूप बाई० टी० एन० एस०---

भौषेकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

्रकार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-II एच० ब्लाक विकास भवन आई०पी० स्टेट नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 अगस्त 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस० ग्रार०-I/12-79/6086---श्रतः म्झे, कु० ग्रार० के० चहल म्नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्चात् 'जनत प्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के पंधीन पक्षम गाधिकारी को, पह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-**४०** से मधिक है **भौ**र जिसकी सं० 15/4 है तथा जो नजफगढ़ रोड़ इंडस्ट्रीयल एरिया दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख दिसम्बर, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करुके का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार सूक्ता, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त मिध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या

(भन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-चन निम्ननिखित उद्देश्य ने उसा ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक

क्य से कवित नहीं किया गया है:--

्षा) ऐसी हिन्नी प्राप्त गा कियो घत या ग्रंग्य प्रास्तियों कों, जिन्हें पीरतीय प्राप्त कर ग्रंघिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धन-कर ग्रंघिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविक्षा के लिए;

भतः भव, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में,में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीतः :---

- (1) श्री जगन्नाथ खुल्लर पुत्र श्री दौलत राम खुल्लर निवासी बी०-146 (डी० एस०) रमेश नगर नई विल्ली जनरल पावर एटार्नी श्री मुकेश कुमार दिलाबरी (श्रन्सरक)
- (2) मैसर्स दिहाती इंजीनियरिंग वक्स 15 नजफगढ़ रोड़ नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

डन्त सम्पति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पास्रेप :---

- (क) इ.त सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 48 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति ब्रारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की कारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दित-बग्र किसी प्रम्थ व्यक्ति द्वारा प्रधोहक्ताक्षरी के पाम जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटित स्पा :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो समह प्रधिनियम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्य होगा जो उस अध्याय में विषा गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 15/4 नजफगढ़ रोड़ इन्डस्ट्रीयल एरिया विल्ली में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल 584 वर्ग गण है।

> कु० भ्रार० के० चाहल सक्षम अधिकारी सहायक भ्रायकर-भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-II नई दिल्ली 110002

तारीख: 20-8-80

प्ररूप भाई० टी० एन∙ एस०--

आपकर विधितिय म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के घषीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर घायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II एच बलाक विकास भवन आई०पी० स्टेट दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 19 अगस्त 1980

निदेश सं ० ग्राई० ए० सी० /एक्यू०/II/एस० ग्रार०-II/12-79/3028—म्प्रतः मुझे, कु० म्रार० के० घहल आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त प्रक्षिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सकाम ब्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से अधिक है भौर जिसकी सं० 2 है तथा जो रोड़ नं० 22 कलास-सी पंजाबी बाग गांव सक्रपुर दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधि-कारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के युश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की नई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मुस्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और मन्तरक (पन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फंस निम्नसिचित उद्देश्य से उस्त अन्तरण सिचित में बास्तिसिक रूप से कवितानहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाव ी विष्ठ, चवत अधि-नियम, के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे वचने में सुविका के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना जाडिए वा, खिपाने में सुविधा के लिए;

वतः, अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, एवत अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) राफूजी कोझोपरेटिव ड्रौसिंग सोसाइटी लिमिटेड साधु राम सैंक्षेटरी के द्वारा रोहतक रोड नई दिल्ली (भ्रन्तरक)
- (2) श्री बी० के० नारंग पुत्र श्री जे० सी० नारंग श्रीर विपन राय भायना पुत्र श्री पी० सी० भायना निवासी ए०-27 न्यू कृष्णा पार्क तिलक नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इ.स. सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविन्न या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविन्न, जो भी प्रविध्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा श्रक्षोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रीधनियम के श्रष्टयाय 20-क में यथा परिभाषित हैं. वही श्रर्य होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया हैं।

अनुसूची

एक प्लाट नं० 2 रोड़ नं० 22 कलास-सी पंजाबी बाग गांव सक्रपूर नई दिल्ली में स्थित है।

> कु० भ्रार० के० चहल सक्षम श्रघिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली,

तारीख: 19-8-1980

नई दिल्ली-110002

प्रकप धाई • टी • एन • एस •----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काय निय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीखण) धर्जन रेंज-II एच बलाक विकास भवन आई०पी० स्टेट दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अगस्त 1980

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-III/ए० आर०-I/12-79/6055—अतः मुझे, कु० आर० के० चहल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त पधि नियम' कहा गया है), की आरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधि कारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मूख्य 25,000/- व० से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या 3507-9, है तथा जो रसीद मंजिल नकलसन रोड मोरी गेट दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझं यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत पश्चिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्य पाया बया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रकारण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया बया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के ध्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अकने में सुविधा के लिए, और/या
- (ब) ऐसी किसी आब या किसी अन वा भ्रम्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, वा धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व थन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए वा, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, एक्त प्रकितियम की धारा 268-व के अनुसरण में, में, उक्त प्रधितियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. प्रचांत्:—

- (1) श्रीमती जगदीण रानी धर्मपत्नी श्री मुंगीराम निवासी 3077 मोहम्मद श्रली बाजार मोरी गेट, दिल्ली (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती चन्द्र मल्होत्रा धर्मपत्नि श्री जे० एन० मल्होत्रा निवासी 3584 राम बाजार मोरी गेट दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कौई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की घवधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी
 घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूबना के राजाल में प्रकाशः की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब किमी प्रश्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छोत्तरण--इसर्में प्रयुक्त शक्ष्मों और पदौक्षा, को जनत अधिनियम के घड़याय 20-क में परिभाधित हैं, बही सर्य होना को उप प्रध्याय में दिशा नया हैं।

अनुसूची

जायदाद बिहरिंग म्यूनिसिपल नं० 3507-8 रसीद मंजिल निकलसन रोड़, मोरी गेट, दिल्ली में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 360 वर्गगज है।

> मु० झार० के० चहन, सक्षम प्रधिकारी सहायक झायकर झायुन्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीखाः 19-8-80

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीकण) मर्जन रेंज-II, दिल्ली

दिरुली, दिनांक 19-8-1980

निर्देशसं ० ग्राई० ए० सी०/ए ०/ /एस० ग्रार० I/
12-79/6012—श्रतः मुझे, कु० ग्रार० के० चहल,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'जक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- र० से
अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जे०-179 हैं तथा जो राजौरी गार्डन में दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है धोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिकत से अधिक है और घन्तरक (अन्तरकों) और घन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से क्यित नहीं किया गया है:—-

- (क) भन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त भ्रष्टि-नियम के भ्रष्टीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/ग्रा
- (का) ऐंसी किसी भाय था किसी घन या भन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या घन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

मत: मब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत:---

- (1) श्री एस० हर दयाल सिंह बिनन्दरा पुन्न स्वर्गीय श्री एस० गोकल सिंह श्रीर एस० हरबंस सिंह ग्रलग पुत्र श्री जोध सिंह अलग निवासी जे०-177 राजौरी गार्डन नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री रिबन्दर चड्ढा निवासी जे०-48 राजौरी गार्डन नई दिल्ली (2) श्री मनजीत सिंह व (3) थीविन्दर सिंह निवासी ए०-43 विशाल इन्कलेव नई दिल्ली (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्रोप !--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी वा से 45 विन की धवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी थ्यक्ति डारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा निकेंगे।

स्पन्तीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी अबं होगा, जो इस मध्याय में वियागया है।

अनुसूची

एक प्लाट नं० जे०-179 राजौरी गार्डन गांव के इलाके वसई दारापुर दिल्ली स्टेट दिल्ली में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल 289 वर्गगज है।

> कु० भ्रार० के० चहल सक्षम श्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली

तारीख: 19-8-80

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-II, विल्ली दिल्ली, दिनांक 19-8-1980

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उिषत बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

6 और जिसकी पंख्या 52 है तथा जो रोड नं० 2 पर कलस-सी पंजाबी बाग गांव सक्रपुर दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-करण प्रधिनिय, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अन , उन्त अधिनियम , की धारा 269-ग के अनुसरण में , मा, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्थित व्यक्तियों अधितः—

- (1) राफूजी कोधापरेटिव हार्जीसंग सोसाइटी लिमिटेड रोहतक रोड, नई दिल्ली श्री साधू राम सैकेटरी के द्वारा (श्रन्तरक)
- (2) श्री चरणजीत कुमार पुत्र श्री ज्ञान चन्द, ग्रशोक शर्मा पुत्र श्री ग्रजब नाथ शर्मा 16/78 पंजाबी बाग नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनन अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

एक प्लाट नं० 52 रोड नं० 2 क्लास-सी पंजाबी बाग गांव सकूरपुर दिल्ली में स्थित है।

> कु० झार० के० चहल सक्षम श्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली

तारीख: 19-8-80

प्रकप माईं० टी• एम• एस•⊸-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भंधीत सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षक)

श्चर्जन रेंज-II, दिल्ली दिल्ली दिनांक 20-8-80

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० ग्रार०-II/12-79/3007/ग्रत:—मुझे, कु० ग्रार० के० चहल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रश्नीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका खिलत बाजार मूल्य 25,000/-र• मे अधिक है

भीर जिसकी संख्या 10 एफ० है तथा भगवानदास नगर गांव सकूरपुर दिल्ली स्टेट दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यबापूर्योक्त सम्पत्ति का छचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर अम्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (प्रम्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से खबत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है !--

- (क) प्रस्तरण में हुई किसी घाय की बाबत उन्त विक्रित नियम के प्रधीन कर देने के घरतरक के दायित्व में क्रिया करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; और,या
- (ख) ऐसी किसी प्राप या किसो बन या अध्य बास्तियाँ को, जिन्हें घायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, जिपाचे में सुविधा के लिए;

अतः अव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्रीमती निर्मला देवी धर्म/पत्नी श्री धार० एल० जैन निवासी 6 श्रणोका पार्क एक्सटेंणन नई दिल्ली (श्रन्तरक)
- (2) श्री जे० बी० सिंह, पुत्र श्री मार० के० सिंह निवासी गांव व पो० म्रो० सोनीथू जिला: फैजा-बाद, यू० पी० (भ्रन्सरिती)

को यह सूचना आरी अपरके पूर्वाक्त सम्पित के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की ध्यक्षि, जो भी धविधि
 बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इप सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उनत स्थावर संपत्ति में
 दितवद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी
 के पान लिखित में किए जा सहेंगे।

स्थव्ही हरण: --इसमें प्रयुक्त तम्बां पीर पदों का, जी उक्त प्रधिनियम के ध्रव्याय 20-क में परिमाषित है, वहीं पर्य होगा, जो उन्न अध्याय में विया भया है।

प्रनुसूची

एक मंजिल मकान नं० 10 ब्लाक एफ० कालोनी भगवान दास नगर गांव के इलाके सकूरपुर दिल्ली स्टेट दिल्ली में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल 334 वर्ग गज है।

> कु० झार० के० चहल सक्षम अधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-II, दिल्ली

तारीख: 20-8-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भीधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर तारीख 18-7-1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2159—यतः मुझे, बी० एस० दहिया,

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-स्पाए से भ्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो प्रेमगढ़ होणियारपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय होणियारपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से श्रिष्ठिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ शन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

द्यतः घन, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत:—

- (1) मेजर भ्राज्ञापाल सिंह , हरदेव सिंह उर्फ हरइन्द्र पाल सिंह मेहता एवं किशन देव सिंह पुत पुरदमन सिंह वासी ऋष्ण नगर होशियारपुर (अन्तरक)
- (2) मानवन्द पुत्र सीता राम पुत्र नीथल धासी सलह्मी पी० एस० हमीरपूर मापति ठाकर बसीर राम उर्फ मुन्शी राम म० नं० 182 गली नं० 11 कृष्णा नगर होशियारपुर (अन्तरिती)
- (3) जैसा के नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति (जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवदा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **धर्ज**न के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अनुसची

सम्पत्ति ग्रीर व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3515 दिनांक 1979 को रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी होशियारपुर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज, जालन्धर

तारीख: 18-7-1980

प्ररूप बाई • टी • एन • एस • →

शायकर श्रिवियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्घर

जालन्धर दिनांक 18 जुलाई 1980

निदेश सं ए० पी० नं० 2160---यतः मुझेबी० एस० दहिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसमें इसके परवात 'उका अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- ব৹ से अधिक है उचित बाजार मूल्य ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रसूतुची में लिखा है तथा जो चर्च रोड फिरोजपुर छावनी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध म्रन्सूची में म्रौर पृर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता म्रधि-कारी के कार्यालय, फिरोजपुर में रजिस्द्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख दिम्म्बर, 1979 को पूर्वीक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रातफल का पनद्रह प्रतिशत प्रधिक है घीर अन्तरक (प्रश्तरकों) और अन्तरिती (ग्रस्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिकित उद्देश्य से उन्त अन्तरम लिखित में वास्तविक क्र से कथित नहीं किया वया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबन उक्त धिवित्रम के सम्रीत कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: श्रोर/या
- (च) ऐसी किसी याय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उपल धिधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अध्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

सतः श्रव, उवत श्रधिनिवन की घारा 269 म के बनुसरण में, में, बवत अधिनियन, की घारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात:——

- (1) श्रीमती प्रेमप्यारी गुत्नी भापू राम विधवा राम किशन गली नं० 6, फिरोजपुर छावनी (भ्रन्तरक)
- (2) श्री रातिन्द्र सिंह पुत्र श्री मोहिन्दर सिंह समाने वागादी गेट फिरोजपुर शहर (भ्रन्सरती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रु रखता है (वह व्यक्ति जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर
 सूचना की सामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
 प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत
 क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खरे 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबग्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भधी ह्रस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्राच्छी करण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, वो जनत अधिनियम के मध्याय 20-क में परिकाणित है, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति श्रौर व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4441 दिनांक दिसम्बर, 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी फिरोजपुर में लिखा है।

> वी० एस० दहिया सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 18-7-1980

प्रका प्राई० डो० एन० एन०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 अगस्त 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2163—यतः मुझे, बी० एस० दिह्या धायकर ध्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ध्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ध्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-

रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जो शिव नगर जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख दिसम्बर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशान से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरक मे नुई किसो ग्राय की बावन, उक्न प्रिध-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, ग्रीर/या;
 - (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मन, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयीत्:—

- (1) श्री हंस राज वाली पुत्न दौलत राम रेलवे मकान टी०-164-सी० डी० एस० कालोनी जोधपुर (राजस्थान) (भ्रन्तरक)
- (2) मैं उर्स ग्लोब म्नाटो सैल्स कार्पोरेशन बी० वी० 612/2 शिव नगर जालन्घर

(ग्रन्मरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके प्रधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में घित्र रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी प्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पन्धोकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्राधे-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति ग्रौर व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6450 दिनांक दिसम्बर, 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्छर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्रधिकारी सहायक स्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 4-8-1980

प्रकृप भाई• टी• एन• एस•-----

भायकर मिनियम, 1961 (1961का 43) की छार। 269-भ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर भागृक्त (निरीक्षण) भार्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक ४ अगस्त 1980

निदेश सं० ए० पो० नं० 2164---यतः मुझे, बी० एस० दहिया षायकर धर्धनियम, 1961 (1961 季7 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त पश्चिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वार्क प्रधीन सक्षम प्राधिकारो को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक हैं श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो णिव नगर जालन्धर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, (1908 का 16) के के प्रधीन तारीख जनवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) घोर अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सें हुई किसी आय की बाबत, उनत बाधिनियम, के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायस्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य भास्तियों की. जिन्हें भारतीय भायकर पश्चिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर पश्चिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविका के आए;

आतः अब, उन्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त धिधनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के खधीन. नि निकित व्यक्तियों अर्थात् ।— 7—226GI/80

- (1) श्री हंस राज वाली पुत्र दौलत राम रेलवे मकान टी० 164 सी० डी० एस० कालोनी जोधपुर (राजस्थान) (श्रन्तरक)
- (2) मैसर्स ग्लोब म्राटो सेल्स कार्पोरेशन बी० बी० 612/2 शिव नगर जालन्धर

(श्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में हितबद्ध है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरीय जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारो सरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस भूजना के राजपत में प्रकाशन की तारी सं 45 विन की भविधिया तस्त्रकारी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भविधि, थो औं व्यवधि बांव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्ति में से किसी व्यक्ति हारा;
- (का) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की शारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवड़ किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेगें।

स्पडतीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त पश्चितियम के धड्याय 20-क में परिभावित हैं, वही धर्व होगा, को उस घड्याय में विया गया है।

धनुसूची

सम्पत्ति और जाबदाद जैसा कि विलेख नं० 7230 दिनांक जनवरी 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम ग्रिधिकारी (सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीख: 4-8-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०→--

ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर घायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जानन्धर दिशांक 4 अगस्त 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2165—यतः मुझे बी० एस० दहिया

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिधीन सजम प्रिधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- रुपण से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो चौक भगत सिंह जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1979 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐ। अन्तरित की लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित खईश्य से उक्त पन्तरण निजित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसो आय की बाबत उक्त अधि-नियन के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपप बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हें भारतीय आभकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अव उक्त अधिनियम को बारा 269म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 2699 की उपधारा (1) के अधीत; निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- (1) श्री ग्रमर नाथपुत्र जगन्नाथ वासी दुर्गपुरी, लुधियाना (ग्रन्सरक)
- (2) श्री लाल चन्द दर्शन लाल, धरम पाल प्रोप फाँम विलायती राम लाल चन्द चौक भगतिंसह जालन्धर (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति. जिसके श्रिधी-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील ने 30 दिन की श्रवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स. सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधीहरूनाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: →-इसमें प्रमुक्त णब्दों और पदों का जो जक्त ग्रधि-नियम के ग्रध्याय 20क में परिभाषित है वहीं ग्रम्बं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसुचा

सम्पत्ति श्रीर व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 64 27 दिनांक दिसम्बर, 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में **लिखा है**।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्रधिकारी (सहायक घ्रासकर ग्रायुक्त (निर्रक्षण) ग्रर्जन रोंज, जालन्धर

तारीख: 4-8-1980

भारत सरकार

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 ग्रगस्त 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2166:—यतः मुझे, बी० एस० दक्षिया,

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मिधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क्पाए में मिधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में विखा है तथा जो सूरा बस्ती अबोहर स्थित है (श्रीर इससे उपाबद में अनुसूची श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय, श्रबोहर में रिजस्ट्रोकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान, नारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह दिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल की गृश्यमान प्रतिफल का गृश्य प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (यन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐने प्रतरण के लिए न्य पास ग्याप्रतिकल, निम्नलिखन उद्देश्य से अक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत जक्त भिर्मित्यम के भ्रमीत कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए: भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम, या धन-कर भ्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रयट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यह: श्रम, उन्त भिधिनियम की श्रास 269-क में भनुबरण में, मैं, उन्त श्रिधिनियम की धारा 269-क नी उपमास (1) के अधीन निम्नलिखिट व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री राम लाल पुत्र लाल चन्द, श्रीमती जयदेवी विधवा लाल चन्द वासी सूरा बस्ती, ग्रबीहर।
 - (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जगदीश चन्द्र पुत्र बागी राम वासी मकान नं० 635 मीहल्ला कुम्बारा कृष्ण नगरी ग्रबोहर । (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है। (अह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ठोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयं होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

सम्पत्ति भ्रौर व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2063 दिनांक दिसम्बर, 1979 को रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी भ्रबोहर में लिखा है।

> बो० एस० दहिया, सक्षम ग्रधिकारो, (महायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरोक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारी**ख**ं: 5—8—1980।

प्रकप श्राई• टी॰ एन॰;एस०--

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रज्ञीन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 5 धगस्त, 1980

निदेश सं० ए० पा० नं० 2167:—यतः मुझे, बी० एस० वहिया,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो सूरा बस्ती श्रबोहर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्ष श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय श्रबोहर में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1608 (1608 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, खक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम; 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या फिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यातः— (1) श्री राम लाल पुत्र लाल चन्द श्रीमती जयदेवी विधवा लाल चन्द वासी भूरा बस्ती अबोहर ।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्रीमतो सृष्टि देवो पत्नी बाबू लाल वासी मकान नं० 635 मोहल्ला कुम्हरा कृष्ण नगरी, भ्रबोहर । (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके स्रधिभोग म सम्मत्ति है)।

(भ्रन्तरिती)

(4) जो व्यक्षि सम्पत्ति में रूचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के जिए कार्यवाहियां करला हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो जक्त श्रिधिनियम के श्रद्ध्याय-20क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति ग्रौर व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2064 दिनांक दिसम्बर, 1979 को रिजस्ट्रा कर्ता ग्रधिकारी श्रबोहर में लिखा है।

> बों० एम० दहिया, सक्षम श्रधिकारी, (सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीखा : 5-8-1980.

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

श्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 भ्रगस्त 1980

निदेश सं० ए० पो० नं० 2168:——यतः मुझे, बो० एस० दहिया.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिपका उचित काजार मूल्य 25,000/ क्षये से प्रधिक है

श्रीर जिसको सं० जैसा कि अनुसुची में लिखा है तथा जो गली हस्पताल वाली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, अबोहर में रजिस्ट्रोकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारोख दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी स्नाय की बाबत उक्त ऋधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या स्वससे बचने में सुविधा के लिए, सौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धनकर श्रधिनियम या धनकर श्रधिनियम या धनकर श्रधिनियम वा भ्रविका 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, सब, उक्त मिधिनियम की धारा 269-ग के भनुत्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्पक्तियों, मर्थातः— (1) श्रो मुंशो राम वालो गली डंगर हस्पताल वालो प्रबोहर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो कशमोरो लाल पुत्र फत्त चन्द वासी मकान नं० 6824 एम० सी० ए० गलो डंगर हस्पताल वालो, स्रबोहर:

(म्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पक्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के आर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्। सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीत से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

ह्पव्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का जो उक्त भवि-नियम के भ्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा, जो उस भ्रष्टवाय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 2040 दिसम्बर, 1979 को रजिस्ट्रे।कर्ता श्रधिकारों में लिखा है।

> बो० एस० दहिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज

तारीख: 5 मगस्त, 1980

प्रकप गाई • टो॰ एन • एस •----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 श्रगस्त 1680

निदेश सं० ए० पी० नं० 2169 :---यतः मुझे, बी० एस० दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्दत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रुपये से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूचा में लिखा है तथा जो गरेन मार्कीट श्रबोहर में स्थित हैं (श्रीर इसके उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रोगर्ता श्रधिकारों के कार्यालय, श्रबोहर में रजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, ताराख दिसम्बर, 1676

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिक्रल के लिए अन्तरित की गई है और मुझें यह विश्वाम करने का कारण है कि यमापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकृत के पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिकृत कि निन्तिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रीध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविद्या के लिए; गौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उन्त अधिनियम, की धार। 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत्।— (1) श्रामतो श्रेगूरी देवी विधवा पारवती राम वासी गली नं० 2 गली नं० 2 मन्डा श्रबोहर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रामना नरेणा देवा विधया इन्द्राभ मल पुत्र मोती गाम (ii) रिजन्द्र कुमार पुत्र राधे गाम बासो गली गं० 3 मण्डी श्रुबीहर ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं ० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता हो । (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रार्वत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:-

- (क) इस सूजना के तम्बन्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण:→-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उप स्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैना कि विलेख नं० 1982 दिसम्बर, को एजिन्द्राकर्ती ग्रधिकारी श्रबोहर में लिखा है।

> बो० एस० द हिया, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

न(र(ब : 5-8-1980.

प्रस्य आई० टी० एन० एस०---

श्रायकर प्रांधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 अगस्त 1980

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० में श्रिधिक है

स्रोर जिसकी सं जैसा कि स्रनुसूची में लिखा है तथा जो मण्डी सबोहर में स्थित है (श्रीर इसमें उपायद्ध स्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी के कार्यालय, स्रबोहर में रजिस्ट्रीकरण स्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोका सम्पत्तिका उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखन छश्हेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से तुई किनी आव की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या छससे वक्षणे में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर श्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ श्रन्तरिती ब्रारा प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त ग्रम्भिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों अर्घात् 1—

- (1) श्री बंसी लाल पुत्र मुलख राज वासी गली नं० 1 मण्डी श्र**बीह**र झाव 240 लाजपत नगर जालन्धर। (अन्तरक)
- (2) श्री लोकी नाथ पुत्र खुशीया राम वासी गली नं० 14-15 मण्डी श्रनोहर ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके धाधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में कृचि रखता हो।
 (यह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
 में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भ्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त समात्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकागन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस यूजना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबढ़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखन में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्धों और पर्धों का, ओ 'उक्त प्रधिनियम', के श्रष्टयाय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही श्रर्थं होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

श्रनुसुची

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

सम्मत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2147 दिसम्बर, 1979 की रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी श्रवीहर में लिखा है। बी० एस० दहिया, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त, (निरीक्षण),

तारीखा : 5-8-1980-

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का **43) की घारा** 269-घ (1) के **मधीन सूव**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जालन्धर

जलन्धर, दिनांक 5 श्रगस्त 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2171:——यतः मुझे, बी० एस० वहिया,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवन प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र॰ से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि भ्रनुसूची में लिखा है तथा जो गांव खीरीवाली कपूरथला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या घन्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयहर प्रधिनियम, 1922 (1922 हा 11) या उकत प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तियी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्मृतिधा के लिए;

ग्रतः श्रव, उन्त मधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (I) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अथीत्:— (1) श्री मंगल सिंह पुत्र भगत सिंह गांव खीरीवाली जिला कपूरथला।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गुरदेव कौर पत्नी सन्तोख सिंह गांव खीरी-वाली तहसील कपूरणला।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में स्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के **प्रजं**न के लिए कार्यवाहियां करेता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी भाषोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त शक्ष्यों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिक्षिनियम के प्रश्राय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस भध्याय में विया गया है।

ग्रनुसूचो

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैमा कि विलेख नं० 23414 फरवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी कपूरयला में लिखा है। बी० एस० दहिया, सक्षम अधिकारी, (सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 5-8-1980.

प्ररूप आईं० टी० एन० एस० ---

आयकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिसांक 5 ग्रगस्त 1980

निदेश मं० ए० पी० नं० 2172:---यनः मुझे, बी० एम० दहिया,

अप्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कपूरथला में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत सम्पति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कांगित्व में कभी करने या उससे अधने में सृविधा का लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सियधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिसित व्यक्तियाँ अर्थातः ——
8—226GI/80

- (1) श्री हरनाम सिंह पुत्र खुणाल सिंह कपूरथला द्वारा फकीर चन्द पुत्र मूल राज कपूरथला।
 - (ग्रन्तरक)
- (2) जोगिन्द्र सिंह, मोहिन्द्र सिंह, लखविन्द्र सिंह जस्रविन्दर सिंह सपुत्र ठाकुर सिंह किला मोहला कपूर्यला।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधौ-हस्ताक्षरी जानता है कि व**ह सम्पत्ति** में हिसबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवक्ति व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2686 दिसम्बर, 1979 को रजिस्ट्री कर्ता प्रधिकारी कपूरथला में लिखा है

> बी० एस० दहिया, सक्षम प्रधिकारी, (सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीखाः 5-8-1980 .

प्ररूप धाई । ही । एन । एत । ---

आयकर **मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धा**रा 2**69-व** (1) के **मधी**न सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भाव्यत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 श्रगस्त 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2173:---यनः मुझे, बी० एस० वहिया,

आवकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की धारा 26१-क के प्रधीत सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ब० के प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो माल रोड़ फिरोजपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति फल के स्थिम धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि धनापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उस दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रशिक्त निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की सपबारा (1) अधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात् !-- (1) श्री मुखदेव सिंह पुत्र साधु सिंह ग्रौर श्रीमति प्रकाण कौर पत्नी सुखदेव सिंह वासी 1379 दर्णन नगर जालन्धर ।

(ग्रन्तरक)

'2) श्री नाथुराम श्रग्नवाल पुत्रे काकूराम श्राजाद **ची**क फिरोजपुर, छावनी ।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में हैं। (वह व्यक्ति, जिसके म्रश्रिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि ग्खता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में मधीहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्तिमें हिसबद है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्रत समाति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (त) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की घर्वाध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धर्वाध, को भी अत्रिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर सम्पत्ति में दितवढ़ किसी अन्य अथित द्वारा, अकोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वब्दीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शन्दों भीर पर्यों का, जो उक्त मिख-नियम के अध्याय 20-क में परिवाणित है, वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्मिन ग्रीर व्यक्ति जैसा के विलेख नं० 4185 दिनांक जनवरी, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी फिरोजपुर में लिखा

> त्री० एस० दहिया सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

त्र।**रीख:** 5-8-1980.

प्ररूप आइ. टी. एम. एस.----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 6 श्रगस्त 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2174:—स्यतः मुझे, बी० एस० दहिया,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो श्राधी रेलवे रोड़ नवांगहर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नवांगहर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूथमान प्रतिफल से, एसे रूथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी क्षाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ➡ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अथित्ः— (1) श्री रोणन लाल पुत्र राम सहाय पुत्र शंकर सहाय वासी नवां शहर।

(अन्तरक)

(2) श्री रविन्द्र कुमार पुत्र राम सहाय पुत्र शंकर सहाय वासी नवांशहर ।

(भ्रन्तरिती)

3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) को व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके नारे में ग्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितनद है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दौं और पदौं का, जो उस्सा अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

मन्स्ची

सम्पत्ति श्रीर ध्यक्ति जैसा कि बिलेख नं० 4315 दिनांक दिसम्बर, 1979 को रिजस्ट्री कर्ता श्रधिकारी नवांशहर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम प्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीखा: 6 श्रगस्त, 1980 ।

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एम०--

ृषापकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के श्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 श्रगस्त 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2175:— यतः मुझे, बी० एस० दहिया,

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समाति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो खेरड़ रोड़ फगनाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण, रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1980 के

पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृहय, उसके दृश्यमान प्रतिफत को पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचन प्रकारण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिन्न-नियम के भिन्नी कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर मिसिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय प्रकारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिये था, द्विपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म को, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को कभीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती नसीब कोर पत्नी प्यारा सिंह वासी कोरड़ा रोड नजदीक रेलवे फाटक, फगवाड़ा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती बचन कौर पत्नी चरन सिंह वासी राम पुर सुररा फगवाड़ा।

(ग्रन्सरिती)

(3) जैसाकि नं० 2 में है।

(बह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रश्नोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितकद है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका समात्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीत से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत में प्रकाशन की तारीण से 45 दित के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितजब किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा प्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

हाइडीकरण : → -इसमें प्रयुक्त सब्दों श्रीर पदों का, जो उत्तस श्रीध-नियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं वही श्रयं होगा जो उन श्रध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि विलेख नं । 1854 दिनांक दिसम्बर, 1979 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम श्रधिकारी, (सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 6 ग्रगस्त, 1980।

प्रारूप आई० टी० एन० एस०----आगतर मधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-व (1) के सभीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्कन्)

श्चर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 ग्रगस्त 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2176:—-यतः मुझे, बी० एस० दहिया,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात् 'उका प्रधिनियम' हुना गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का हारग है कि सावर सम्मत्ति; जिसका उचित ब(जार मूल्य 25,000/- हार्यसे प्रधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो खेरड़ा रोड़ फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसभ्वर, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्श्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया नया है!—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधिक नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बनने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अध्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय तर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनन श्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती ब्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, भवं, उक्त श्रधिनियम को धारा 269-म के भनु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम को श्रारा 269-म की उपधारा: (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थीत्।--- (1) श्रीमती नसीब कौर पत्नी प्यारा सिंह वासी खेरड़ा रोड़, नजदीक रेलवे फाटक, फगवाड़ा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती नयतरा कौर पत्नी सोड़ी सिंह वामी रामपुर सुररा तहसील फगवाड़ा।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में सभीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
 में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उना समिति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन की अवधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से: 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबंब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्तरको तरगः -- -इसमें प्रगुक्त शब्दों श्रीर पर्दों का, जो उकत अधि-नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही श्रर्थ होगा, जो उन श्रव्याय में दिया गया है।

श्रन्**भू**ची

सम्पत्ति श्रीर व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1779 विनांक दिसम्बर, 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम श्रधिकारी, (सहायक श्रायकर श्रायुक्त, निरीक्षण), श्रर्जंद रेंज, जालन्धर

तारीम : 6-8-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भ्रामकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 6 अगस्त 1980

निदेण सं० ए० पी० नं० 2177:—-यतः मुझे, बी० एस• द वहिया,

धायकर धिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की द्यारा 269-ख के धिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से प्रिष्ठिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बेरड़ा रोड़ फगवाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16), के श्रिधीन, तारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है:—

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उन्त ग्रिब-नियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, ग्रीर/या
- (ब) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

न्नतः म्रब उक्त म्रधिनियम की धारा 269-गं के धनुसरण में. में, उक्त म्रधिनियम की धारा 269-घं की उपधारा (1) के मुधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, मुर्थात्:--- (1) श्रीमती नसीब कौर पत्नी प्यारा सिंह वासी खेरड़ा रोड़, नजदीक रेलवे फाटक फगवाडा।

(श्रन्तरक)

(2) श्री सौद्री सिंह पुत्र चरण सिंह वासी रामपुर सुनरा तहसील फगमाड़ा।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि अपर नम्बर 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को बह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वेबाह्यि करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी असे क्षेत्र दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: → इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त श्रिष-नियम के श्रष्टयाय 20क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि विलेख नम्बर 1733 दिनांक दिसम्बर, 1979 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम श्रिघकारी, (सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 6-8-1980 मोहर: प्रकार प्राई० टी० एन० एन०---

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-थ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 ग्रगस्त 1980

निदेश मं० ए० पी० नं० 2178:— यतः मुझे, बी० एस० पहिया,

प्रायंकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो इन्डसया एरिया जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाश्च श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकत श्रिधकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अग्तरितियों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण निश्चित म बास्तिक का में स्थित नहीं किया गया है :—

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी धाय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य धास्तिगों को जिन्हें भारतीय आय-कर घिवियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर घिवियम, या धन-कर घिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए;

ग्रतः ग्रवः, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रमुसरण में, में, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-न की उपबारा(1.) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अविदः— (1) श्री सागर चन्द लटोया, 138—माडल टाउन जालन्धर श्रीर मार्फत में० लव जग सपोटस इन्डस्ट्रीयल एरिया वासी नउ, जालन्धर ।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री शीतल कुमार विज पुत वसन्त प्रकाण विज मारफत णीतल इन्टरनेशनल पोसट वक्स नं० 407 और 449, इन्डस्ट्रीयल एरिया जालन्धर ।
- (3) जैसा कि नं० 2; ऊपर है।

(श्रन्तिरिती) (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो न्थिकत सम्पत्ति में इचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

सभा सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूबना के राजपत म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सक्तें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदी का, जो जक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति ग्रौर व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 6755 विनांक दिसम्बर, 1979 को रजिस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी जालन्धर में लिखा है।

> **व**ि० एस० दहिया, सक्षम ग्रधिकारी, (महायक ग्रायकर ग्रःथुक्ष्त (निरीक्षण), ग्रजैन रोज, जालन्धर

तारी**व**: 7—8—1980.

प्रकथ भार्ड॰ टी • एन• एस •-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, जालन्धर

जालनधर, दिनांक 14 ग्रगस्त 1980

निदेश मं० ए० पी० नं० 2179—यतः, मुझे, बी० एस० दहियाः

प्रायकर शिधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत तलम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संक्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० में प्रधिक है

श्रौर जिसकी मं० जैसा कि श्रनुसूबी में लिखा है तथा जो गली नं० 12 मण्डी अबोहर में स्थित है 'श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐमे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से यधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फत दिना किला उद्देश्य मे उका अन्तरण लिखित में बास्तिक इप मे एशिन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बाने में मुनिधा के लिए; श्रौर
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में म्मुविधा के लिए;

न्नत: अब, उक्त न्नियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निसियत स्पन्तियों, न्नर्पात्:—

- (1) श्रीमती राम प्यारी विधवा थुलजस राय वासी मकान नं० 1610 गली नं० 12 श्राखरी चौक, श्रबोहर। (ग्रन्तर्क)
- (2) श्रीमती कौणल्या देवी पत्नी भीम मेन पुत्र कुलजस राय वासी मकान नं० 1610 गली नं० 12 श्राखरी जौक, श्राचीहर।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 में है लिखा। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिश्रिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है) ।

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त समात्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजरत्न में प्रकाशन की तारोध से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अ्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबझ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दोक्तरगः -इममें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रष्टगाय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रष्टशाय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति और सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 2152 दिनांक दिसम्बर, 1979 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी ब्रबोहर में लिखा है।

> बी० एस० दहिबा, सक्षम भ्रोधेकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुवन (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, जालन्धर

तारीख: 14 धगस्त, 1980।

प्रकृष आईं • टी • एन • एस • ------

आयकर ग्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के धवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 श्रगस्त 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2180—यतः मुझे, बी० एस० वहिया,

आयंकर ग्रिशिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- ए० से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव नंगल तहसील फिलौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिलौर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1979

की पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाबार मूक्य से कम के वृष्यमाम प्रतिफल के सिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके बृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से प्रधिक है बीर प्रस्तरक (प्रन्तरकों) और अस्तरिती (प्रन्तरिवियों) के बीच एसे प्रस्तरण के सिए तम पामा गया प्रविफल, निम्नविवित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया बया है:——

- (क) धन्तरण वे हुई किसो भाग की बाबत, उनत अधि-शिवम के भ्रष्टीत कर देने के भन्तरक के वायत्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम, या धन-कर धांधनियम, 1957 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आजा चाहिए था, छिपाने में सुविक्षा के लिए;

श्चतः अब, उन्त श्रिक्षित्यन की धारा 269-ग के श्रमुसरण में, में उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— 9—226GI/80 (1) श्री बलबीर सिंह, प्रीतम सिंह, गुरमेल सिंह सुपुष्ठ करतार सिंह हरबन्स कौर नरन्द्र कौर, हरजीत कौर सुरजीत कौर, बलराज सिंह, हरप्रीत सिंह, रणजीत सिंह, नंगल तहसील फिलौर।

(ग्रन्तरक)

(2) मैंसर्स रणजीत सिंह भ्रौर कम्पनी नंगल तहसील फिलौर।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

(3) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बन्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी भाजित : ----

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन को तारी स से 45 विन की धवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जी भी धवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में बे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उपत स्थापर सम्पत्ति में हितबदा किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, धन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण:—-इसमें प्रयुक्त गब्दों और पड़ों का, जो छक्त धिधिनयम के अध्याय 20-क में परिशाधित है, बही धर्थ होगा जो छस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

सम्पत्ति ग्रौर व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3745 दिनांक दिसम्बर, 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी फिलौर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम ग्रधिकारी, (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जॉलन्धर

तारीख: 14-8-1980

प्रकप बाई • टी • एव • एस • ----

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के भ्रधीन सूचना

भारत परकार

क्रायुनिय, सङ्गायक मायुक्त सामुद्रत (हिरीकाच)

म्रर्जन रेंज, जालक्ष्मद

जालन्धर, दिनांक 14 प्रगस्त, 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2181——यतः मुझे, की० एस० विद्या,

धावकर प्रधिनियम, 1,961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारत 269-ज के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- वपए से प्रधिक है

म्नौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मांव भगवानपुर में स्थित हैं (और इससे उपावस में अनुसूची में मोर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख विसम्बर, 1979

क्रो पूर्णेक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मुक्य से क्रम के दूश्यमान प्रतिकृत के तिए अस्तिति क्री गई है और मुझे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्प्रित का उचित बाजार मुक्रम इसके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत के पंग्रह प्रतिशत से अधिक है स्वीप्त मंत्रका (सन्तर्को) और अन्तरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे सन्तर्क के विष् तय पाया गया प्रतिकृत, तिम्न्लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में बास्तविक रूप से कित्व नहीं किता गुंबा है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी साथ की बावत, उक्त प्रक्रितियम के सातित कर देने के सक्तरक के वाशिक्ष में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए भौर/या;
- (ख) ऐसी किसी भाग हुए किसी बन या अन्य भाक्तयों की, जिन्हें भारतीय भागकर भूमिनियम, 1922 (1922 का 11) या जुनत भूमिनियम, ग्रा धन-कर भिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में शृद्धित के लिए;

जतः, भग, उन्त भविनियम की वारा 269-य के धनुसरण में में, उन्त भविनियम की वारा 269-य की वर्षक्रारा (1) के अधीन, निक्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातः!---

- (1) श्री लेखा राम पुन्न गंगा राम गांव केरड़ा सहसील फगवाडा।
 - (ग्रन्तरक)
- (2) श्री कुलदीप सिंह, बलजीत सिंह बलविन्द्र सिंह सुपुन्न तारा सिंह गांव पलही तहसील फगवाड़ा । (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके द्यधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (बह व्यक्ति, जिनके आरे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबक्ष है)।

खनत सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अवधि या तत्स्य मन्द्री व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में मकाशत की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधीहस्ताकारी के शहस निश्चित में किए जा सकें।

हपस्तीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पदों का, को उनत ध्रक्षितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस ध्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भ्रोर ध्यक्ति जैसा कि विलेख नं 1799 दिनांक दिसम्बर, 1979 को रजिस्ट्री कर्ता भ्रधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तासीखः: 14-8-1980.

प्ररूप आई. टी. एन. एस. आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-जु (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

काय लिय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जनरेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 ध्रगस्त, 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2182:---यतः मुझे, बी० एस दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- का अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपृतित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एउ. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि भ्रनुसूचमें लिखा है तथा जो जी०टी० रोड़, नजदीक नरीन्द्र सिनेमा जालन्धर में स्थित, है (ग्रौरजसे उपाबद्ध में भ्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है)

अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1979 को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का नम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वत में वास्तिबक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्नारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधां के निष्;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——

- (1) श्रीमिती हर कीर विश्वेषा लक्ष्मन सिंह द्वारा श्रीमसी श्रमर कीर पत्नी सुरेश गोहल मार्फत नियु वालीया कोल्ड सटोरण नकीवर रोड़, जालन्धर धव 27-युनिमन पारक पाली हिल खार, बम्बे-52।
 (मन्तरक)
- (2) श्रीमती सुख मिन्द्र कौर पत्नी किरपाल सिंह पुत रंगेजीत सिंह गीचे शंकर तहि नकोदर।

(भन्तरिती)

- (3) जैसाकि ऊपर मं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में घचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में झधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित बद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके प्यांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विने की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्धे किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अने सूची **'**

सम्बक्ति और व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6531 दिनांक दिसम्बर, 1979 में रिजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी जालन्छर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारींख^र: 14—8—1980

प्ररूप आई ० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 14 भ्रगस्त, 1980

निदेश नं० ए० पी० नं० 2183:---यतः मुझे, बी० एस० दिह्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रांर जिसकी सं जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो जी ० टी ० रोड़, नजदीक निरन् सिनेमा, जालन र में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबद में अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप में विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता अकि गरी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1907 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, अक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसार में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्मतिस्तित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती हर कौर विधवा लख्ठमन सिंह द्वारा श्रीमती श्रमर कौर पत्नी सुरेश गोहल मार्फत नियवालीया कोलडस्टोरज नकोदररोड़,जालन्धरश्रव 27—यूनियन पारक पाली हिल खार, बम्बई—52 ।

(ग्रन्सरक)

- (2) श्रीमती सुख मिन्द्र कौर पत्नी क्रिपाल सिंह पुत्र रणजीत सिंह गांव शंकर सहि० नकोदर। (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि जाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीनर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6575 दिनांक दिसम्बर, 1979 में रिजस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया; सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरोंज, जालन्धर

तारीख →: 14-8-1980.

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०

भ्रायकर श्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जनरेंज, ज⊺लन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 ग्रगस्त, 1980

दहिया,

न्नायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-रुपए से श्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसुची में लिखा है तथा जो जी० टी० रोड़, नजदीक नरिन्द्र सिनेमा, जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबत में प्रनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्र_िवकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख विकम्बर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भौर (अन्तरितीयों के) बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रन्तरिती तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः ग्रम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रमुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती हरकौर विधवा लछमन सिंह द्वारा श्रीमती ग्रमर कौर पत्नी भूरेण मोहन मार्फत निय वासीया कोलड सटोरज नकोदर रोड़, जालन्धर भव 27--युनिधन पारक पाली हिल, खार बाम्बे--52 । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती सुखमिन्द्र कौर पत्नी क्रिपाल सिंह पुत्र रणजीत सिंह गांव शंकर तहि० नकोदर ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है।)
- (4) जो व्यक्तिसम्पति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके भारे में ग्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह स≭पस्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी ग्रैंकरके पूर्वोक्त सम्पति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख मे : 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के पाम लिखित म किए जा सर्केंगे।

स्पड्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त अब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त । श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6663 दिनांक दिसम्बर, 1979 में रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दक्षिया, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर

ता**रीख : 14-8--198**0. मोहर:

प्ररूप बाई. टी. एक. एसं.

भायकर अधिनियम, 1-961 (1-961 का 43) स्ती भारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाम 14 ग्रगस्त, 1980

निचेशा सं० ए० पींच नं ० 2185:——यतः मुझे, एस० बी० चित्रपा,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कर्ष भाषां 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्ये 25,000/-रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जी० टी० रोड़, नजदीक नरीन्द्र सिनेमा, जालन्धर में स्थित है (भौर इसके उपाबद्ध में अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण भिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भिधीन 5-12-79

को पूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयंभान प्रतिकत को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे स्वयंभान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-कल जिम्मिलिक्त उद्योदयासे उक्त अन्तरण सिक्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ए'सी किसी अध्य या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण जनत अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) निम्मिलिखित व्यक्तियाँ अधिन्यः—

- (1) श्रीमिति हरेकीर विधंवा बेळमन सिंह द्वारा श्रीयति अमर कौर पत्नी सुरेश मोहन मार्फत निय वालीया कोलड सटोरज नकोदर रोड़, जालन्धर श्रव 27—यूनिश्रन पारक, पाली हिल, खार, बाम्बे—52। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमिती सुंख विमन्द्र कीर पतनी क्रिपाल सिंह पुत्र रणजीत सिंह गांद शंकर, तहि० नकोदर। (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखेता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह स्वना जारी करक पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्तें सम्पत्ति के अर्जेंग के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बर्च्छ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिधित में किए जो सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बहुँ। अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसू**ची**ं

सम्भत्ति और व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6795 दिनांक रितन्दर, 1979 में रोजस्ट्रो कर्ती ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीख: 14-8-80.

प्ररूप ग्राई० हो श्रुष एस ----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन चुचना

भारत सरकार

सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 श्वामस्त, 1980

निदेश सं० ए० पी० तं० 2186:-अप्रतः **मुहो,** :क्षी० एस० दहिया,

जायकर जिवितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इतके पश्चात् 'उक्त पश्चितियम' जहा गया है), जी बारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रु॰ से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो शास्त्री नगर जालन्धर में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 156) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1676

पूर्नोवत सम्पत्ति के उचित्र वाजार मूल्य से कम के वृश्यमान व्यक्तिकत के लिख सन्तरिस की गई है और मुझे सह विश्वस सरने का भारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का का किस बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल के पण्डल प्रतिस्त से अधिक है और मन्तरिक (मन्तरिक) के विश्व है और मन्तरिक (मन्तरिक) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिक्त उद्देश्य से उक्त सन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया बना है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी माथ की बाबत, उसत मिश्रिकन के मधीन कर देने के मन्तरक के दावित्य में अभी करने या उससे क्या में बुविका के निए; भीर/वा
- (ख) ऐसी फिली धाव या किसी बन या धन्य धारिसकी की, जिल्हें भारतीय भायकर ग्रीविभियम, 1022 (1922 का 11) या उनत ग्रीविभियम, या धन-कर ग्रीविभियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती श्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था। छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धन, उन्त धिवियम की बारा 269-ग के अमुसरण में, में, उक्त धिवियम की बारा 269-म की जनकारा (2) से अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रां विकोग सिंह पुत्र करतार सिंह नामधारी सा मिल्स नुकोदर रोड़, जालन्धर ।

(ग्रन्तरंक)

(2) श्रीमती जन्तवीर सिंह पुत्र रखुवीर सिंह सोडी सरदार बहादुर रणजीत निंह गीशाला, रोड़, संगरूर। (श्रन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में हैं। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे ' ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितब दे हैं)।

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन हैं लिए कार्यवाहियां करता हूं।

क्सत सम्बक्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीवा से 48 दिल के जीतर जनत स्थापर सम्पत्ति में हितवब किसी अन्य व्यक्ति ब्रारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए वा समेंचे ।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो जक्त भिन्नियम के भव्याय 20-क में परिकाबित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भीर व्यक्ति शैसा कि विलेख र्ने० 6730 दिनांक दिसम्बर, 1979 को रिजस्ट्रोकर्ती श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> बो० एस० दहिया, सक्षम श्रधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, जालन्धर

बारीख: 14-8-1980.

प्ररूप धार्ष० टी० एन०एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

सहायक, म्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जंन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 ग्रगस्त, 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़--/351/79-80:-श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द, †

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अवीन सभाम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक हैं

भौर जिसकी सं ० रिहायको ज्लाद नं ० 1348 हैं तथा जो सेक्टर 33-सी, चण्डोगढ़ में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बाणत हैं), रिजिस्ट्री कर्ती श्रिष्ठिकारी के कार्यीलय, चण्डोगढ़ में, रिजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख 12/79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह श्रितशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल कि निम्तिलिखत उद्देश्य से निक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक इस की किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त भिध-नियम के भधीन कर देने के अन्तरक के वाणित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उनत प्रधिनियम, की घारा 269-ग के भनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्न लिखित व्यक्तियों, भर्यात् :— (1) ब्रिगेडियर एम० एस० खारा पुत्र श्री हरदत्त सिंह खारा12 ए०बी०, माथुरा रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) सर्वश्री दिवन्त्र सिंह पुत्र स० ग्रमर सिंह ग्रीर ग्रमर सिंह पुत्र श्री किशन सिंह व श्रीमित हरिन्त्र पाल कौर परनी स० ग्रमर सिंह निवासी, 37-ई०, सराभा नगर, लुधियाना ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मित्त के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
 पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो सकत अधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही भर्य होगा जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायको प्लाट नं० 1348 सेक्टर 33-सी, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1913, दिसम्बर, 1979 में दर्ज हैं)।

> सुखयेय जन्द सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 8 ग्रगस्त, 1980

प्रकृप धाई • टी • एन • एस •---

लायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व(1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्रायकर मायुक्त (निरोक्षण) अर्जनरेंज, लुधियाना

सुधियाना, दिनांक 8 धगस्त, 1980

निदेश सं० एन० बी० ए०/172/79-80:--- ध्रस: मुझे, सुखदेव चन्द,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-४० से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट क्षेत्र 266 वर्ग गज (9 मरले) है तथा जो वोरा गेट, नाभा में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री कर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, नाभा में, रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1979

पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का
कारण है कि पवापूर्वोक्त सम्पत्ति का छचित बाजार मूल्य, उसके
बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत्त से प्रधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रन्तरितिनों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्तिलिखित छहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप
के कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी पाय की बाबत उक्त धिवियम के प्रधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/पा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या अन-हर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए बा. हियाने में सुविद्या के सिए;

भतः अस, उसत अभिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण म, म, जन, उसत अभिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्मिशिसित व्यक्तिशों प्रधातः--10---226GI|80

- (1) श्रो मिसरा सिंह पुत्र श्रो होरा सिंह रामदासंत्या मोहाला, हरिजन बस्ता, नाभा। (श्रन्तरक)
- (2) श्रो सुदर्शन लाल पुत्र श्री बाल कृष्णन, दिवाना गली, नाभा।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सुनना के राजपत में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अभितयों में से किसी स्थक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तवन्न किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा श्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणें :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के घट्याय 20-क में परिमाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 266 वर्ग गज (9 मरले) बोरा गेट, नाभा। (जायदाव जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2061, दिसम्बर, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंभ, लुधियाना

तारीख: 8 अगस्त, 1980।

प्ररूप भाई० टी० एत० एस०----

भायकर मिस्तियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-च (1) के मधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मावकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 ग्रगस्त, 1980

निदेश सं० चण्डोगढ्/ 38 5/76—80:—-ग्रतः मुझे, सुखदेश

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना जायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० व्लाट नं० 1283 है तथा जो सेक्टर 34-सी, भण्डागड़ में स्थित है (भीर इससे उपायद मनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणिग है), रजिस्ट्री कर्ती भिष्ठकारा के कार्यालय, चण्डोगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समाति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफत का पण्डह प्रतिशत से प्रक्षिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाबा गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण लिखित में वास्त्रिक का से कथित नहीं किया गया है:→→

- (क) प्रन्तरण से हुई किसरे श्राय को बाबत, उक्त प्रिक्षि-नियत के श्रधीन कर देते के श्रन्तरक के वासिस्त में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (वा) ऐसी किसी आय या किसी घन या घर्ष्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ग्रन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिमाने में सुविद्वा के लिए;

शतः स्रथ, उपत शिक्षितियम, की धारा 209-ग के सनुसरण में, मैं, उपत सिक्षियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के स्थीन, निष्निसिश्चित व्यक्तियों, सर्वात्:— (1) लैपिट-- कर्नल एम० एस० गुजराल पुत्र स्वर्गीय सरदार गुरवरण सिंह, हैंड क्वार्टर 10, इन्फेन्ट्रा डीविजन, ०/० 56 ए०पो० अव० ।

(घन्तरक)

(2) श्रोमती हरदेवी सेतीया पत्नी श्री वाई० ग्रार० सेतोया, निवासी मकान नं० 3416 सेक्टर 23-डी, चण्डीगढ़।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घविष्ठ या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविष्ठ, जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण--इसमें प्रयुक्त शस्त्रों भीर पत्तों का, जो उन्त धाध-नियम, के श्रव्याय 20क में परिभाषित हैं, बही अप होगा जो उस श्रव्याय में विमा गया है।

मनुसुची

प्लाट नं 1283, सेक्टर 34-सी०, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रोकर्सी प्रधिकारी चण्डोगढ़ के कार्यालय के विलेख संस्थानं 2037, दिसम्बर, 1979 में दर्ज हैं)।

> सुखदेश चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) झर्जन रेंज, लुधियाना

विनांक: 8 ग्रगस्त, 1980।

मोहरः

प्रकप ग्राई० टी० एन० एस०----

वायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक ग्रायंकर आयुक्त (निरीक्श)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 ग्रगस्त, 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/359/79-80:----ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्य, आयकर प्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्रिविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 1424 है तथा जो सेक्टर 34-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण

रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 को 16) के श्रधीन,

तारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के जिए तम गया मया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेग्य से छक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रग्तरण से हुई किसी भाग की वावत उत्त श्रीध-नियम के श्रीपत कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के शिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिग्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः; श्रव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के धनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रवौत:--- (1) कमां- वलकीर कुमार पुत्र श्री जगन्नाथ मारफत ए०/70, शंकर गार्डेन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) कुमारी रानी जसकीर कौर पत्नी श्री हरि सिंह मारफत श्रीमति जोवन कौर, मकान नं 115, फस, मोहालो। (श्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्येषाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में द्वितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्यीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों मीर वर्षों का, जो उक्त श्रधि-नियम के भ्रष्टवाय 20-रु में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्टवाय में विया गया है।

धनुसूची

रिहायको प्लाट नं० 1424 सेक्टर 34-सी, चण्डीगढ़ । (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारो चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1938, दिसम्बर, 1979 में दर्ज है) ।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारो, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 8, ग्रगस्त, 1980।

प्ररूप बाई ० टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 श्रगस्त, 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/388/79-80:---ग्रतः मुझे, सुखदेश चन्द्र,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/ रु० से अधिक हैं।

भीर जिसकी सं० एस० सी० भी० नं० 22 है तथा जो सेक्टर 21—सी, चण्डी गढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक भ्रमुसुनी में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्री कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, चण्डी गढ़ में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1979,

को पूर्वाक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो क्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया मैं वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा का लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अास्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, बनुसरण कें, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिसतु व्यक्तियों अधित्:---

(1) श्रो गुरचरन सिंह पुत्र श्रो मेहर सिंह निवासी 65 डो, ब्लाक, सी सेक्टर, गांधी नगर, जस्मू।

(भ्रन्तरक)

(2) सर्वश्री टिक्का राम, चुन्ता लाल, प्रभु दयाल श्रीर बाबू राम सारें पुत्र श्री मुन्ता लाल निवासी मकान नं० 2325, सेक्टर 22-सी, चण्डीगढ, ।

(भ्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपसा सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की जबिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविश जो भी अविश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-कव्थ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास जिलात में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरणः ----इसमें प्रत्युक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क से गरिभाजित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

मन्त्रुची

एस० सी० श्री० नं० 22, सेक्टर 21-सी, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रिजिस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2061, विसम्बर, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, सुधियाना ।

ताराख: 8 ग्रगस्त, 1980।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 8 श्रगस्त, 1980

निर्देश सं० चण्डीगढ़/393/79-80:---श्रतः मुझे, सुखदेव

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ॰ से अधिक है

भीर जिसकी सं मकान न० 55 है तथा जो सेक्टर 28, ए, चण्डे गहु में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में भीर पूर्ण रूप से बिणत हैं), रजिस्ट्री कर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डोगढ़ में, रजिस्ट्रे:-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, ताराख विसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से भिंधक है भीर अन्तरक (प्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त श्रिधिनियम, की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त भ्रिधिनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यातः ---

(1) स० दिदार सिंह जग्गो पुत्र श्रो भजन सिंह कर्ती आफ जौश्राइंट अनडिवाडेड फैमली कम्पराइसिंग आफ अपने आप, उसकी परनी श्रीमति मकुन्तला रानी श्रीर उसके पुत्र कुलबन्तवीर सिंह निवासो मकान न० 55, सेक्टर 28-ए, अण्डीनकः।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो सुखिबन्द्र सिंह धालोबाल, सुरिन्द्र सिंह धालीबाल, दोनों पुत्र श्री जोगिन्द्र सिंह धालीबाल, निवासी मकान नं० 55, सेक्टर 28-ए, चण्डोगढ़।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो खक्त भीत-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्ष होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

मकान नं० 55, सेक्टर 28-ए, चण्डोगढ़। (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी चण्डोगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2068, विसम्बर, 1979 में वर्ज है)।

> सुखदेय चन्द, सक्षम प्राधिका**री,** सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीखः: ८ अगस्त 1980।

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 श्रगस्त 1980

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं भकान नं 3266 है तथा जो सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (भौर इससे उपाबड अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख विसम्बर, 1979

को पूर्वाक्त संपर्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के द्वयगान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपर्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अधीतः— (1) श्री जगजीत सिंह पुत्र श्री प्रताप सिंह, 324, फेस III→ बी०, मोहासी।

(अन्तरकः)

- (2) श्री जगजीत सिंह पुत्त श्री करतार सिंह पंजाब वसिंध सिंह बैंक लिमिटेड, खरड़ मैंनैजर श्रीर, श्रीमित सुरिन्ध कौर पत्नी श्री जगजीत सिंह पुत्त श्री करतार सिंह। (श्रन्तरिती)
- (3) 1 श्री गुरचरन सिंए, 2. एंच० भ्रार० श्ररोड़ा निवासी मकान नं० 3266, सेक्टर 35⊸डी, चण्डीगढ़। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सुपना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

नगुसूची

मकान नं० 3266, सेक्टर 35—डी, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्यानं० 1939, दिसम्बर, 1979 में वर्ज है)।

> सुखदेव चन्द्र, सक्षम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण), द्यर्जन रॅज, लुधियाना।

तारीख: 8 मगस्त, 1980

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 ध्रगस्त, 1980

निर्देश सं० चण्डीगढ़/358/79- 80--- ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1565 है तथा जो सेक्टर 34-डी, जण्डीगढ़ में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जण्डीगढ़, में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार बृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हुप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः मब, उक्त विभिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण भें, मंं, उक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के व्योग, निस्तिचित व्यक्तियों वर्णात्:— (1) डा० मंगल सिंह पुत्र श्री हरभजन सिंह श्रीमिति शाम कौर पत्नी डा० मंगल सिंह व श्री गुरचरन सिंह पुत्र श्री डा० मंगल सिंह निवासी मकान नं० 511, सेक्टर 8--बी, चण्डीगढ़।

(श्रन्तरिती)

(2) श्री (लैफिटनेंल) जी०ऐस० ऊवन पुत्न श्री एस०एस० ऊवन, निवासी 299, फील्ड रेजमेंट, मारफत 56,ए०पी० ग्रो०।

(ग्रन्तरक)

का यह स्वना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सक¹गे।

स्थक्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं मर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ध्रन् सूची

प्लाट नं० 1565, सेक्टर 34-डी, चण्डीगढ़ (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1936, दिसम्बर, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, सुधियाना ।

तारीखः : ८ म्रगस्त, 1980 ।

प्ररूप पाई० टी॰ एन० एस०----

धायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण) अर्ज न रेंज, लुधियाना लुधियाना,दिनांक 8 अगस्त, 1980

निर्देश सं० चण्डीगढ़/377/79-80--- मतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मून्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है,

भीर जिसकी सं० रिहायशी प्लाट नं० 1635 है तथा जो सेक्टर 36-डी, वण्डीगढ़ में स्थित है (भीर इससे उपायद भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती भिधकारी के कार्यालय, वण्डोगढ़, में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन, तारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह्र प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निस्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, सकत प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; घौर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य घास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिषित्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाचें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अवः भव, उच्त प्रधिनियम की धारा 269-म के बब्धरण में, में, उच्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के सबीब, निरुत्तिखित व्यक्तियों, अर्थात्। ----

- (1) श्रीमित हरचरन कौर साही पत्नी श्री ए० एस० साही निवासी 550, माङल टाऊन, करनाल (हरियाण))। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री पुष्तीपीन्द्र सिंह चीमी पुत्र स्वर्गीय श्री डी॰ एस॰ चीमी, निवासी 330, माडल टाऊन, लुधियाना। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झजँन के लिए कार्येवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी भाषोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति देशा;
- (ख) इस मूचना के राजपव में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निकात में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यो ना, जो उक्त ग्रिश्वित्यम के अध्याय 20न में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो इस घड्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिशायशी प्लाट नं 1635, सेक्टर 36—डी, वण्डीगढ़। (गायशद जैला कि रजिस्ट्रोकती ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के वलयालय के विलेख संख्यानं 1995, दिसम्बर, 1979 में दर्ज हैं)।

> सु**लदेव च**न्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (मिरीक्षण) श्रर्जनरेंज, लुघियामा

तारीख: 8 ग्रगस्त, 1980।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जनरेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 श्रगस्त, 1980

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु० से अधिक हैं

ष्मौर जिसकी सं० 1/2 भाग मकान (प्लाट नं० 5) है तथा जो गुरदेव नगर, फिरोजपुर रोड, लुधियाना में स्थित है (ब्रौर इससे उगाबद प्रनुसूची में ब्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ब्रोजे गरी के हार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम

1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया ग्या है:

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा का सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी क्षाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——
11—226 GI/80

(1) श्री सन्तोख सिंह पुत्र श्री किशन सिंह निवासी गांव भोजोली जिलारोपड़।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री पुरन चन्द कैला पुत्र श्री मुन्शी राम मेनेजर, पंजाब नेशनल बैंक, चौक सैदा, लुधियाना।

(म्रन्तरिती)

को यह स्पना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

धमानीं

1/2 भाग मकान (प्लाट नं० 5) गुरदेव नगर, फिरोपुर रोड, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी लु याना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 4563, दिसम्बर, 1979 में दर्जे है)।

सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख: 8 प्रगस्त, 1980

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

बाय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व् (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णनरेंज, सुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 8 अगस्त, 1980

निर्देश सं० लुधियाना/615/79--80-----ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं 1/2 भाग मकान (प्लाट नं 5) है तथा जो गुरदेव नगर, फिरोजपुर रोड, लुधियाना में स्थित है (स्रोर इसस उपाबद अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, ससके दृश्यमान प्रतिफल से ए'से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित्या) के बीच ए'से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक स्प से किथ्त नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और्र/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बन्धः अथ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के, अनुसरण में , यं, उक्त अधिनियम की भारा 269-अ की उपभारा (1) के बचीन निम्मितिविक व्यक्तित्यों, अर्थात्:——

(1) श्री सन्तोख सिंह पुत्र श्री किशान सिंह निवासी गांव भजोली जिला रोपड़ द्वारा श्री ग्रमर सिंह पुत्र श्री ग्रन्प सिंह निवासी बोपा राय कला तहसील जगराश्रों।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री पूरत चन्द कैला पुत्र श्री मुन्क्री राम मेनेजर, पंजाब नेशनल बैंक, चौक सैंदा, लुधियाना। (भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के क्षर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्रोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्तु अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁴, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग मकान (प्लाट नं० 5) गुरदेव नगर, फिरोजपुर रोड, ल्घियाना ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 5491, मार्च, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्त्व, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण,) श्रजैन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 8 श्रगस्त, 1980।

मोहरः

प्रकप धाई • टी ॰ एम ॰ एस ०---

स्वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की कारा 269-व (1) के धधीत सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजनरेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाक 8 भ्रगस्त, 1980

निवेश सं० : चण्डीगढ़/364/79-80:---श्रत: मृक्षे, सुखदेव चन्व,

भायकर भिधिनियम, (1961 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-स्पए से भिधक है

भीर जिनकी संव प्राप्ट नंव 1153 है तथा जो सेक्टर 33-सी, चाडोगड़ में स्थित हैं (और १स पे उताबद्ध प्रनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्री कर्ता भिक्षि गरी के प्रायानिय, चण्डीगढ़ में, रिजिस्ट्री हरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्थीन, तारीख दिसम्बर, 1979

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
 - (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निस्निल्खित व्यक्तियों अर्थात् ——

- (1) लंक्टिंग कर्नल गुरमहिन्द्र सिंह बाला पुत्र जनरल श्रात्मा सिंह, जी एस क्यो आई (डब्ल्यू० ई०) हैडक्काटर नार्दनकमांडमार्फत 56ए० पी०क्यो०। (अन्तरक)
 - (2) श्रोमित सूर्यं गंडित, पी० सी० एस० पक्ष्मी श्री सन्त राम पंडित ग्रौर श्री सन्त राम पंडित पी सी एस रिटार्ड) पुत्र श्री तुलमी राम, मकान नं० 304, सेक्टर 33-ए, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बाध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विज्ञा गया हुँ।

अनुसूची

ण्लाट नं० 1153-पी, सेक्टर 33सी०, चण्डीगढ़ । (जायदाद जसा कि रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी चण्डीगढ़ में कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1953, दिसम्बर, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्ष म प्राधिवारी, (महायक श्रायवार श्रयुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 8 ग्रगस्त, 1980 ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांकः 8 ग्रगस्त, 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/371/79-80:--- ग्रतः मुझे, सुखदेव भन्य.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० रिहायणी प्लाट नं० 434 है तथा जो सेक्टर 37-ए, चण्डीगढ़ में स्थित (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्णस्प से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता लिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिवितयम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्घेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुड़ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और√या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गढ़ा था विकास जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्रीमती श्ररणा ढल्ल मारफत श्री रिवन्द्र कृसण वर्काल निवासी 1188, सेक्टर 18-सी-चण्डीगढ़। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री के० ग्रार० लखनपाल भ्राई० ए० एस० वर्ता, ग्राफ एच० यू० एफ० सहित पस्नी, एक सड़की, एक पुत्र निवासी मकान नं० 64 सैक्टर 15-ए चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कृरता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया ग्या है।

धनुसूची

रिहायशी प्लाट नं० 434सैक्टर 37-ए, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्री कर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के नार्यात्रय के विलेख संख्या नं० 1978 दिसम्बर, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जनरेंज, लुधियाना।

अतः अतः अवतः अधिनियमं की धारा 269-गं के. अनुसरणं में, मं, अवतः अधिनियमं की धारा 269-मं की उपभारा (1) के अधीन निम्निनिष्तं व्यक्तियों, मुध्तिः—

त⊤रीख: 8 भ्रग₹त, 1980।

मोहरः

प्रकृष माई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुबना

भारत सरकार

कर्त्यालय, सहायक प्राप्तकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाक भ्रगस्त, 1980

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-चा के प्रधीत सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

भौर जिसकी सं० मकान नं० 3066 है तथा जो सेक्टर 35—डी, चण्डीगढ में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रश्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित अद्देश्य से उकत धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाष की टाया उक्त प्रक्रितियम के भ्रष्टीम कर देने के भ्रम्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे क्चने में सुविधा के निए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वाया किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरम में. में, उक्त मर्थिनियम की धारा 269-च की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत्:--- (1) श्री प्रभाकर नाथ बाग पुत्र श्री नाथ विनायक बाग द्वारा उसकी सबसीच्यूट स्पैशल पावर ग्राफ घटारनी श्रीमति दया वन्ती टण्डन सुपुत्री स्वर्गीय श्री देव लाल टण्डन निवासी श्रर्जुन नगर, पोस्ट ग्राफिस, नकोदर जिला जालन्धर ।

(श्रन्तरक)

(2) कुंबारी रिव टण्डन पुत्नी स्वर्गीय श्री देव लाल टण्डन निवासी नजदीक बस स्टेंड, नकोदर, जिला जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी श्रासेप :---

- (स) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी से के 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूंचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-कद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित सें किए था सकेंगे।

स्पन्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही भर्ष होगा जो उस अध्याय में विदा गया है।

भ्रनुसूची

मकान नं० 3066 सेक्टर 35-डी, घण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी घण्डीगढ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1926, दिसम्बर, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजैन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 8 ग्रगस्त, 1980।

प्ररूप भाई। टी० एन० एस०-

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1981 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 ग्रगस्त 1980

द्यायक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है

श्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० 424 है तथा जो सेक्टर 35-एं, चण्डीगढ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान अतिफल से ऐसे दृश्यमान अतिफल का पन्द्रह प्रतिगत अधिक है यौर अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्रिया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर ग्रीव्यित्रमम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीव्यित्रम, या घन-कर ग्रीव्यित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भेतः मब, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के भिन्नीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यात:— (1) श्री निरन्द्र कुमार सहगल पुत्र श्री सत्य पाल सहगल एनएफ-132 मोहला किला, जालन्धर द्वारा जनरल पावर श्राफ श्राटारनी श्री किदार नाष शर्मा निवासी 229, सेक्टर 9-सी, चण्डीगढ़:

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमति श्रनीता वादा पत्नी श्री विनोद दादा जवाहर नगर, जालन्धर शहर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेपः---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जी भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस किसी ग्रन्थ क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठितयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रषं होगा, जो उस भ्रध्याय में विया गया है।

प्रनुसूची

प्लाट नं ० 424, सेक्टर 35-ए, चण्डीगढ़ । (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं ० 1922, दिसम्बर, 1979 में वर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 8 श्रगस्त, 1980

प्ररूप आई • टी • एन • एस •---

बायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 ग्रगस्त 1980

निवेश सं० चण्डीगढ़/352/79-80:----श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आवकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के प्रधीन सक्यम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- द से पश्चिक है भौर जिसकी सं ० प्लाट नं ० 3115 है तथा जो सेक्टर 35-डी चण्डीगढ़ में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख विसम्बर, 1979

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि संधा खाँकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृ-यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरह (अग्तरकों) और मन्तरिती (अग्रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदेश्य से उचत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।—
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
 - (ख) ऐसी किसी आयका किसी घन या घन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधितियम, 1922 (1922 का 11) का उच्त अधितियम, या धनकर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त प्रविनियम की बारा 269न के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269व की चक्कारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) मेजर सुखबीर सिंह पुत्र श्री केसर सिंह मकान नं 3889, हिल रोड़, श्रम्बाला कैंट।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री फ्रो॰ पी॰ दुग्गल पुत्र श्री जी॰ प्रार० दुग्गल व श्रीमति बीना दुग्गल पत्नी श्री फ्रो॰ पी॰ दुग्गल निवासी 3, लेक ब्यू रोड़, नंगल टाऊन शिप, जिला रोपड़ ।

(ग्रजनिरती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

ল

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में प्रभाष्त होती हा, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचता के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहक्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्वक्तीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिय। गया है।

प्रनुसूची

प्लाट नं ० 3115, सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ । (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं ० 1917, दिसम्बर, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव घन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

सारीख: 8 भगस्त 1980।

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनिशम, 1961 (1961 का 43) की धारा थ69-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 भ्रगस्त 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/396/79-80:—ग्रतः मुझे, सुखदेव

प्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/→ रुपये से ग्रधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 1349 है तथा जो सेक्टर 33—सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़, में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रग्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठ-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रग्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उका अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के मनु-सरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निक्तलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—

- (1) मेजर जनरल कुलवीप सिंह याजवा पुत्र श्री गुरवियाल सिंह निवासी 272, सेक्टर 33-ए, चण्डीगढ़। (ग्र तरक)
- (2) श्री इकबाल सिंह पुत्र श्री गुरबक्श सिंह व श्रीमित जसपाल कौर पत्नी श्री इकबाल सिंह 1899, सेक्टर 34-डी, चण्डीगढ़ । (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की लारीख से 45 दि। की अविधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रशासन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोत्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्तों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रीध-नियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रांगे होगा, जो उस श्रष्टवाय में विया गया है।

बन्सूची

प्लाक नं 1349, सेक्टर 33-सी, चण्डीगढ़ । (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं 2072 दिसम्बर, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द; सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लुधियाना।

तारीखः ८ ग्रगस्त, 1980।

प्रकप चाई• टी• एन• एस+--

पायकर धिविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के घटीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सद्दायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना

न्धियाना, दिनांक 8 श्रगस्त, 1980

निदेश सं ०: चण्डीगढ़/381/79-80:--श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

भायकर भिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 3349 है तथा जो सेक्टर 35-डी। चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, बारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिक्रम के निए भन्तरित की वह है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारन है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके धृष्यमान प्रतिक्रम से, ऐसे वृश्यमान प्रतिक्रम का पन्द्रह प्रतिक्रत भिष्क है और अन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्य के जिए तय पाया गया प्रतिक्रम, निम्नलिखित उद्श्य के उनत अन्तरण निखित में वास्तिक कप से क्षित नहीं किया नवा है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत दक्त धिवितयम के धिवीन कर देने के धम्तरक के वायिक्य में कभी करने या उससे बचने में पुविधा के किए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या सम्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर धिवनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिवनियम, या धन-कर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया आना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

(1) द्यी गुरबचन सिंह पुत्र श्री ईणर सिंह गांव मानक माजरा, जिला रोपड़ ।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री जसमेर सिंह पुत्र श्री सन्तोख सिंह व श्रीमित गुरवरन कौर पत्नी श्री जसमेर सिंह निवासी 3315 सेक्टर 21-डी, चण्डीगढ़।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध, या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूचींक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा स्थोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसर्में प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त प्रविनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिष हैं; वहीं भर्ष होगा जो उस भव्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

प्लाट नं० 3349 सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ । (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2028, दिसम्बर, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द्र,, सक्षम प्राधिकारी, सहायम भाषकर ग्रयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 8 श्रगस्त 1980 ।

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 8 श्रगस्त 1980

निदेश सं : चण्डीगढ/363/80:—श्रतः मुझे, सुखदेव चन्च, आगयलर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपिता जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० प्लाट नं० 3142 है तथा जो सेक्टर 23-डी, चण्डीगढ़ में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्री कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपाल के लिए अम्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एेसी विस्ती आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को सधीन, जिम्निसिखित व्यक्तियों अर्थात्:—— (1) सर्वश्री दिलघाग राये पुत्र श्री श्रमीन चन्द व श्रीमिति शीला देवी पत्नी श्री दिलबाग राये निवासी 32,33, सेक्टर 23-डी, चण्दीगढ़।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रिव कान्त पुत्र श्री के० एल० क्यूर, निवासी 1023, सेक्टर 23-बी, चण्डीगढ़।

ज ज

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के दूवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्धों और पर्दों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया भया हैं।

ग्रनुसूची

प्लाट नं० 3142, सेक्टर 23-डी, चण्डीगड़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1949, दिसम्बर, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक द्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), (म्रर्जं न रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 8 ग्रगस्त 1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लूधियाना

लुधियाना, विनांक 8 श्रगस्त 1980

निदेश सं : चण्डीगढ़/367/79-80:---ग्रतः भूसे, सुखदेव भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/~ रपये से ग्रधिक बाजार मुल्य भौर जिसकी सं० 1/2 भाग प्लाट नं० 27 (पुराना नं० 15 गल्ली (बी) है तथा जो सेक्टर 11-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे जपाबद्ध प्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता म्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1909 का 16) के प्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बक्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भ्रधिक है धौर धन्तरक (अन्तरकों) धौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित **छहेश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित** नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग कि बाबत उक्त मधि-नियम, के भ्रधीन कर वेन के भ्रग्तरक के वायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या ब्रम्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ब्रायंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ब्रिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ब्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में ध्रांवधा के लिए;

धतः, ग्रन, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा के (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थातुः—— (1) श्री निष्त्व सिंह मान पुत्र श्री ईगर सिंह मान 104, किंग घडनडें ड्राईव हारोगेट, एन० यार्कगीर, य० के. द्वारा उसकी जनरल पावर ग्राफ ग्राटारनी श्री मलकीयत् सिंह पुत्र श्री ईन्दर सिंह गाँव व डाकखाना सहोली, जिला लुधियाना।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हरि सिंह मान पुत्र श्री हाजूरा सिंह निवासी मकान नं० 538, सेक्टर 11-बी, चण्डीगढ़।

(भ्रग्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्मन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त घषि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग प्लाटनं० 27 (पुरानानं० 15, गल्ली 'बी') सेक्टर 11-ए, चण्डीगढ़ ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1958, दिसम्बर, 1979 में दर्ज है)।

> मुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 8 प्रगस्त 1980

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

भाग्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सुभा

भारतु सुरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 प्रगस्त, 1980

निदेश सं० : भण्डीगढ़/366/79-80:----भ्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एत. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 1/2 भाग प्लाट नं० 27 (पुराना नं० 15 गल्ली 'बी') है तथा जो सेक्टर 11-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री कर्ता सिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन, तारीख दिसम्बर, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्नलिवित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण तिलित में वास्तिवक इस से कियन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत उक्त जिंध-नियम के खुधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ह) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-मृ के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों सुधृति:—

(1) श्री निरन्त्र सिंह भान पुत्र श्री ईशर सिंह भान 104 किंग एडवर्ड ड्राईव हारोगेट एन० यार्कशियर यू० के• द्वारा जनरल पावर आफ भटारनी श्री मलकीयत सिंह ग्रेवाल पुत्र श्री इन्दर सिंह गांव व डाकखाना साहोली, जिला लुधियाना ।

(मन्तरक)

(2) श्रीमित सुरजीत कौर पत्नी श्री एव० एस० मान निवासी 538, सेक्टर 11-वी, चण्डीगढ़।

(घन्तरिवी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सुम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

1/2 भाग प्लाट नं० 27 (पुराना नं० 15, गल्ली 'बी') सेक्टर 11 ए, चण्डीगढ़ ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के जिलेख संख्यानं 1957, दिसम्बर, 1979 में दर्जे है)।

सुखदेव चन्य, सक्षम प्राधिकारी, सङ्गयक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), शर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 8 ग्रगस्त, 1980।

प्ररूप **माई**० टी० एन० एस०—

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन भूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 8 ग्रगस्त, 1980

निवेश सं० : चण्डीगढ़/395/79-80:----भ्रत: मुझे, सुखदेव चन्द,

भायकर मित्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्चात् 'उन्त मित्रिम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मित्रीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-स्वये से अधिक है

भौर जिसकी संविष्णाट नंव 1374 है तथा जो सेक्टर 34-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1980 का 16) के श्रिधीन, तारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकन, निम्नलिखित उद्देश्य से उचन अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भ्राधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (का) ऐती किसी भाय या किसी धन या भ्रन्थ भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुक्कि के लिए;

धतः धवं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, बें, उक्त धिधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रधीत्:—

- (1) मेजर कंत्ररजीत सिंह खुराना पुत श्री जे० एस० खुराना, निवासी 48, सेक्टर 18-ए, अण्डीगढ़। (भन्तरक)
 - (2) श्री सुभाष चन्द्र सुनेजा पुत्र श्री राम दिला मल सुनेजा निवासी मकान नं० 3847, सेक्टर 32-डी, वण्डीगढ़।

(मन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रवंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मति के धर्मन के सम्बन्ध में नोई भी भाक्षेत :---

- (क) इस सूवता के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजनत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संबद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त गड़दों ग्रीर पदों का, जो उक्त प्रश्चितियम, के ग्रंड्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रंथ होगा, वो उस ग्रंड्याय में दिया गया है।

धनुसूची

लाट नं० 1374, सेक्टर 34-सी, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2071, दिसम्बर, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, संभाग प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भायुक्त निरीक्षण), भर्जन रेंज, सुधियाना ।

तारीखः ८ मगस्त, 1980।

मोहरः

प्ररूप आइ¹, टी. एन्. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांक्य, सहायक आयक्तर शायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 ग्रगस्त, 1980

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित् जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसको संब प्लाट नंब 1020 है तथा जो सेक्टर 36-सी, चाडीगड़ में स्थित है (भीर इस ते उनाबद्ध मा सूची में भीर पूर्ण रूप से विगत है), रजिस्ट्री कर्ता घिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तर बचने में सुविधा के लिए; और/सा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त क्ष्मिन्यम. की धारा 269-गृ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अधीतः--

- (1) फलाईट लैफ्टि॰ महिन्द्र सिंह रंधावा पुत्न श्री बलवन्स सिंह रंधावा 33, एस क्यू एन मार्फत 56 ए॰ पी॰ ग्रो॰। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमति परमजीत कौर पत्नी श्री शमशेर सिंह 33-ई बी, नंगल टाऊनशिप, जिला रोपड़। (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्मृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

प्लाट नं ० 1020, सेक्टर 36-सी, चण्डीगढ़ (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता झिधकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं ० 2044, दिसम्बर, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्तं (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 8 मगस्त, 1980।

प्ररूप आई. टी. एव. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) की अधीन सूचना

भारत् सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 8 ग्रगस्त, 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/370/79-80:---ध्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० रिहायशी प्लाट नं० 3355 है तथा जो सेक्टर 35-डी०, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्त्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्त्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से किथत महीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उनत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आहित्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—— (1) श्रीमति सावित्री पत्नी श्री जे० एस० ग्रनेजा, मकान नं० 3355 सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

(2) श्री निरन्ध नाथ मेहरा पुत श्री हुनी चन्द मेहरा निवासी 700 कुच्चा दलाला कटड़ा भाई सन्त सिंह ग्रमृतसर द्वारा ग्रार० सी डी० ग्रोवर पुत्र श्री के० ग्रार० ग्रोवर निवासी मकान नं० 3355, सेक्टर 35—डी, चण्डी-गढ़।

(ग्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी लबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपृत्ति में द्वित- व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्थव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्च अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लाट नं० 3355 सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़। (जायदवा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता भधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1978, दिसम्बर, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द, संक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 8 मगस्त, 1980 ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

पायकर पश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूत्रना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, चण्लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 श्रगस्त, 1980

निदेश सं० : चण्डीगढ़/365/79-80:---म्रतः मुझे, सुखदेव

चन्द, आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से खिक है

भौर जिसकी सं० रिहायशी प्लाट नं० 114 है तथा जो सेक्टर 36-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)., रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, खसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और श्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखिन में वास्तविक खच मे कियत नहीं किया गया है: --

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की वाबत उक्त भिक्ष-नियम के भन्नीन कर देने के भन्तरक के दामिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ज) ऐसी किसी आय या किसी घन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या घन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनायं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुबिधा के लिए;

क्षतः, ग्रव, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269—ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269—घ की उपधारा (1) के क्षधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) कर्नल एस० राणा पुत्र श्री एस० खान निवासी 155 कनधारी लेन, लखनऊ-226001।

(;स्तरक)

(2) डा० कृष्णन कुमार खुराना पुत्र श्री मंगी शाह निवासी मकान नं० 151, सेक्टर 11-ए, चण्डीगढ़। (ध्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विश की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्याक्ति द्वारा श्रघोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण :--इसमें प्रयुक्त जन्दों भीर परो का, जो उक्त प्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रथं होगा जो छस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

प्लाट नं० 114, सेक्टर 36—ए, चण्डीगढ़ । (जायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1956, दिसम्बर, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी (सहायक घायकर धायुख्त (निरीक्षण) घ्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 8 ग्रगस्त, 1980।

प्रारूप भाई • टी • एव० एस०-----

आमकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 289-थ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 ग्रगस्त, 1980

निवेश सं० चण्डीगढ़/397/79-80:---ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 45) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उधित वाजार मूस्य 25,000/- क॰ से मधिक है

धौर जिसकी सं० प्लाट नं० 36 है तथा जो सेक्टर 27-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन, दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के छिचित बाजार मूस्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पस्त्रह प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिझिनियम के अग्रीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या घन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविषा के जिए;

अतः, अव, धक्त अधिनियम की घारा 269-व के अनुसरण में, में, चक्त प्रधिनियम की घारा 269-च की छपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्घात् :---- 13--226 GI/80

- (1) लैंफ्टि॰ कर्नल बक्की तजिन्द्र सिंह पुत्र बक्की दर्शन सिंह, देहरा, तहसील नारायणगढ़ जिला, ध्रम्बाला। (ध्रन्तरक)
- (2) श्री स्वर्ण सिंह मान पुत्र श्री जगनन्दन सिंह और श्रीमित दलजीत कौर पत्नी श्री स्थर्ण सिंह, गांव व डाकखाना प्राब्दुल खुराना, तहसील मुक्तसर, जिला फरीदकोट । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
 45 दिन की धविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी
 धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसर्में प्रमुक्त अन्दों घौर पर्दों का, जी छक्त धिवित्यम के ग्रम्याय 20न में परिणाधित है, बही धर्च होगा, को उस धम्याव में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 36 सेक्टर 27-ए, चण्डीगढ़ । (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2073, दिसम्बर, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 8 ग्रगस्त, 1980।

प्ररूप धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

धायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा, 269-घ (1) के मिधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर **बायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 ग्रगस्त, 1980

निदेश सं० : ऋण्डीगढ़/ 38 9/79-8 0:---श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधोन सजन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- द• से अधिक हैं

और जिसकी सं० रिहायणी प्लाट नं० 1327 है तथा जो सेक्टर 34-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम से बृश्यमान प्रतिफल से लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिगत अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर पन्तरिती (अन्तरितियों) से बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्निजिश्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण, निश्वित में बास्तविक कर में अश्वित नहीं जिया गया है :---

- (क) धन्तरम से हुई किसी भाग की वाबत, उन्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के श्रिए; पौराया
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय गाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या भन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था था किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

भतः पन, जनत भिनियम की घारा 269-ग के भनुतर्ज में में, जनत भिनियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) भीनिक्नसिकित स्पनित्यों भर्षात:— (1) श्रीमित श्रविनाश गुरबक्श सिंह पत्नी लैंपिट० कर्नल गुरबक्श सिंह निवासी बी-10, डिफैक्स कालोनी नई दिल्ली द्वारा श्री ज्ञान चन्द वेदी पुत्र श्री किशन वेदी निवासी मकान नं० 184, सेक्टर 18-ए, चण्डीगढ़ ।

(झन्तरक)

(2) श्रीमित राजिन्द्र कौर बेदी पत्नी श्री ज्ञान भन्य वेदी श्रौर मास्टर संदीप बेदी, माईनर पुन्न श्री ज्ञान चन्द वेदी द्वारा श्रीमित राजिन्द्र कौर बेदी, माता व नेट्च्रल गार्डयन निवासी 556, सेक्टर 11-बी, चण्डीगढ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जी भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की वारी का से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी मन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास निकात में किए जा सकेंगे।

स्पड्योकरण:---इसमें प्रमुक्त शन्यों घीर पदों का, जो उक्त घडि-नियम, के अध्याय 20क में परिभावित हैं, वही धर्म होगा, जो उस घड्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायकी प्लाट नं० 1327, सेक्टर 34-सी, चण्डीगढ़ । (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2062, दिसम्बर, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 8 प्रगस्त, 1980।

मोहरः"

प्ररूप आहर. टी. एन. एस.----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 श्रगस्त, 1980

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० जायदाद नं० 3325 है तथा जो सेक्टर 23-छी, चण्डीगढ़ में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत' है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित त्युक्तियाँ अर्थात्:—— (1) श्री करतार चन्द दुश्रा पुत्र श्री गण्डा राम मकान नं० 2365, सेक्टर 23-सी, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री स्वर्ण सिंह दुम्रा पुत्र श्री सन्त सिंह दुम्रा व श्रीमति केवलजीत कौर पत्नी श्री स्वर्ण सिंह दुम्रा मारफत पंजाब एण्ड सिंध बैंक, मोरिण्डा रोपड़।

(ग्रन्तरिती)

(3) 1. श्री जनार्दन दास शर्मा, 2. ग्रार ० डी० शर्मा,
3. श्रीतिलक राज, 4. श्री महिन्द्र सिंह, 5. श्री ग्रार०
सी० शर्मा, 6. श्री तारा सिंह, 7. श्री किशोरी लाल,
8. श्री भाग सिंह, 9. श्री सुदेश मित्तल निवासी
मकान नं० 3325 सेक्टर 23~डी, चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में, सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए अर मुकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

रिहायणी मकान नं० 3325, सेक्टर 23-डी, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1994, दिसम्बर, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेष चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 8 ग्रगस्त, 1980।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के भंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 ग्रगस्त, 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/361/79-80--म्ब्रतः मुझे, सुखदेव चन्दः,

प्राप्तर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 1816 है तथा जो सेक्टर 34-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरम के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश में उक्त अन्तरम निष्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उनत श्रधि-नियम, के भाधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

धतः, धव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रषीत्।— (1) श्री वाई० पी० शर्मा पुत्र श्री जी० एन० शर्मा, निवासी 13, सेक्टर 9-ए, चण्डीगढ़ द्वारा उसकी स्पैशल पाषर श्राफ श्राटारनी श्रीमति जसबीर कौर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री धन सिंह नेगी पुन्न श्री नन्द सिंह नेगी 637, सुलतानविङ रोड, ग्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की भविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्त्रीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीध-नियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लाट नं० 1816, सेक्टर 34-डी, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1947, दिसम्बर, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन र्रेज, सुधियाना।

तारीखः : ८ भ्रगस्त, 1980 ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269थ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 भ्रगस्त, 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/394/79-80:-- म्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 2169 है तथा जो सेक्टर 35-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिसम्बर, 1979

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृहयमान प्रतिफल के लिए प्रन्तित की गई है और मुझे यह विश्वास क'रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृहयमान प्रतिफल से ऐसे बृहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है और प्रम्तरक (धन्तरकों) भीर प्रम्तिती (प्रन्तितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के मिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त प्रन्तरण खिखित में वास्तिम कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) चन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उसत भाषा-नियम के भाषीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कभी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए। भौर/या
- (च) ऐसी किसी घाय या किसी धन या घम्य प्रास्तियां को, जिन्हें भारतीय घायकर घिवनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिवनियम, या धनकर धिवनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्वं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

चतः सब, उनत भिविनयम की घारा 269-ग के सनुसरण में, में, उनत प्रिविनयम की वारा 269-व की उपवारा (1) के प्रधीन निम्निविक्त व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मेजर जसजीत सिंह पुत्र श्री वाजीर सिंह द्वारा उसकी ग्राटारनी सब लाल सिंह पुत्र श्री नन्दू लाल गांव व डाकखाना सिहाला, जिला लुधियाना ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमिति किरपांस कौर कम्बो पत्नी श्री हरबंस सिंह कम्बो द्वारा उसकी ग्राटारनी श्री जगदीप सिंह पुन श्री धर्म सिंह मकान नं० 3234, सेक्टर 27-डी, चण्डीगढ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूवना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के भव्याय 20-क में परिभाषित वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

प्लाट नं० 2169, सेक्टर 35-सी, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2069, दिसम्बर, 1979 में दर्ज है।

> सुखदेव **चन्द,** सक्षम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना।

ता**रीख: 8 श्रगस्त**, 1980। मोहर प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ(1) के समीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 श्रगस्त, 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/357/79-80:—श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चात् 'जन्त श्रिधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इपय से ब्रिधिका है

न्नौर जिसकी सं० मकान नं० 2102 है तथा जो सेक्टर 35-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (न्नौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में झौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिसम्बर, 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके पृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रविक्त है और अन्तरक (भन्तरकों) भोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त प्रन्तरण लिखित में बास्तिबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपत प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविद्या के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त भिष्ठित्यम या धन-कर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भारतिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधोन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:- (1) श्री श्रात्मा सिंह पुत्र श्री मोता सिंह निवासी 2102, सेक्टर 35-सी, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रमर नाथ पुत्र श्री मूल चन्द कोहली बूथ नं० 10, सेक्टर 35-सी, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी अरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के प्रश्नंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त मिनियम के मध्याय 20 के में परिभाषित हैं, बही मर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2102, सेक्टर 35-सी, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1935, दिसम्बर, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजैन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 8 श्रगस्त, 1980।

प्ररूप आई. टी. एन्, एस.----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 ग्रगस्त, 1980

निवेश सं० सरहिम्द 147/79-80---: अत: मुक्को, सुखदेव चन्द,

जायकर अधिनियम, 1961 वैं(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं ७ खेती बाड़ी भूमि 24 कनाल है तथा जो गांच बासी, तहसील सरहिन्द में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुभूची में ग्रीरपूण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सरहिन्द में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के नीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बौद्ध/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिह;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में; में, उक्त प्राधिनियम की बारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तिकों, अर्थात्।:---

- (1) श्री मलिबन्द्र सिंह पुत्र श्री देवा सिंह ग्राटारनी ग्राफ श्री ग्रवतार सिंह पुत्र श्री खुशाल सिंह निवासी गांव बासी, तहसील सरिह द जिला पटियाला।
 - (ग्रन्तरक)

(2) सर्व श्री लखनिन्द्र सिंह, दिवन्द्र सिंह, गिजन्द्र सिंह, निरन्द्र सिंह सारे पुत्र श्री हरबन्स सिंह निवासी गांव सूनिया माजरी, तहसील सरिंहन्द, जिला पटियाला। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः ---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीक्षर प्रवांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती बाड़ी भूमि क्षेत्रफल 24 कनाल जो गांव वासी, तहसील सरहिन्द में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी सरहिन्द के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2789, दिसम्बर, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जनरेंज, लुधियाना

तारीख: 8 श्रगस्त, 1980।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 8 श्रगस्त, 1980

निदेश सं० सरहिन्द/148/79-80:--- म्रतः मुझे, सुखदेव चन्द्र, अध्यक्तर भविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद् 'उस्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द• से पश्चिक है और जिसकी संख्या भूमिक्षेत्र 21 कनाल 4 मरले है तथा जो गांव बासी, तहसील सरिहन्द जिला पटियाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपायक म्रन् सूची में मौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता म्रधिकारी के कार्यालय, सरहिन्द में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिसम्बर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक ह भीर यह कि ग्रन्तरक (श्रन्तरकों) और मन्तरिती (मन्तरिवियों) के बीच ऐसे मन्तरण के निए नग पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित छद्देश्य से उसत अस्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं दिया वया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्राधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिशी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में संविधा के लिए।

सतः सब, उकत अधिनियम की धारा 269 में के सर्थ में, में, उक्त भिक्षियम की धारा 269 में की उपधरा (1) के अधीन, निम्नलिखित न्यक्तियों, अर्थात्

(1) श्री भ्रवतार सिंह पुत्र श्री खुणाल सिंह निवासी स्पाटू रोड, भ्रम्बाला, ब्रारा उसकी जनरल पावर भ्राफ भ्राटारनी श्रीमलविन्द्र सिंह पुत्र श्रीदेवा सिंह निवासी बासी तहसील सरहिन्द।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री लखिनित्र सिंह, दिवन्त्र सिंह, गिजन्द्र सिंह निरन्त्र सिंह सारे पुत्र श्री हरबन्स सिंह निवासी गांव सुनिया माजरी, तहसील, सरहिन्द ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त श्रश्चों और पब्रों का, जो 'खकत श्रध-नियम', के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 21 कनाल 4 मरले, गांव बासी, सहसील रहिन्द।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी सरिहिन्द के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2816, विसम्बर, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 8 ग्रगस्त, 1980।

SUPREME COURT OF INDIA

(ADMN, BRANCH I)

New Delhi, the 8th August 1980

No. F. 6/80-SCA (1).—The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed Shri K. C. Dusagh, Editor of Paper Books to officiate as Section Officer with effect from the forenoon of August 7, 1980, until further orders.

The 12th August 1980

No. F. 6/80-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed Shri Gulshan Rai Sharma Editor of Paper Books to officiate as Section Officer with effect from the forenoon of August 11, 1980, until further orders.

> B. M. CHANDWANI Assistant Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 26th July 1980

No. A- 19014, 10 80-Admn, L-The President is pleased to appoint Shri Ghisa Ram a Section Officer of the C.S.S. cadre of Ministry of Health and Family Welfare as Under Secretary in the office of Union Public Service Commission w.e.f. forenoon of 8th July, 1980 until further orders.

The 31st July 1980

No. A. 19014/4/77-Admn. 1.—The President is pleased to permit Shri S. C. Sharma, an Officer of the Indian Statistical Service and Officiating as Deputy Secretary in the office of Union Public Service Commission, to retire from Government Service, after attaining the age of superannuation with effect from 31-7-1980 (A.N.).

No. A. 32014/1/80-Admn, I.—The president is pleased to appoint the following Selection Grade Personal Assistants (Selection Grade for Grade C)/Personal Assistants (Grade C of the CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission to officiate as Senior Personal Assistants (Grade B of the CSSS) in the same cadre in a purely provisional, temporary and ad-

hoc capacity for a period of 3 months with effect from 2-8-1980 to 1-11-1980 or until further orders, whicheever is earlier.

S. No	Name	Regular Fpost held	Post to which ad-hoc appointment made	Period for which ad- hoc appoint- ment made	Remarks
1.	2.	3.	4	5	6
,	Shri S. P. Mehra	. Officiating Selection grade for Grade C Stenographer and permanent P. A. (Grade C of the CSSS).	Senior P. A. (Grade B of the C.S.S.S.)	2-8-1980 f To 1-11-1980	Against select list vacancy reported as reserved for SC. Against 3 posts created
3. E	O. P. Deora . Hukam Chand H. C. Katoch .	· ·			by temporarily down- grading post of Private Secretaries.

2. The above mentioned persons should note that their appointment as Senior P. A. (Grade B of the C.S.S.S.) is purely temporary and on ad-hoc basis and will not confer on them any title for absorption in Grade B of C.S.S.S. or for seniority in that Grade. Further, the aforesaid [ad-hoc appointment is also subject to the approval of the Department of Personnel & Administrative Reforms.

The 5th August 1980

No. A. 19014/13/80-Admn. I.—The president is pleased to appoint Shri K. C. Ratowal a Section Officer of C.S.S. cadre of the Ministry of Steel & Mines (Department of Steel) and working as Desk Officer in that Department, as Under Secretary in the office of Union Public Service Commission w.e.f. forenoon of 26th July, 1980 until further orders.

S. BALACHANDRAN Dy. Secy. UPSC

New Delhi-110011, the 21st June 1980

No. A-11016/1/76-Admn. III.—The President is pleased to applied the following perminent Section Officers of UPSC to perform the duties of Desk Officers, for the periods indicated against each, or until further orders whichever is earlier, in the office of Union Public Service Commission.:—

SI. Name No.	Period for which promoted	Branch to which posted
1. Shri B. Sunderesan .	10-6-80 to 1-8-80	Services II
2. Shri Dhanish Chandra .	10-6-80 to 30-6-80	R-R

2. The above officers shall be granted a Special Pav @ 75/- per month in terms of DOP & AR OM .No. 12/1/74-CS(1) dated 11-12-75.

> S. BALACHANDRAN Under Secy. Incharge of Administration

New Delhi-110011, the 15th July 1980

No. A. 32013/3/79-Admn, L.—In continuation of Union Public Service Commission Notification of even number dated 22-2-1980, the President has been pleased to appoint Shri M. R. Bhagwat, Permanent Grade I Officer of CSS cadro of U.P.S.C. as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on ad hoc basis for a further period of three months w.e.f. 24-5-80 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32013/3/79-Admn. I.—In continuation of U.P.S.C. Notification of even number dated 22-2-1980, the President has been pleased to appoint Shri S. K. Bose, a Permanent Grade I Officer of C.S.S. cadre of U.P.S.C. as Deputy Secretary in the office of U.P.S.C. w.e.f. 19-5-1980 until further orders.

> S. BALACHANDRAN Under Secv. UPSC

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 11th August 1980

No. A-19027/2/79. Ad V.—In supersession of the notification of even No. dated 15-2-80. The President is pleased to appoint Shri S C. Mittel, permanent Sr. Scientific Assistant, CFSL/CBI New Delhi working as Sr. Scientific Officer (Documents) in CFSL on ad-hoc basis to officiate in the post of Sr. Scientific Officer (Documents) CFSL/CBI on regular basis w.e.f. 31-5-80 until further orders,

The 12th August 1980

No. PF/M-52/65-Ad. V.—On attaining the age of superonnuation, Shri M. M. Narendranath, Dy. Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation on deputation to ITDC as Security Officer retired from Government Service with effect from the afternoon of 31-7-1980.

No. A-19036/10/77-Ad. V.—On attnining the age of superannuation, Shri R. S. Narvekar, Dy. Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation on deputation to CBI from Maharashtra Police relinquished charge of the office of Dy. Superintendent of Police with effect from the afternoon of 31-3-1980.

The 14th August 1980

No. A-19036/4/76. Ad. V.—On attaining the age of superannuation, Shri Shariful Haan, Dy. Superindent of Police, Central Bureau of Investigation relinquished charge of the office of Dy. Superintendent of Police with effect from the afternoon of 31-7-80.

Q. L. GROVER Administrative Officer (E) CBI

OFFICE OF THE INSPECTOR-GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110019, the 14th July 1980

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer to Udyogamandal Shri P. Balakrishnan Pillai relinquished the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, CPT Cochin w.e.f. the afternoon of 30th June, 1980.

Inspector-General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 6th August 1980

No. 11/1/80-Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri J. K. Balakrishnan Nambier, an Officer belonging to the Kerala Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Kerala, Trivandrum, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 11 July, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Nambier will be at Trivandrum,

No. 11/1/80-Ad, I.—The President is pleased to appoint Shri K. S. Vellodi, an officer belonging to the Kerala Civil Service as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Kerala at Trivandrum, with effect from the forenoon of the 9th June, 1980, until further orders.

- The headquarters of Shri K. S. Vellodi will be at Trivandrum.
- 3. This issues in supersession of this office notification of even number dated 2-7-1980.

The 11th August 1980

No. 10/29/78 Ad.I.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri V. K. Choubey, as Air Photo Interpreter in the office of the Registrar General, India, New Delhi, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of July 31, 1980, until further orders.

2. The headquarters of Shri Choubey will be at New Delhi.

No. 11/8/80 Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri M. M. Sankhey, an Officer belonging to the Maharashtra Civil Service, as Deputy Director of Census Operations, in the Office of the Director of Census Operations, Bombav, by transfer on deputation, with effect from the afternoon of 14 July, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Sankhey will be at Pune.

No. P/K (8) Ad. I.—On expiry of the period of his foreign assignment as Consultant in Sampling to the Government of Iraq under the United Nations Development Programme, Shri Lal Krishan, who was authorised proforma promotion to the grade of Deputy Director of Census Operations with effect from 26-6-1978, in this office vide this office notification No. 2/1/75-RG(Ad. I) dated 19-9-1978, has taken over charge of the office of the Deputy Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operation, Uttar Pradesh, Lucknow, with effect from the forenoon of 14 July, 1980.

His headquarters will be at Lucknow.

P. PADMANABHA Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE

Deptt, of Economic Affairs. Bank Note Press: Dewas, the 30th July 1980

F. No. BNP/C/5/80,—In continuation to this Deptt's. Notifications No. BNP/5/79 dated 7-12-79 and No. B NP/C/5/80 dt. 1-4-80 the ad-hoc appointments of the following Officers are hereby extended upto the dates shown against each.

S. Name No.	Post to which ad-hoc appoint-ment is made.	Date upto the ad-hoc appointment continued.
S/Shri		
1. M. Ponnuthurai .	. Technical Officer (Printing & Plate making).	30-6-80
2, D, R, Kondawar	. Do.	Do.
3, Y. Janardhan Rao	, Do.	Do.
4. Rampal Singh .	. Do.	Do.
5. N. R. Jairaman .	. Do.	Do.
Samarendra Dass	. Do.	Do.
V. Venkataramani	. Do.	Do.
8. Mridul Dutta	. Technical Officer (Designing & Enginering)	Do.
9. A. K. Ingle .	. Technical Officer	16-5-80
	(Ink factory Research & Lab).	(A.N.)
10. J. N. Gupta	. Technical Officer (Ink Factory Production).	Do.

The 10th August 1980

No. BNP/C/5/80.—Shri G. L. Damor, permanent Inspector Control is appointed on reguler basis to officiate as Dy. Control Officer (Group 'B' Gazetted) in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB 35-880-40-1000-EB-40-1200 in the Bank Note Press, Dewas (M.P.) with effect from 23-6-80 (FN) until further orders.

P. S. SHIVARAM General Manager

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 11th August 1980

No. 1966/A. Admn/130/79-80.—The Director of Audit, Defence Services is pleased to appoint Shri T. Halappa, Substantive member of Subordinate Accounts Service to officiate & Audit Officer in the office of the Audit Officer, Defence Services, Allahabad, with effect from 5-7-1980 (F.N.), until further orders.

No. 1965/Λ-Admn/130/79-80.—The Director of Audit, Defence Services is pleased to appoint Shri B. M. Rama Krishnan, Substantive member of Subordinate Accounts Ser-

vice to officiate as Audit Officer in the office of the Joint Director of Audit, Defence Services, S. C. Pune, with effect from 24-7-80 (F.N.), until further orders.

A. P. SINHA
Joint Director of Audit
Defence Services

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE C.G.D.A.

New Delhi-110022, the 6th August 1980

No. 18249/AN-I.—The President is pleased to accept the resignation of Shri A. V. NIRANJAN RAO, from the Indian Defence Accounts Service with effect from the 30th June 1980 (Afternoon).

The 7th August 1980

No. 18409/AN-I.—On attaining the age of 58 years, Shri A. K. Ghosh, ACDA will be transferred to the Pension Establishment with effect from 31-1-1981 (AN) and accordingly struck off strength of the Defence Accounts Department with effect from 31-1-1981 (AN).

No. 68012(6)/79/AN-I.—The President is pleased to appoint Shri Dularey Lal Kanojia, permanent Accounts Officer to officiate in the Junior Time Scale of the regular cadre of the Indian Defence Accounts Service (Rs. 700—1300) with effect from 30th June 1980 (FN) until further orders.

R. L. BAKHSHI Addl. Controller General of Defence Accounts (Admu.)

MINISTY OF DEFENCE D.G.O.F. HQRS. CIVIL SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-700069, the 1st August 1980

No. 17/80/A/E-1.—On attaining the age of superannuation, Shri Manindra Nath Guha, Subst. & Permtt. Asstt., Offg. ASO retired from service with effect from 31-7-80 (A.N.).

D. P. CHAKRAVARTI ADGOF/Admin. for Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 18th August 1980

No. A. 19018/33/73-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Shri B. M. Goyal, Assistant Director (Gr. I) (Mechanical) in Extension Centre, Kota as Deputy Director (Mechanical) on ad-hoc basis in Smell Industries Service Institute, Allahabad with effect from the forenoon of 31-7-80 until further orders.

M. P. GUPTA Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 11th August 1980

No, A-1/3 (26).—The President is pleased to appoint Shri D. K. Chakraborty, Asstt. Director (Gr. I) to officiate as Dy. Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A'), on regular basis, in this Directorate General at Headquarters with effect from the forenoon of 1-8-1980.

Shri D. K. Chakraborty will be on probation for 2 years from 1-8-1980.

K. KISHORE
Deputy Director (Administration)
for Director General, Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL & MINES (DEPARTMENT OF MINES) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 5th August 1980

No. 5856B/A-19012(4-GK)/78-19B.—On his being permanently absorbed in the Mineral Exploration Corporation Limited, Shri George Kurien, Driller resigned from the service in the Geological Survey of India with effect from 24-9-1977 (F.N.).

The 7th August 1980

No. 5950B/A-19012(4-JRO)/78-19B.—On his being permanently absorbed in the Mineral Exploration Corporation Limited, Shri J. R. Ohri, Driller resigned from the service in the Geological Survey of India with effect from 1-10-1977 (FN).

V. S. KRISHNASMAMY, Dir. Genl.

SURVEY OF INDIA SURVEYOR GENERAL'S OFFICE Dehra Dun, the 14th August 1980

No. El-5650/881-Officers.—The services of Dr. Kuldev Singh Negi, M.B.B.S., who was appointed as Medical Officer in G.C.S. Group 'B' Service in Survey of India Dispensary Hathibarkala, Dehra Dun on purely temporary basis vide Notification No. El-5615/881-Officers dated the 8th April, 1980 have been terminated w.e.f. 10-7-1980 (F/N) on joining the post by a regular Medical Officer.

K. L. KHOSLA, Major-General, Surveyor General of India

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-26, the 7th August 1980

No. A-19012/3/80-Est.I.—Shri R. T. Kale, an Accounts Officer in the office of the Accountant General, Maharashtra I, Bombay has been appointed to officiate as Accounts Officer in the Films Division, Bombay from 29-7-1980 (F.N.) on deputation basis.

N. N. SHARMA.
Acting Administrative Officer
for Chief Producer

NATIONAL ARCHIEVES OF INDIA

New Delhi-1, the 11th August 1980

No. F. 11-24/79-A.1.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the Director of Archieves, Government of India, hereby appoints Dr. Gurmeet Singh, as Scientific Officer (Class II) Gazetted on regular temporary basis w.c.f. 28-7-80 (F.N.) until further orders.

S. A. I. TIRMIZI, Director of Archieves

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 8th August 1980

No. 10(29)/77-SIII(Part).—The Director General, All India Radio accepts the resignation of Shri Farruq Ameen

from the post of Assistant Engineer, Doordarshan Kendra, Hyderabad with effect from afternoon of 5th April, 1980.

No. 10/16/78 SIII.—The Director General, All India Radio appoints Shri Anand Kumar as Assistant Engineer at All India Radio, Bombay in a temporary capacity with effect from the forenoon of 4th July, 1980, until further orders.

H. N. BISWAS,
Dy. Director of Administration
for Director General.

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridahad, the 14th August 1980

No. A.19027/27/80-A.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee, Shri C. Swamidas, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group 1) in this Directorate at Madras with effect from 15-7-80 (FN), until further orders.

The 18th August 1980

No. A.19023/65/78-A III.—The short-term appointments of the following officers to the posts of Marketing Officer (Group I) in this Directorate have been extended upto 30-9-80 or until regular arrangements are made, whichever is earlier:—

- 1. Shri R. V. Kurup
- 2. Shri S. D. Phadke.

B. L. MANIHAR,
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser
for the Government of India

DEPARTMENT OF ATOMIC FNERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 28th July 1980

No. DPS/23, 8/77/Est./12436.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri A. M. Parulkar, temporary Assistant Accountant of this Directorate to officiate as Assistant Accountant Officer in the scale of pay of Rs. 630-30-740-35-880-HB-40-960 on an adhoc basis in the same Directorate with effect from Lebruary 14, 1980 (FN) to March 15, 1980 (AN) vice Shri V. K. Bhave, Assistant Accounts Officer granted leave.

K. RAVEENDRAN, Assistant Personnel Officer

DEPARTMENT OF SPACE ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore-560058, the 11th August 1980

No. 020/3 (061)/A/80.—Controller ISRO Satellite Centre is pleased to appoint the following personnel to the posts mentioned against each with effect from 1-1-80 (FN) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960.

SI. No.	Name	- 11		Designation
S/SI			_	
	nkitachalam			Asst. Administrative Officer
2. C. K	. Narayanan .			Asst. Accounts Officer.
	. Prabhakara			Asst. Purchase Officer.
4. U. V				Asst. Stores Office:
	kımıchandran Na	air		Asst. Stores Officer.
6. V. K	Thomas			Asst. Stores, Officer.

No. 020/3(061)/R/80.—Director ISRO Satellite Centre is pleased to compulsorily retire Shn H. V. Ramaswamy, officiating Scientist/Engineer SB from service with effect from forenoon of June 6, 1980.

P. N. RAJAPPA, Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 7th, August 1980

No. A.19011/37/80-E.I.—On attaining the age of superannuation, Shi H. S. Gulati, Director, ARA(P), in the Civil Aviation Department relinquished charge of his duties on the afternoon of the 31st July, 1980.

The 11th August 1980

No. A.32013/2/79-E.I.—In continuation of this Department Notification No. A.32013/2/79-E.I., dated the 14-12-79, the President is pleased to appoint Shri R. Narasimhan, Sr. Scientific Officer to the post of Deputy Director, Research & Development in the Civil Aviation Department on ad-hoc basis, beyond 31-3-80 or till the same is filled on regular basis, whichever is earlier.

C. K. VATSA. Assistant Director of Administration

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 14th August 1980

No. 27/80.—Shri Kamal Kumar, on being nominated by the U.P.S.C., has been appointed as Superintendent Central Excise Group 'B' (Chemical Engineering) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200 in the Headquarters Office of the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise at New Delhi and assumed Charge of the post on 2-8-1980 (Forenoon).

K. J. RAMAN, Director of Inspection

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES,

Bombay, the 5th August 1980

No. 13566/Liq.—Notice is hereby given pursuant to section 445(2) of the Companies Act, 1956 that M/s Konkan Canned Food Products Ltd. (In Liq.) has been ordered to be wound up by an order dated 14-2-79 passed by the High Court of Maharashtra and that the Official Liquidator attached to the High Court of Maharashtra has been appointed as the Official Liquidator of the company.

S. CHAND, Asstt. Registrar of Companies, Maharashtra, Bombay.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s Kalyan Industries Private Limited.

Ahmedabad, the 11th August 1980

No. 396/560.—Notice is hereby given pursuant to sub section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Kalyan Industries Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. J. Dima Finance Private Limited.

Ahmedabad, the 11th August 1980

No. 1814/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s J. Dima Finance Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

J. G. GATHA, Registrar of Companies, Gujarat

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Associated Service (India) Limited.

Shilong, the 12th August 1980

No. 655/560/(5)/1719.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s Associated Service (India) Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s Rupmahal Theatres Private Limited.

Shilong, the 12th August 1980

No. 1113/560(5)1721.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Rupmahal Theatres Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. K. BHATTACHARJEE, Registrar of Companies, Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura, Nagaland, Arunachal Pradesh & Mizoram, Shillong.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Visakha Transport Service (P) Ltd.

Hyderabad, the 12th August 1980

No. 973/TA.I/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the company Visakha Transport Service (P) Ltd.

unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

V. S. RAJU, Registrar of Companies, Andhra Pradesh, Hyderabad.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX DELHI-V

New Delhi, the 5th August 1980 INCOME TAX

No. CIT.V/Jur./80-81/12699.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) and (2) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and partial modification of the notification issued earlier on the subject, Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi hereby directs that the I.T.O. Distt. II (12), New Delhi shall have concurrent jurisdiction with I.T.O. Distt.II(4), New Delhi in respect of the persons/cases assessed/assessable by them.

For the purpose of facilitating the performance of the functions, CIT Delhi-V also authorises the I.A.C. Range-V-A, New Delhi to pass such orders as contemplated in sub-section 2 of Section 124 of the Income-tax Act, 1961.

This notification shall take effect from 24-7-80.

No. CIT-V/JUR/80-81/13259.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) and (2) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and partial modification of the notification issued earlier on the subject, Commissioner of Income-tax Delhi-V, New Delhi hereby directs that the I.T.O. Distt. II(11), New Delhi shall have concurrent jurisdiction with I.T.O. Distt.II(15), New Delhi in respect of the persons/cases assessed/assessable by them excepting the cases assigned u/s 127 or which hereafter be assigned.

For the purpose of facilitating the performance of the functions, CIT Delhi-V also authorises the I.A.C. Range-V-A, New Delhi to pass such orders as contemplated in sub-section 2 of Section 124 of the Income-tax Act, 1961.

This noitification shall be in force from 11-7-80 to 15-7-80.

R. D. SAXENA, Commissioner of Income tax. Delhi-V, New Delhi.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 2nd August, 1980

Ref No. Raj/IAC(Acq)—Whereas, I, M.L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 121, 122 & 124 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 11-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kailsh Roop Rai, S/o Shri Kedar Roop Rai, B-Road, Sardarpura, Jodhpur.

 (Transferor)
- (2) Shri Ram Kishan and Sh. Jagdish Chandra, sons of Bikamchad, P-121, I-B Road, Sardarpura, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of plot No. 121, 122 and 124 I-B-Road, Sardarpura, Jodhpur and more fully described in sale deed regisreted by SR, Jodhpur vide No. 736 dt. 11-4-1980.

M.L CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 2-8-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Kailash Roop Rai s/o Shri Kedar Roop Rai B-Road, Sardarpura, Jodhpur,

(Transferor

(2) Smt. Hamida Khanam d/o Noor Khan Muslim, Nehru Railway Colony, Jodhpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 2nd August 1980

Ref. No. Raj/IAC (Acq)-Whereas, I. M.L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 121 to 124 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jodhpur on 11-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Portion of property at Plot No. 121, to 124, I-B Road, Sardarpura, Jodhpur and more fully described in the sale deed gistered by the SR, Jodhpur vide No. 738 dated 11-4-80.

> M.L. CHAUHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Date: 2-8-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 2nd August 1980

Ref. No. Raj/IAC (Acq.)—Whereas, I, M.L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Plot No. 121, 122, 124 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur, on 11-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kailash Roop Rai s/o Shri Kedar Roop Rai B-Road, Sardarpura, Jodhpur.

 (Transferor)
- (2) Shrimat Pari Devi w/o Shri Amritlalji, P-121, I-B-Road, Sardarpura, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Plot No. 121, 122, 124, I-B-Road, Sardarpura, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by SR, Jodhpur vide No. 734 dated 11-4-1980.

M.L. CHAUHAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 2-8-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISIION RANGE, JAIPUR

Jaipur the 2nd August 1980

Ref No. Raj/IAC (Acq)—Whereas, I M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 121 to 124 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 11-4 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—
15—226GI/80

- (1) Shii Kailash Roop Rai, S/o Shri Kedar Roop Rai, B-Road, Sardarpura, Jodhpur. (Transferor)
- (2) Shri Chandra Prakash & Ramesh Kumar Sons of Shri Amarchand, Chopasni Road, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Corner plot No. 121, to 124 l-B-Road, Sardarpura, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the SR, Jodhpur vide No. 735 dated 11-4-80.

M. L. CHAUHAN

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Jappur

Date 2-8-1980. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUITTION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 2nd August 1980

Ref No R. //14C (Ac.4) - Whereas, I M L CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No Plot No 121 to 124 situated at Jodhpur (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jodhpur on 14-4 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moreys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kailash Roop Rai, S/o Shri Kedar Roop Rai, B-Road, Sardarpura, Jodhpur (Transferoi)
- (2) Shrimati Badami Devi, w/o Heeralal, P-121, I-B-Road, Sardarpura, Jodhpur (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Corner plot No 121 to 124,I B-Road, Sardarpura, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the SR, Jodhpur vide No 737 dt 14-4-1980

M L CHAUHAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Jaipur

Date 2-8-80 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISIION, RANGE JAIPUR

Jaipur, the 2nd August 1980

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)—Whereas, I M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at Bikaner

(and more fully described in the Schedule unnexed hereto), has been transferred under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bikaner, on 17-12-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gopaldass, Chandra Mohan sons of Shri Govind Dass and Smt. Amar Devi, widow of late Shri Govind Dass Mundra, Bikaner.

(Transferor)

(2) Shrimati Sahadara Devi w/o Shri Bulakidas and Smt. Rukmani Devi, w/o Shri Durgadass Jhanwar, Ganga marg, Bikaner.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building situated at Mohalla Bargrian, Bikaner and more fully described in the sale deed registered by SR, Bikaner vide No. 1340 dated 17-12-1979.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisitin Range, Jaipur

Date: 17-7-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION, RANGE CENTRAL JAIPUR

Jaipur, 2nd August 1980

Ref. No. Rai/INC(NCQ)—Whereas, 1 M.L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Factory situated at Kishangarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kıshangarh on 22-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Oswal Sizing Industries, through Partners Modulal, Smt. Premdevi, Smt. Shriya Devi, Rajkumar Amarchande, Nihalehand, Dharmichand, Madangani, Kishangarh, Distt. Ajmer.

(Transferor)

(2) M/s Gaun Shankar Sizing Industries, through Partners Premsukh, Shriballabh, Gaurishankar, Maheshchand, Santoshkumar S/o Rameshwarlal Bivani (Jpr) C/o Anand Nagar, Kishangarh, Distt. Ajmer. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory situated at Azad Nagar, Kishangarh and more fully described in the sale deed registered by the S. R., Kishangarh vide registration No. 1133 dated 22-12-1979.

M. L. CHAUHAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-8-80.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 7th August 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1688—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have teason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Idgah Hills

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 4-1-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Nandlal Arora, s/o L/khri Karamchand ji, r/o Punjab National Bank Colony, Bhopal (Transfor
- (2) Smt Prasanna Thankachy, w'o Major S. Ramchandran, C/o Shri Thomas, r/o M.I.G. No. 1, Jamalpura, Bhopal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servict of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act sholl have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed incomplete house constructed on plot No 3 (Punjab National Bank Colony), situated at Idgah Hills, Bhopal-Khasra No. 16.

VIJAY MATHUR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date 7-8-1980. Seal:

FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 7th August 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1689—Wherees. J VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situtated at Mahesh Neger Celeny

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Indore on 17-12-1979

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S.nt. Brajbala Chakravarti, W/o Shri Goklesh Chakravarti, R/o South Yeshwant Ganj, Indore.

(Transferor)

Shri Huridas S/o Shri Kishunchandji Mohta,
 Maheshnagar, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Plot situated at Street No. 6, Mahesh Nagar Colony, Indore having area of 2650 sq. ft.

VIJAY MATHUR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date 7-8-1980 Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTŢ. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 7th August 1980

Rsf. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1690—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot situated at South Tukoganj

(and more fully described in the Schedule annoxed hereto) has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 21-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

 Dr. (Smt.) Sushma Bandi, W/o Shri Sudarshen Kumer Bandi, R/o 15/7 South Tukoganj, Indore.

(Transferor)

1. Shri Kewalkrishna,
 2. Shri Rajeevkumar, sons of Shri Bhagatramji,
 R/079, Ranipura, Main Road, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 52/5 having area of 3600 sq. ft., situated at South Tukoganj, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisitin Range, Bhopal.

Date 7-8-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 7th August 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/J691—Whereas I, VIJAY MAHTUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable provides

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Lasudia Mo11

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 4-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dhulji S/o Ghisoji Rajput, R/o Lesudia Meri, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Pulak Vardhan Lehia, S/o Shri Narain Presed Lohia, R/o East India Agency, Hamir Street, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Lasudia Mori—Khasra No. 102/1 Rakba 1.25—situated at Indore Dewas Road—having area of 1.25 acres (54,450 sq. ft.)

VIJAY MATHUR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisitin Range, Bhopal

Date: 7-8-1980.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMU TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUIITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 7th August 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1692---Whereas J. VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 6-12-1979

for an apparent consideration

No. House situated at Khajoori Bazar,

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
16—226GI/80

(1) Shri Sagarmal S/o Dwarka Prasad Parasram Puria, R/o Khajoori Bazar, Mahatma Gandhi Marg, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Brijmohan Agarwal, S/o Shri Bonduram Agarwal, R/o H. No. 419, Khajoori Bazar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground Floor of House No. 168, situated at Khajoori Bazar, Indore,

VIJAY MATHUR
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acuisition Range, Bhopa

Date: 7-8-1980,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 7th August 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1693—Whereas, I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing

No. Plot House situaed at Dubey Colony

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 11-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Raghunath S/o Shri Kajodimalji, R/o Dutey Colony, Indore.

(Transferor)

- (2) (1)Shri Lokumal, S/o Shri Chandiramji, R/o 42-B, Premnagar, Colony, Indore.
- (2) Shri Kishore, S/o Shri Chandiram, R/o 42-B, Premnagar, Colony, Indore,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Northern part of hore constructed on plot No. 3, situated at dubey Colony, Indore,

VIJA Y MATHUR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Ac quisitin Rerge, Bleffel

Date: 7-8-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 7th August 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1694—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot and House situated at Dubey Colony

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 4-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Raghunath, S/o Shri Kajodimalji, R/o H. No. 13, Dubey Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Kishore, S/o Shri Chandiramji, R/o 42-B, Premnagar Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Southern Part of House on Plot No. 13, situated at Dubey Colony, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 7-8-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 7th August 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1695—Whereas, I, VIJAY MATHUR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri, land situated at Lal Bagh Road, Burhanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Burhappur on 11-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Bishan S/o Sh. Chhagan,
 - (2) Arjun S/o Sh. Bishan,
 - (3) Pandit, Do.
 - (4) Ram Bhau, Do.
 - (5) Kantilal, Do. (6) Gopal, Do.
 - all R/o Lalbag Mall, Tch. Burhanpur, Distt. East Nimar.

(Transferor)

(2) Shroe Vijay Griha Nirman Sahakari Samiti Maryadit, Lalbag, Burhanpur, through: Shri Harishchand, President

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculturalland bearing No. 23 situated on Lal Bagh Road, Burhanpur, Distt. East Nimar.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopa I

Date: 7-8-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 7th August 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1696—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 26-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri K. Rampratap Singh s/o Thakur Ramsinghji Raj, I.F.S., Through Shri Thakur Narayan Singh s/o Thakur Ramsinghji Raj, Retd. Revenue Commissioner, 3/1 Palasia, Indore.

(Transferor)

(3) Shri Ramchandra s/o Shri Mangilal Mishra r/o 16/1, New Palasia, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, ot the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 7-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal the 7th August 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1697—Whereas, I, VIJAY MATHUR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House situated at Kundleshwar Ward.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khandwa on 26-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ramprakash, S/o Gayaprasad, R/o Kundleshwar Ward, Khandwa

(Transferor)

S/Shri

- (2) (1) Narayandas, S/o Sh. Daryanomal Rajani,
 - (2) Kishanchand,
 - l, Do. Do.
 - (3) Murlidhar, Do.(4) Udhavdas, Do.

all R/o Kundleshwar Ward, Khandwa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. 211, situated at Kundleshwar Road, Khandwa.

VIJAY MATHUR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acqisition Range, Bhopal

Date: 7-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 7th August 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1698—Wherea, I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agri. land situated at Khandwa Jawar Road, Khand wa (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khandwa on 19-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri (1) Maheshchandra, S/o Kunjilal Kanungo,
 - (2) Ranjankumar,
 - (3) Arjunkumar, sons of Shri Maheshchandra Kanungo, all R/o Jawahar Ganj, Rameshwar Road, Khandwa

(Transferor)

- (2) Adarsh Parivar Grih Nirman Sahakari Samiti Maryadit, Khandwa, through :
 - (1) Shri Kishorilal, S/o Kaluram Varma, President
 - (2) Shri Devendrasingh, S/o Gulabsingh Tomar

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land on Khandwa Jawar Road, Khandwa on Kh. No. 44/2 having area of 92,250 sq. ft.

VIJAY MATHUR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 7-8-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 12th August 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1699—Whereas, I, VIJAY MATHUR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House ituated at Satna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Satna on 27-12-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Sundarlal, S/o Bholadeen Agrawal, (2) Sh. Baijnath, S/o Sundarlal Agrawal, (3) Dr. Hari Agrawal, S/o Sundarlal Agrawal, (4) Sh. Ghyanshyamdas S/o Sundarlal Agrawal, (5) Sh. Arunkumar, S/o Sundarlal Agrawal (6) Sh. Arjundas, S/o Sh. Gaya Prasad Agrawal, (7) Sh. Jeevendas, S/o Sh. Gayaprasad Agrawal, R/o Nagaud Hall, Satna.

(Transferor)

(2) Shri Khemchand S/o Shri Chhatumal Sabnani, R/o Satna, C/o M/s Totamal Budamal Cloth Merchant, Chowk Bazar, Satna.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 519/1 Ward No. 15, situated in the Main Market, Satna.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 12-8-1980.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONNER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 12th August 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1700--- Whereas, I, VIJAY MATHUR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,300/-and bearing

No. House situated at Satna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Satna on 27-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

17---226GI/80

- (1) (1) Sh. Sundarlal S/o Bholadeen Agrawal,
 - (2) ,, Baijnath, S/o Sundarlal Agrawal,
 - (3) Dr. Hari, S/o Do.
 - (3) Sh. Ghanshyamdas, S/o Do.
 - (4) "Arunkumar S/o Do.
 - (6) Sh. Arjundas, S/o Gaya Prasad Agrawal,
 - (7) "Jeevandas, S/o Gaya Pd. Agrawal, all R/o Nagaud Hall, Chowk Bazar, Satna

(Transferor)

(2) Shri Gagandas, S/o Chhatumal Sabnani, R/o Satna, C/o M/s Totaram Budamal Cloth Merchant, Chowk Bazar, Satna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 519/1, Ward No. 15 situated in the main market, Satna.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date 12-8-1980 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 12th August 1980

Ref. No. IAC/ACQ/RPL/80-81/1701---Whereas, I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot situated at Chatapara

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 1-1-1980

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 627 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri D yanand Verma S/o L/Shri Devi Prasad Verma, Advocate, Chatapara, Bilaspur

(Transferor)

- (2) (1) Shri Akhil Pratap Singh S/o Shri Balram Singh, R/o Chatapara, Bilaspur.
 - (2) Shri Dipendrasingh, S/o Shri Manohar Singh, R/o Tilsara, Bilaspur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Sheet No. 9 of Plot No. 14/1, area 3391 sq. ft. Plot No. 14/12, area 5609 sq. ft. (total area 9000 sq. ft.) situated at Chatapara, on Bilaspur Mungeli Road, Bilaspur.

VIJAY MATHUR
Computent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal,

Date: 12-8-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 12th August 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1702-Whereas, I, VIJAY MATHUR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House situated at Gandhiward

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Narsinghpur on 6-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shri Ishwarsingh, S/o Sardar Govindsingh, R/o Betul (Transferor)
- (2) Shri Durga Prasad, S/o Shri Maroolalji, Nema, R/o Kandeli, Teh. & Distt. Narsinghpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated at Gandhi Ward, Narsinghpur.

VIJAY MATHUR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal

Date 12-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 12th August 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1703—Whereas, I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House situated at Nai Abadi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mandsaur on 18-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ramgopal S/o Mishrilal Agrawal, Nai Abadi, Mandsaur.

(Transferor)

(2) Shri Lilaram S/o Shri Sewaram Babani, Mandsaur (Shankar Stores)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated near Dutt Mandir, Gali No. 1, Nai Abadi, Mandsaur.

VIJAY MATHUR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 12-8-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANG, BHOPAL

Bhopal, the 12th August 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1704---Whereas, I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Shop situated at Jamnalal Market, Sarafa Bazar, Lashki r (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 25-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Kishanlal S/o Shri Ganpatlal Johari,
 R/o Sarafa Bazar, Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Smt, Darshan Rani Chawla W/o Shri Baburamji Chawla, R/o Vivekanand Colony, Phalke-ke-Goth, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop on the ground floor (Shop No. B-1) situated at Jamnalal Market, Sarafa Bazar, Lashkar.

VIJAY MATHUR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 12-8-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-, BOMBAY

Bombay, the 8th August 1980

Ref. No. AR-I/4369-10/Feb. 80—Whereas, I, A.H. TEJALE being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.S. No. 1409 of Lower Parel Division situated at Lower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 12-2-1980 Document No. 1163/76/Bom.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Ramesh N. Thakkar, Radhabai M. Thakkar (Transferor)
- (2) Anjali Happy Jeevan C.H.S. Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1163/76 Bom and as registered on 12-2-1980 with the Sub-registrar, Bombay.

A. H. TEJALE
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bombay

Dato: 8-8-1980 .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi-110002, the 20th August 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SRI/12-79/6023—WHERAS I, Miss R. K. CHAHAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Bunglow No. 16 Block No. 2 situated at East Patel Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 11-12-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Km. Shanti Partap Rai d/o Partap Rai, Sant Singh r/o 2/16, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferot)

(2) S. Attar Singh s/o Bhagwan Singh, Smt. Mohinder Kaur w/o Attar Singh, Waryam Singh, Amarjit Singh and Harpal Singh S. s/o Attar Singh r/o 45/3, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One double storeyed house No. 16 in Block No. 2E, situated in East Patel Nagar, New Delhi with land measuring 800 sq. yds. bounded as under:—

North South

Road Proper Road

Property No. 2E/15,

East

West

Service Lane

Miss R. K. CHAHAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date 20-8-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi-110002, the 20th August 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SRI/12-79/6020.—WHEREAS I, Miss R. K. CHAHAL

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D-14A/13, situated at Model Town, Delhi

(and more fully described in the Schedule sanexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Devi Dayal Dhingra s/o Ram Narain Dhingra r/o at Present Faridabad, Haryana.

 (Transferor)
- (2) Shri Gobind Lal Arneja, Krishan Lal Arneja and Mohinder Nath Arneja C-2/24, Model Town, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storeyed house built on plot of land No. 13 in Block D-14/A measuring 474.75 sq. yds. situated in the residential colony known as Model Town, Delhi near Kingsway Camp, Delhi.

Miss R. K. CHAHAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date 20-8-80 Seal :

(1) Smt. Vidya Wati w/o Capt. S. T. Sharma 57, Paschimpuri Extn., Now Delni.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Manohar Lal Bhatia S/o Amar Nath Bhatia G/81, Bali Nagar, New Delhi, (Transferee

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-L ACQUISITION RANGE-II, NEW DELIII

New Delhi-110002, the 20th August 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SRI/12-79/6026 Wherea; I, Mass R. K. CHAHAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000.1 and bearing No.

G/81, situated at Bali Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at Delhi on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; part/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--18 - 226GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. G-81, measuring 182 sq. yds., Single Storey at Bali Nagar, area of village Bassai, Darapur, Delhi State, Delhi,

> Miss R. K. CHAHAL Competent Authority, Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, New Delhi

Date 20-8-80 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi-110002, the 20th August 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-1/12-79 6041—Where s $-1,\,$ Miss R. K. CHAIIAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

26/19-20, situated at West Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 13-12-79

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or othe; assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bihari Lat s/o Sh. Wazir Chand 26/19-20, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Om Prakash Sawhney s/o Sh. Sarab Dayal & Smt. Ram Piari Sawhney w/o Sh. Sarab Dayal, r/o 201, Azad Market, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 26/19-20, West Patel Nagar, New Delhi with lease hold rights of the land underneath measuring 200 sq. yds with 2-1/2 storeyed pucca built house thereon and bounded as under the storeyed pucca built house thereon and bounded as under the storeyed puccase.

der :--North

Road

South East Gali Gali

West

Property No. 26/21,

Miss R. K. CHAHAL
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 20-8-80

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAY

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi-110002, the 20th August 1980

Rcf. No. IAC/Acq-II/SRII/12-79/3022.-- Whereas I, Miss R. K. CHAHAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Kothi No. 1 on Road No. 61 situated at Punjabi Bagh, New Delhi-26

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 22-12-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (t) Shri Darshan Singh s/o Rakhu Singh s/o Kothi No. 1, Road No. 61, Punjabi Bigh New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Baldev Raj, Harish Chand ss/o Mohan Lal Mehra of J-123, Rajouri Gurden, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 1 on Road No. 61 situated in Punjabi Bagh, New Delhi area of village Madipur Delhi State Delhi bounded as under :--

North South East Road No. 54

South Bu

Building on Plot No. 3 Road No. 61 (Plot No. 61)

West Service Lane

Miss R. K. CHAHAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11, New Delhi

Date: 20-8-80

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi-110002, the 20th August 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SRI/12-79/6086. -Whereas I, Miss R. K. CHAHAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 15/4 situated at Najafgarh Road Industrial Area, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jagan Nath Khullar s/o Sh. Daulat Ram Khullar B-146, (D.S.) Ramesh Nagar, New Delhi, as Regd. G. P.A. of Sh. Mukesh Kumar Dilawri.

(Transferor)

 M/s Dehati Engineering Works, 15, Najafgarh Road -New Delhi.

(Transfere

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 15/4 situated in Najafgarh Road Industrial Area with the land measuring 584 sq. yds. area of village Bassai

Darapur, Delhi bounded as under :-North Property No. 15/1

South Property No. 15 of Sh. Moti Ram

East Road

West Property No. 15/3

Miss R. K. CHAHAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 20-8-80

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELIN

New Delhi-110002, the 19th August 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR11/12-79/3028.—Whereas I, Miss R. K. CHAHAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 2, Road No. 22 Class C, situated at Punja bi Bagh New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of i⁹22) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M/s Rufgees Cooperative Housing Society Ltd., htrough Sh. Sadhu Ram Secretary, Rohtak Road, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri B. K. Narang s/o J.C. Narang & Sh. Vipin R Bhayana s/o P. C. Bhayana r/o A-27, New Krishna Park, Tilak Nagar, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2 on Road No. 22 Class C, measuring 659:72 sq. yds. situated at Punjabi Bagh, Village Shakurpur, Now Dolhi.

Miss R. K. CHAHAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquiition Range-II, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

Date: 19-8-80

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

hammad Alı Bazar, Mori Gate, Delhi.

(1) Smt. Jagdish Rani w/o Munshi Ram r/o 3077, Mo-

(2) Smi. Chander Malhotra w/o J. N. 3584, Ram, Bazer Mori Gete, Delhi. J. N. Malhotra r/o (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, New Delhi New Delhi-110002, the 19th August 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SRI/12-79/6055... Whereas I. Miss R. K. CHAHAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3507-9 situated at Rashid Manjil, Nikalson Road, Mori Gate, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Municipal No. 3507-9 known as Rashid Manzil Nicalson Road, Mori Gute, Delhi with the land measur-j ing 360 sq. yds, with three storeyed with godown bounded as under :--

North Gali South Gali

East Property No. 3506

West Gali

> Miss R. K. CHAHAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax

> A quisition Rangee-II, New Delhi

Date: 19-8-80

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi-110002, the 19th August 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SRI/12-79/6012,- Whereas I, Miss R. K. CHAHAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. J-179, situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S. Hardayal Singh Bindra s/o Late S. Gokal Singh & S. Harbans Singh Alag s/o Jodh Singh Alag r/o J-177, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rabinder Chadha r/o J-48, Rajouri Garden, Now Delhi & Manjit Singh & Birender Singh r/o A-43, Vishal Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovuble property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. J-179, Rajouri Garden, Illaqua of Village Bassei Darapur, Dolhi State, Delhi, Arca 289 sq. yds.

Miss R. K. CHAHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date: 19-8-80

····

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi-110002, the 19th August 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SRII/12-79/3027.—Whereas I. MISS R. K. CHAHAL

being the Cometent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 52, Road No. 2, Cl ss-C, situated at Punjabi

Righ, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Refugee Cooperative Housing Society Ltd., Rohtak Rotal, New Dolln through Sh. Sadhu Ram, Secretary. (Transferor)
- (2) Shri Charanjit Kumar S/o Sh. Gyan Chand & Asbok Kumar S/o Sh. Ajab Nath Sharma R/o 16/78, Punjabi Bagh, New Delbi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 52 measuring 355-55 sq. yds, at Road No. 2 Classi C situated in Panjubi Bagh village Shakurpur New Defhi.

MISS R. K. CHAHAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 19-8-80

NOTICE UNDER SECTION 2007 THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi-110002, the 20th August 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SRI/12-79/3007.—Whereas J, MISS R. K. CHAHAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 10-F, situated at Bhagwan Dass Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

19-226GI/80

(1) Smt, Nirmula Devi W/o R. L. Jain R/o 6-Ashoka Park Extension, New Delhi.

(Transferor

(2) Shri J. B. Singh S/o R. K. Singh R/o V. & P.O. Sonethu, Distt. Falzahad U.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed house No. 10 in Block F, situated in the colony known as Bhagwan Dass Nagar, area of village Shakupur Dolhi State, Delhi. Area 334 sq. yds.

MISS R. K. CHAHAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Date: 20-8-80

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RAFGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th July 1980

Ref. No. A.P. No. 2159.—Whereas I, B. S. DEHIYA

being the Competent Authority under-Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Premgarh, Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Hoshiarpur on Dec. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri M. h, Hardey Singhalies Herinder Pel Singh Vo L. Hard Dey Singh S/o Sh, Parduman Singh R/o Kus. 1982 at Hoshiparpur.

(Transferor)

(2) Shri Mann Chand S/o Sh. Sita Ram S/o Sh. Nihala R/o Salhmi P.S. Hamirpur (At present living abroad) C/o Thakkar Basria Ram alias Munshi Ram, House No. 182, Gali No. 11, Krishna Nagar, Hoshiarpur.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the prepenty)
- (4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)
 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sole deed No. 3515 of December, 1979 of the Registering Authority, Hoshlarpur.

(B.S. DEHIYA)
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 18-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th July 1980

Ref. No. A.P. No. 2160.—Whereas, I. B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Church Road, Ferozepur Cantt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ferozepur on Dec. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Prem Piari d/o Sh. Dhapo Bai widow of Sh Ram Kishan, Gali No. 6, Ferozepur Cantt. (Transferor)
- (2) Shri Ratinder Singh s/o Shri Mohinder Singh inside Bagdadi Gate, Ferozepur City.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above
 (Person in occupation of the proper
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knowns to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4441 of December, 1979 of the Registering Authority, Ferozepur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jullundur

Date: 18-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th August 1980

Ref. No. A.P. No. 2163.—Whereas, I B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Shiv Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Dec. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afroesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—-

- (1) Shri Hans Raj Bali S/o Sh. Daulat Ram, Rajlway Quarter T-164-C, D.S. Colony, Jodhpur (Rajasthan). (Transferor)
- (2) M/s Globe Auto Sales Corporation B-V-612/2, Shiv Nagar, Jullundur.

 (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knews to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 6450 of December, 1979 of the Registering Authority, Juliundur.

(B. S. DEHIYA)

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 4th August 1980,

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR Julundur, t he4th August 198 (

Ref. No. A. P. No. 2164.—Whereas, I B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per Schedule situated at Shiv Nager, Jullandur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullandur on Jan. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Hans Raj Bali S/o Sh. Daulat Ram, Railwry Quarter T-164-C, D. S. Colony, Jodhpur (Rajasthan).

(Transferor)

(2) M/s Globe Auto Sales Corporation, B-4-612/2, Shiv Nagar, Jullundur City.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knews to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7230 of January, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

(B. S. DEHIYA)

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 4-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Ref. No. A.P. N2165.—Whereas, I B. S. DEHIYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schodule situated at Chowk Bhagat Singh Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Jullundur on Dec. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Amar Nath S/o Jagan Nath R/o Durgapuri, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Lai Chand, Darshan Lai, Dharam Paul, Prep. Firm Walaiti Ram Lai Chand, Chowk Bhagat Singh, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 6427 of Dec. 1979 of the Registering Authority, Juliundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 4-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th August 1980

Ref. No. A.P. No. 2166.—Whereas I, B. S. DEHJYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule situated at Sukhera Basti Abohar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Abohar on Dec. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ram Lal S/o Lal Chand Smt. Jai Devi Wd/c Lal Chand R/o Sukhera Basti, Abohar.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Chander S/o Begi Rem R/o H. No. 635 Mohalla Kumharan Krishna Nagari, Abonar.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) A y other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the proprty)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration, sale deed No. 2063 of Dec. 1979 of the Registering Authority Abohar.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rance, Jullundur

Date: 5-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, JULLUNDUR

Juliundur, the 5th August 1980

Ref. No. A. P. No. 2167.—Whereas I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Sukhera Basti, Abohar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on Dec. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Ram Lal S/o Lal Chand Smt. Jai Devi Wd/o Lal Chand R/o Sukhera Basti, Abohar.
 - (Transferor)-
- (2) Shrimati Surasti Devi W/o Babu Lal R/o H. No. 635 Mohalla Kumharan Krishna Nagari, Abohar.
- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2064 of Dec. 1979 of the Registering Authority, Abohar.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range JULLUNDUR

Date: 5-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-II. CALCUTTA

Jullundur, the 5th August 1980

Ref. No. A.P. No. 2168—Whereas I B.S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per Schedule situated at Gali Dangar Hoshital Wali Abohar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Abohar on Dcc. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
20—226GI|80

- (1) Munshi Ram R/o Gali Dangar Hospital Wali, Abohar (Transferor)
- (2) Shri Kashmiri Lal S/o Fateh Chand R/o House No. 6824 M.C.A. Gali Dangar Hospital Wali, Abohar. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 Above (Person in occupation of the
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2040 of Dec. 1979 of the Registering Authority, Abohar.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Jullundur

Date 5-8-1980 Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th August 1980

Ref. No. A.P. No. 2169-Whereas, IBS. DEHIYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Grain Market, Abohar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on Dec. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shrimati Anguri Devi Wd/o Parbti Ram R/o Gali No.
 Mandi Abohar.

(Transferor)

(2) Shrimati Naraini Devi Wd/o Indraj Mal S/o Sh. Moti Ram. (ii)
(ii) Sh. Rjinder Kumar S/o Sh. Radhey Sham R/o Gali No. 3 Mandi Abohar.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1982 of Dec. 1979 of the Registering Authority, Abohar.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Jullundur

Date 5-8-1980. Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

LUDHIANA

Jullundur, 5th August 1980

Ref. No. A.P. No. 2170—Whereas I, B.S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Mandi Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Abohar on Dec. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bansi Lal S/o Mulkh Raj R/o Gali No. 1, Mandi Abohar Now 240-Lajpat Nagar, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Loke Nath S/o Khushia Ram R/o Gali No. 14-15, Mandi Abohar.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 Above. (Person inoccupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property (Person who the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2147 of Dec. 1979 of the Registering Authority, Abohar.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 5-8-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th August 1980

Ref. No. A.P. No. 2171—Whereas, I, D. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per Schedule situated at Vill. Kheriwali, Kapurthala (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on Feb. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mangal Singh s/o Bhagat Singh Vill. Kheriwali, Distt. Kapurthala.

(Transferor)

 Shrimati Gutdev Kaur w/o Santokh Singh Vill. Kherlwali, Teh. Kapurthala.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registrat icn sale deed No. 3414 of Feb. 1980 of the Registering A uthrity, Kapurthala.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 5-8-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th August 1980

Ref. No. A.P. No. 2172—Whereas, I. B.S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per Schedule situated at Kapurthala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Kaputhala on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money₈ or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Shri Harnam Singh S/o Khushal Singh, Kapurthala Through Sh Faqir Chand S/o Mool Raj, Kapurthala.

(Transferor)

(2) Shri Joginder Singh Mohinder Singh Lakhwinder Singh, Jaswinder Singh Ss/o Sh. Thakar Singh, Quilla Mohalla, Kapurthala.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of thus notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2686 of Dec. 1979 of the Registering Authority, Kapurthala,

B.S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 5-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 6th August 1980

Ref. No. A.P. No. 2173.—Whereas, I B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Mall Road, Ferozepur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ferozepur on Jan, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Sukhdev Singh S/o Sadhu Singh and Smt. Parkash Kaur W/o Sukhdev Singh, R/o 1379, Darshan Nagar, Jullundur City.

(Transferor)

(2) Shri Nathu Ram Aggarwal S/o Kaku Ram, Azad Chowk, Ferozepur Cantt.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property
 (Person whom the under singed knows to
 be interested in the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4785 of Jan. 1980 of the Registering Authority, Ferozepur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 6-8-1980.

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 6th August 1980

Ref. No. A.P. No. 2174:—Whereas, I.B..S. DFHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Abadi of Railway Road, Nawanshahar

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Nawanshahar on Dec. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inltlate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Roshan Lal S/o Ram Sahai S/o Shankar Sahai R/o Nawanshahar

(Transferor)

(2) Shri Ravinder Kumar S/o Ram Sahai S/o Shank ar Sahai R/o Nawanshahar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4315 of Dec. 1979 of the Registering Authority, Nawanshahar.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income)tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 6-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 6th August 1980

Ref. No. A.P. No. 2175.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269-B of the recome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. As per Schedule situated at Khera Road, Phrgwrra (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Nasib Kaur W/o Pyara Singh, R/o Khera Road, Near Railway Phatak, Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Bachan Kaur W/o Charan Singh, R/o Ram Pur Surna, Teh. Phagwara.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1854 of December, 1979 of the Registering Authority, Phagwara,

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Jullundur

Date: 6-8-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullandur, the 6th August, 1980

Ref. No. A. P. No. 2176.—Whereas, I.P. S. DFINYA being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to b lieve that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule entired (t.k.hert. Re. d. The pw. as tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at Phagwara on December, 1979

for an apparent confideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating at the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—21—226GI/80

 Shrimeti Nasib Kaur W/o Pyera Singh, R/o Khera Road, Near Rly. Phatak, Phagwara.

(Transferee)

 Shrimati Nacchter Kaur W/o Sodhi Singh, R/o Ram Pur Sunha, Teh, Phagwara.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 Above.

 (Persons in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1779 of Dec. 1979 of the Registering Authority, Phag-wara.

B. S. DEHIYA J
Competent Authority J
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax 3
Acquisition Range, Jullundur J

Date : 6-8-1980

Seul:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 6th August, 1980

Ref. No. A.P. No. 2177.—Whereas, I B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Khera Road, Phagwara (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Nasib Kaur W/o Pyara Singh R/o Khera Road, Near Rly. Phatak, Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Sodhi Singh S/o Charan Singh, R/o Ram Pur Sunra, Teh. Phagwara.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'taid Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeratic n sale deed No. 1733 of December, 1979 of the Registering Authority, Phywara.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jul undur

Date: 1-8-1980

Soul:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 7th August 1980

Ref. No. A.P. No. 2178.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per Schedule situated at Industrial Area. Jullundur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Sgar Chand Lotiah, 138-Model Town, Jullundur or C/o M/s. Nav Yug Sports Industrics, Basti Nau, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Shital Kumar Vij S/o Shri Başant Parkash Vij C/o Shital International, Post Box No. 407 and 449, Industrial Area, Jullundur.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 6755 of December, 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax)
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 7-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTTION RANGE, JULLUNDUR

Jullander, the 14th August 1980

Ref. No. A. P. No. 2179.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule Registed at G h No. 12, Mandi Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at Abohar on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Ram Pinri Wd/o Kuljas Rei, R/o House No. 1610, Gali No. 12 (Last Chowk), Abohar.

(Transferor)

(2) Shrimati Koushalya Devi W/o Bhim Sain, S/o Kuljas Rai, R/o House No. 1610, Gali No. 12 (Last Chowk), Abohar.

(Transferec)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in recompation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable properly within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registereticn sale deed No. 2152 of December, 1979 of the Registering Authority, Abohar.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometers,
Acquisition Rang, Jullundur

Date: 14-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULIJUNDUR

Jullandur, the 14th August 1980

Ref. No. A. P. No. 2180.—Whereth I. P. S. DIECYA, being the Composite Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per Sex Use signed at Vill. Nungal Teh. Millaur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforested excet is the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income acting from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Balbir Singh, Prin m Singh, Gutmel Singh SS/o Kartar Singh, Harbans Kaur, Natirder Kaur, Harpreet Kaur, Surjeet Kaur, Bala j Singh, Harpreet Singh, Ranjeet Singh, Nangal Teh, Phillaur.

(Transferor)

(2) M/s. Ranjit Singh and Co., Nangal, Teh. Phillaur.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 bove. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the preperty.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale dead No. 3745 of December, 1979 of the Registering Authority, Phillaur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 14-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR Jullundur, the 14th August 1980

Ref. No. A. P. No. 2181.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Inome-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Bhagwan Pur Teh. Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phagwara on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Lakha Ram s/o Mangoo Ram, Vill, Kehra Teh. Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Kuldip Singh Baljit Singh, Balwinder Singh s/o Shri Tara Singh, Vill. Palahi, Teh. Phagwara.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1799 of December, 1979 of the Registering Authority, Phagwara.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 14-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th August 1980

Ref. No. A. P. No. 2182.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No As per Schedule situated at G. T. Road, near Narinder Cinema, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Har Kaur Wd/o Lachhman Singh, through Smt. Amar Kaur W/o Shri Suresh Go I C/o New Walia Cold Storage, Nakodar Road, Jullundur, Present address, 27, Union Park, ali Hill, Khar, Bombay-52.

(Trans

(2) Shrimati Sukhminder Kaur W/o Kirpal Si g S/o Ranjit Singh, Vill. Shanker, Teh. Nakodar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 6531 of Dec. 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 14-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th August, 1980

Ref. No. A. P. No. 2183.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situ ted at G. T. Road, No. r. Norinder Cinema, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been to afferred under the Registration Act, (9)3 (16 of 1903) in the Office of the Registering Officer at Jullundur, on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Har Kaur Wd/o Lachhman Singh through Smt. Amar Kaur W/o Shri Suresh Gohl C/o New Walia Cold Storage, Nakodar Road, Juliundur Present Address, 27, Union Park, Poli Hill, Kher, Jiandon-52.

(Transferor)

(2) Shrimati Sukhminder Kaur W/O Kirpal Singh, S/O Ranjit Singh Vill. Shanker, Tch. Nakodar

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other persons in terested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 6575 of December, 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA

Competent Authority,
Justician Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 14-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. JULLUNDUR

Jullandar, the 14th August 1980

Ref. No. A. P. No. 2184,—Whoreas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-nnd

bearing No. As per Schedule situated at G. T. Road, Near Narinder Cinema, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 26°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°P of the said Act, to the following persons, namely:—

22—226 G.1/80

hrimgh SmKaur Wd/o Lachhman SiG
 IlbroudNew t. Amar Kaur W/o Suresh
 C/o ntar Walia Cold Storage
 Nako Road, Jullundur,
 Prese Address, 27-Union Park, Pali Hill,
 Khar, Bmobay-52. (Transferor)

(2) Shrimati Sukhminder Kaur W/o Kirpal Singh S/o Ranjit Singh Vill, Shanker, Teh. Nakodar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration Sale deed No. 6663 of December, 1979 of the Registering Authority, Juliundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliunr

Date: 14-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th August 1980

Ref. No. A. P. No. 2185.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. As per Schedule situated at G. T. Road, Near Narinder Cinema, Juliundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Jullundur on Dec. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shrimati Har Kaur Wd/o Lachhman Singh, through Smt. Amar Kaur W/o Suresh Gohl, C/o New Walia Cold Storage, Nakodar Road, Jullundur.
 Present Address, 27-Union Park, Pali Hill, Khar, Bombay-52. (Transferor)
- (2) Shrimati Sukhminder Kaur W/o Kirpal Singh, S/o Ranjit Singh, Vill. Shanker, Teh. Nakodar.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 6795 of Dec. 1979 of the Registering Authority, Juliundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 14-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th August 1980

Ref. No. A. P. No. 2186:—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per Schedule situated at Shastri Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evsion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Tarlok Singh S/o Kartar Singh, Namdhari Saw Mills, Nakodar Road, Jullundur City.

(Transferor)

(2) Shri Jasbir Singh S/o Raghbir Singh, Kothl Sardar Bahadur Ranjit Singh, Goshala Road, Sangrur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 6730 dated December, 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Jullundur.

Date: 14-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX CENTRAL REVENUE BUILDING ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th August 1980

Ref. No. CHD/351/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Residential Plot No. 1348, situated at Sector 33C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Brig, M. S. Khara S/o Shri Hardit Singh Khara, 12AB, Mathura Road, New Delhi.

(Transferor

(2) S/Shri Devinder Singh S/o S. Amar Singh & Amar Singh S/o Shri Kishan Singh & Smt. Harinder Pal Kaur W/o S. Amar Singh, R/o 37E, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1348, Sector 33C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1913 of December, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tay
Acquisition Range, Ludhiana,

Date: 8th August, 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th August 1980

Ref. No. NBA/172/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land measuring 266 sq. y ds. (9 Marlas) situated at Boran Gate, Nabha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

 Shri, Misra Singh S/o Shri Hira Singh, Ramdassia Mohalla, Harijan Basti, Nabha.

(Transferor)

(2) Shri Sudershan Lal S/o Shri Bal Krishan, Dewana Street, Nabha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this socies in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 266 sq. yds. (9 Marlas) at Boran G Nabha. (The property as mentioned in the sale deed No. 260,1 of December, 1979 of the Registering Authority, Nabha).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 8-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, dated the 8th August, 1980

Ref. No. CHD/385/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 1283, situated at Sector 34C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

It. Col. M. S. Gujral
 S/o Late S. Gurcharan Singh,
 HQ 10 Infantory Division, C/o 56APO.

(Transfe ror)

2) Shrimati Hardevi Setia, W/o Shri Y. R. Setia, R/o House No. 4316, Sector 23D, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1283, Sector 34C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 2037 of December, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax)
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 8-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 8th August, 1980

Ref. No. CHD/359/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 1424, situated at Sector 34C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Chandigarh on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Comd. Balbir Kumar S/o Sh. Jagan Nath C/o A/70, Shankar Garden, New Delhi.
 (Transferor)
- (2) Miss Rani Jasbir Kaur W/o Shri Hari Singh, C/o Smt. Jiwan Kaur, House No. 115, Face IV, Mohali.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1424, Sector 34C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1938 of December, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 8-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 8th August 1980

Ref. No. CHD/388/79-80.—Whereas J, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. SCO No. 22, situated at Sector 21C, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed thereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer

at Chandigarh on December, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gurcharan Singh S/o Shri Mehar Singh, r/o 65D, Block C Sector, Gandhi Nagar, Jammu.

(Transferor)

(2) S/Shri Tikka Ram, Chuni Lal, Piabhu Dayal & Babu Ram Ss/o Shri Munna Lal, R/o House No. 2325, Sector 22C, Chandigarh. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. C. O. No. 22, Sector 21C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 2061 of December, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 8-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX CENTRAL REVENUE BUILDING

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th August, 1980

Ref. No. CHD/393/79-80.— Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House No. 55, situated at Sector 28A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

23—226GI/80

 S. Didar Singh Jaggi S/o Shri Bhajan Singh Karta of Joint Undivided family comprising of himself, his wife Smt. Shakuntla Rani and his son Kulwant Bir Singh, R/o House No. 55, Sector 28A, Chandigarh.

(Transferor)

 S/Shri Sukhvinder Singh Dhaliwal, Surinder Singh Dhaliwal, Ss/o Shri Joginder Singh Dhaliwal, R/o House No. 55, Sector 28A, Chandigarh.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 55, Sector 28A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 2068 of December, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 8th August, 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

CENTRAL REVENUE BUILDING ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, The 8th August 1980

Ref. No. CHD/360/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. House No. 3266, situated at Sector 35D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jagjit Singh S/o Shri Partap Singh, 324, Phase III-B, Mohali.

(Transferor)

- (2) Shri Jagjit Singh S/o Shri Kartar Singh, Manager, Punjab & Sind Bank Ltd., Kharar and Smt. Surinder Kaur W/o Shri Jagjit Singh S/o Shri Kartar Singh. (Transferee)
- (3) 1. Shri Gurcharan Singh,
 2. Shri H. R. Arora, R/o
 House No. 3266, Sector 35D, Chandigarh.
 (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3266, Sector 35D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1939 of December, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 8th August, 1980

(1) Shri (Lt. Col.) G. I. Uban S/o Shri S. S. Uban R/o 299 Field Regiment, C/o 56 A.P.O.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th August 1980

Ref. No. CHD/358/79-80, -- Whereas, I. SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 1565 situated at Sector 34D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Jacometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the ollowing persons, namely:—

(2) Dr. Mangal Singh S/o Shri Harbhajan Singh, Smt. Sham Kaur W/o Dr. Mangal Singh & Shri Gurcharan Singh S/o Dr. Mangal Singh, r/o House No. 511, Sector 8B, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1565, Sector 34D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1936 of December, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 8-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 8th August 1980

Ref. No. CHD/377/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Residential Plot No. 1635 situated at Sector 36 D, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Harcharan Kaur Sahi Wd/o Shri A. S. Sahi, r/o 550, Model Town, Karnal (Haryana)

(Transferor)

 Shri Pushpinder Singh Chimmi s/o late Shri D. S. Chimmi, r/o 330, Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1635, Sector 36-D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1995 of December, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 8-8-1980

(i) Shri Santokh Singh S/o Shri Kishan Singh R/o V. Bhajoli, Distt. Ropar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Puran Chand Kaila S/o Shrl Munshi Ram, Manager, Punjab Natjonal Bank, Chowk Saidan, Ludhjana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th August 1980

Ref. No. LDH/532/79-80.—Whereas, I, Sukhdev Chend being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/2 share in House (Plot No. 5) situated at Gurdev Nagar, Ferozepur Road, Ludhiana

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning an given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in House (Plot) No. 5, Gurdev Nagar, Ferozeput Road, Ludhiana (The property as mentioned in the sale deed No 4563 of December, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-8-1980 S cal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th August 1980

Ref. No. LDH/615/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1/2 Share in House (Plot No. 5) situated at Gurdev Nogar, Ferozepur Road, Ludhjana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intimate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Santokh Singh S/o Shri Kishan Singh, R/o V. Bhajoli, Distt. Ropar through Shri Amar Singh S/o Sh. Anup Singh, r/o Bopa Rai Kalan, Teh. Jagraon.

(Transferor)

(2) Shri Puran Chand Kajla S/o Shri Munshi Ram, Manager, Punjab National Bank, Chowk Saidan, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in House (Plot No. 5) Gurdev Nagar, Ferozepur Road, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 5491 of March, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Ludhiana

Date: 8-8-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th August 1980

Ref. No. CHD/364/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 1153-P, situated at Sector 33C, Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at at Chandigarh in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen pcr cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Lt. Col. Gurmohinder Singh Bala /o Genl. Atma Singh, GSOI (WE) Hdq. Northern Command C/o 56 A.P.O.

(Transferor)

(2) Mrs. Surya Pandit, PCS W/o Shri Sant Ram Pandit & Shri Sant Ram Pandit PCS (Retd.) S/o Shri Tulsi Ram, S/o Shri Tuisi Ram, House No. 304, Sector 33 A, Chandig: rh. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1153-P, Sector 33C, Chandigarh. (The projectly as mentioned in the sale deed No. 1953 of December, 1979 ϵ f the Registering Authority, Chandigarh).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of section 296-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following person, namely :---

Date: 8-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE (
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th August 1980

Ref. No. CHD/371/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Residential Plot No. 434, situated at Scotor 37A, Chandigs 1h (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Aruna Dhall through her Attorney Shri Ravinder Krishan, Advocate, R/o 1188, Sector 18, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri K. R. Lakhanpal, I.A.S. as Karta of his H.U.F. consisting of his wife one daughter and one son, rs/o House No. 64, Sector 19A, Chandigarh. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 434, Sector 37A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1987 of December, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 8-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th August 1980

Ref. No. CHD/356/79-80,—Whereas I, SUKHDEV CHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House No. 2065, situated at Sector 35D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—24—226GI/80

(1) Shri Prabhakar Nath Wagh S/o Shri Nath Vinayok Wagh, through his substitute special power of Attorney Mrs. Daya Wanti Tandon, D/o Late Sh. Dev Lal Tandon R/o Arjun Nagar, P. O. Nakodar, Distt. Jullundur,

(Transferor)

(2) Miss Ravi Tandon D/o Late Shri Dev Lal Tandon R/o Near Bus Stand, Nakodar, Distt. Jullundur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3066, Sector 35D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1926 of December, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 8-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th August 1980

Ref. No. CHD/354/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assist: nt Commissioner of Income-tex Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. Plot No. 424, situated at Sector-35A, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer & at_Chandigarh in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- or b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Nurinder Kumar Schgal S/o Shri Satya Pal Sehgal, NF-132, Mohalla Killa, Jullundur through General Power of Attorney Shri Kidar Nath Sharma, r/o 229, Sector 9C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Anita Dada W/o Shri Vinod Dada, Jawahar Nagar, Jullundur City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 424, Sector 35-A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1922 of December, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspeting Assistant Commissioner of Incometex,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 8th August, 1980

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Acquisition Range, Ludhiana

Ludhiana, the 8th August 1980

Ref. No. CHD/352/79-80—Whereas I, SUKIIDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. Plot No. 3115, situated at Sector 35D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tux Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mujor Sukhbir Singh S/o Shri Kesar Singh, House No. 3889, Hill Read, Ambala Cantt. (Transferor)
- (2) Shri O. P. Duggal S/o Shri G. R. Duggal &Smt. Veena Duggal W/o Shri O. P. Duggal, r/o 3, Lakeview Road, Nangel Township (Repr) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3115, Sector 3°D, Chandigarh. (The proprty as mentioned in the sale deed No. 1917, of Dec. 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: : 8-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana the, 8th August 1980

Ref. No. CHD/336/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 1349, situated at Sector 33C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed here to has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Chandigarh in December, 1979

fer an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,

 M. i. Genl. Kuldip Singh Bajwa S/o Shri Gurdial Singh, r/o 272, Sector 33A, Chandigarh.

(Tfansferor)

(2) Shri Iqbal Singh S/o Shri Gurbax Singh & Smt. Jaspal Kaur W/o Shri Iqbal Singh, 1899, Sector 34D, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1349, Sector 33C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 2072 of December, 1979 of the Registering Authority, Chadigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th August 1980

Ref. No.CAD/381/79-80.—Whereas, I, SUKHDEVCHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 3349, situated at Sector 35D, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gurbachan Singh S/o Shri Isher Singh, Village Manak Majra, Distt. Ropar.

(Transferor)

(2) Shri Jasmer Singh S/o Shri Santokh Singh & Smt. Gursharan Kaur W/o Shri Jasmer Singh, r/o 3315, Sector 21D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3349, Sector 35D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 2028 of December, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 8-8-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th August, 1980

Ref. No. CHD/363/79-80.— Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 3142, situated at Sector 23D, Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Dilbagh Rai S/o Shri Amin Chand & Smt. Sheela Devi W/o Shri Dilbagh Rai, R/o 3233, Sector 23D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Ravi Kant S/o Shri K. L. Kapoor, R/o 1023, Sector 23B, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3142, Sector 23D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1949 of December, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 8-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th August, 1980

Ref. No. CHD/367/79-80. Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1/2 Share in Plot No. 27 (Old No. 15 Street 'B') situated at Sector 11-A, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Narinder Singh Mann S/o Slat Isher Singh Mann 104, King Edwards Drive Harrogate, N-Yarkshire U.K. through his General Power of Attorney Shri Malkiat Singh S/o Shri Inder Singh, VPO Sahauli Distt. Ludhiana.
- (2) Shri Hari Singh Mann S/o Shri Hazura Singh, R/o House No. 538, Sector 11B, Chandigarh.

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 Share in plot No. 27 (Old No. 15 Street 'B') Sec. 11A, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 1958 of December, 1979 of the Registering Authority, Chandlegarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 8th August, 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th August, 1980

Ref. No. CHD/366/79-80. -- Whereas I, SUKHDEV C AND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1/2 Share in plot No. 27 (Old No. 15 Street B) situated at Sector

11A, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Narinder Singh Mann S/o Shri Isher Singh Mann 104 King Edwards Drive Harrogate N. Yarkshire U.K. through General Power of Attorney Shri Malkiat Singh Grewal S/o Shr Inder Singh, V. & P.O. Sahauli, Distt. Ludhiana,

(Transferor)

(2) Smt. Surjit Kaur W/o Shri H. S. Mann, R/o 538, Sector 11B, Chandigarh.

(Transforee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 Share in Plot No. 27 (Old No. 15 St. ('B') Sector 11A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1957 of December, 1979 of the Registering Authority, Chandi-

> SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 8-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Acquisition Range, Ludhiana

Ludhiana, the 8th August, 1980

Ref. No. CHD/395/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 1374 situated at Sector 34C, Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:— 25—226GI/80

 Major Kanwarjit Singh Khurana S/o Shri J. S. Khurana resident of 48, Sector 18A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Subhash Chander Suneja
 S/o Shri Ram Ditta Mal Suneja
 R/o House No. 3847, Sector 32D, Chandigarh
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Plot No. 1374, Sector 34C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 2071 of December, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 8-8-1980

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Acquisition Range, Ludhiana

Ludhiana, the 8th August, 1980

Ref. No. CHD/386/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 1020 situated at Sector 36C, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Fit. Lt. Mohinder Singh Randhawa S/o Shri Balwant Singh Randhawa, 33 SQN. C/o 56 APO.

(Transferor)

(2) Smt. Paramjit Kaur W/o Shri Shamsher Singh, 33, EB, Nangal Township, Distt. Ropar.

(Transferce)

Objections, if any, to the Acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1020, S3ctor 36C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 2044 of December, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana,

Date: 8-8-1° Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

Acquisition Range, Ludhiana

Ludhiana, the 8th August, 1980

Ref. No. CHD/370/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Residential Plot No. 3355, situated at Sector 35D, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
Seal:

(1) Smt. Savitri W/o Shri J. S. Ancja, House No. 3355, Sector 35D, Chandigarh.

(Transferee)

(2) Shri Narinder Nath Mehra S/o Shri Duni Chand Mehra, R/o 700 Kucha Dalalan Katra Bhai Sant Singh Amritsar through Shri R. D. Grover, S/o Shri K. R. Grover, r/o House No. 3355, Sector 35D, Chandigarh. (Fransferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 3355, Sector 35D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1978 of December, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 8-8-1970

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Col. S. Rana S/o Shri S. Khan, r/o 155, Kandhari Lane, Lucknow-226001.

(Transferor)

(2) Dr. Krishan Kumar Khurana S/o Shri Mangi Shah, R/o House No. 151, Sector 11A, Chandigarh. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

Acquisition Range, Ludhiana

Ludhiana, the 8th August 1980

Ref. No. CHD/365/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Residential Plot No. 114, situated at Sector 36A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposses of the Indian Income-tax Act, (1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Weulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 114, Sector 36A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1956 of December, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 8-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Acquisition Range, Ludhiana Ludhiana, the 8th August 1980

Ref. No. CHD/397/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 36, Sector 27A, situated at Sector 27A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Lt. Col. Bakshi Tajinder Singh S/o Bakshi Darshan Singh, Dchra, Teh. Naraingarh, Distt, Ambala.

(Transferor)

(2) Shri Swaran Singh Mann S/o Shri Jagnandan Singh & Smt. Daljit Kaur W/o Shri Swaran Singh, V. & P. O. Abdul Kharana, Teh. Mukatsar, Distt. Faridkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 36, Sector 27A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 2073 of January, 1980/Dec. 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 8-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> Acquisition Range, Ludhiana Ludhiana, the 8th August 1980

Ref. No. CHD/389/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Residential Plot No. 1327, Sector 34-C, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Abnash Gurbaksh Singh W/o Lt. Col. Gurbaksh Singh r/o B-10, Defence Colony, New Delhi through Shri Gian Chand Bedi S/o Shri Kishan Chand Bedi r/o H. No. 184, Sector 18-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Mrs, Rajinder Kaur Bedi, w/o Shri Gian Chand Bedi & Master Sandeep Bedi, minor s/o Shri Gian Chand Bedi through Smt. Rajinder Kaur Bedi as mother and Natural Guardian r/o 446, Sector 11-B, Chandigarh. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential plot No. 1327, situated in Sector 34-C, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 2062 of December, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 8-8-1980

(1) Shri Kartar Chand Dua S/o Shrì Ganda Ram, House No. 2365, Sector 23C, Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Acquisition Range, Ludhiana

Ludhlana, the 8th August, 1980

Ref. No. CHD/376/79-80.--Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property No. 3325, situated at Sector 23D, Chandigarh. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value, of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Swaran Singh Dua S/o Shri Sant Singh Dua & Smt. Kewaljit Kaur W/o Shri Swaran Singh Dua, C/o Punjab & Sind Bank, Morinda (Ropar) (Transferee)

(3) 1. Shri Janardhan Dass Sharma,

2. Shri R. D. Sharma, 3. Shri Tilak Raj,

4. Shri Mohinder Singh,

5. Shri R. C. Sharma, 6. Shri Tara Singh, 7. Shri Kishori Lal,

8. Shri Bhag Singh,

9. Shri Sudesh Mittal,

Rs/o H. No. 3325, Sector 23D, Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House No. 3325, Sector 23D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1994 of December, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

Dated: 8-8-1980

Seal:

Now, therefore in pursuant of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

Acquisition Range, Ludhiana Ludhiana, the 8th August 1980

Ref. No. CHD/361/79-80.--Whereas 1, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 1816 situated at Sector 34D, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Y. P. Sharma, S/o Shri G. N. Sharma, r/o 13, Sector 9A, Chandigarh through his special power of attorney Smt. Jasbir Kaur.

(Transferor)

(2) Shri Dan Singh Nagi S/o Shri Nand Singh Nagi, 637, Sultanwind Road, Amritsar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1816, Sector 34D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1947, of December 1979 of the RegMstering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 8-8 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th August 1980

Ref. No. CHD/394/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 2169, situated at Sector 35C, Chandiggath.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Ilability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
26—226GI/80

 Major Jasjeet Singh S/o Shri Wazr Singh through his attorney Sub, Lal Singh S/o Shri Nandu Lal, V. & P. O. Sihala, Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Kirpal Kaur Kambo W/o Shri Harbans Singh Kambo through her attorney Sh. Jagdeep Singh S/o Shri Dharam Singh, House No. 3234, Sector 27D, Chandigarh

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2169, Sector 35C, Chandigarh. (The property as imentioned in the sale deed No. 2069 of December, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludbiana.

Date: 8-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 8th August 1980

Ref. No. CHD/357/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 2102, situated at Sector 35C, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Decembr, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Atma Singh, S/o ShriMota Singh, R/o 2102, Sector 34C, Chandigarh.

(Transfere

(2) Shri Amar Nath, S/o Shri Mool Chand Kohli, Booth No. 10, Sector 35C, Chandigarh.

(Transfere

Objections, if any, to the acquisition of the said prope may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a perof 45 days from the date of publication of this not in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persowhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the si immovable property within 45 days from the d of the publication of this notice in the Offic Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said A shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2102, Sector 35C, Chandigarh. (The proper as mentioned in the sale deed No. 1935, of December, 1979 the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAN
Competent Authori
Inspecting Assistant Commissioner of Income-t
Acquisition Range, Ludhian

Date: 8-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA Ludhiana, the 8th August 1980

Ref. No. SRD/147/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. Agricultural and measuring 24 kanals situated at V. Bassi, Teh. Sirhind.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhin I on December, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 369D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Malvinder Singh S/o Sh. Deva Singh, Attorney of Shri Avtar Singh S/o Shri Khushal Singh, r/o V. Bassi, Teh Sirhind, Distt. Patjala. (Transferor)
- (2) S/Shri Lakhvinder Singh, Devinder Singh, Gajinder Singh, Narinder Singh s/o Sh. Harbans Singh R/o V. Sunnia Majri, Teh. Sirhind, Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the seld property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 24 kanals situated at V. Bassi, Teh. Sirhind. (The property as mentioned in the sale deed No. 2789 of December, 79 of the Registering Authorty, Sirhind)...

SUKHDEV CHNAD,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Ludhiena

Date: 8th August, 1980.

FORM ITNS..... NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. LUDHIANA

Ludhiana, the 8th August 1980

Ref. No. SRD/148/79-80-Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

Bearing No. Land measuring 21 Kanal 4 morles situated at V. Bassi, Teh. Sirhind, Distt. Patiala.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Sirhind on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Aytar Singh S/o Shri Khushal Singh R/o Spatoo Road, Ambala through his G.P.A. Shri Malvinder Singh, s/o Shri Deva Singh R/o Bassi, Teh. Sirhind.

(Transferor)

2) Shri Lakhvinder Singh, Devinder Singh, Gajinder Singh, Narinder Singh S/o Shri, Harbers. Singh R/o V. Sunnia Mejri, Teh. Sirhind.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 21 kanal 4 marks at V. Bessi, Tch. Sithir?. (The property as mentioned in the site deed No. 2816 of Dec. 1979 of the Registering Authority, Sirhind).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 8-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri K.G. Varghese, Kodakuthamparambil, Near Sobha Theatre, Edappally.

(Transferor)

(2) Shri Tharlan Varghese, 47/841, Asoka Road, Kaloor, Cochin-17.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, COCHIN

Cochin-682016 the 2nd Ausust 1980

Ref. L.C. 417/80-81—Whereas I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sl. No. as per schedule situated at Ernakakulam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ernakulam on 7-12-1979

for an apparent consideration

and /or

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6 cents of land with building as per schedule attached to Doc. No. 4180/79 dated 7-12-1979.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Ernakulam

Dated: 2-8-1980.